

CTET L1 Hindi L2 Telugu P1

Topic:- CDP_P1_CTET

1) Holding a pencil is an example of _____ skill while kicking a football is an example of _____ skill.

- (1) fine motor, gross motor
- (2) social, emotional
- (3) gross motor, fine motor
- (4) emotional, social

एक पेंसिल को पकड़ना _____ कौशल का उदाहरण है जबकि फुटबाल को धकेलना _____ कौशल का उदाहरण है।

- (1) सूक्ष्म गतिक, सकल गतिक
- (2) सामाजिक, भावनात्मक
- (3) सकल गतिक, सूक्ष्म गतिक
- (4) भावनात्मक, सामाजिक

[Question ID = 1][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q1]

- 1. 1 [Option ID = 1]
- 2. 2 [Option ID = 2]
- 3. 3 [Option ID = 3]
- 4. 4 [Option ID = 4]

2) Which of the following is **not** correct in the context of development ?

- (1) Development proceeds in a discontinuous manner.
- (2) Children develop at different rates.
- (3) Development is a result of complex interaction of nature and nurture.
- (4) Development is relatively orderly.

विकास के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा सही **नहीं** है ?

- (1) विकास एक अनिरन्तर तरीके से होता है।
- (2) बच्चों की विकास दर में विभिन्नताएँ होती हैं।
- (3) विकास प्रकृति और पालन-पोषण के जटिल संपर्क का परिणाम है।
- (4) विकास अपेक्षाकृत व्यवस्थित रूप से होता है।

[Question ID = 2][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q2]

- 1. 1 [Option ID = 5]
- 2. 2 [Option ID = 6]
- 3. 3 [Option ID = 7]
- 4. 4 [Option ID = 8]

3) _____ and _____ are the primary agents/agencies of socialisations for children in early childhood.

- (1) Religious organisations and law
- (2) Neighbourhood and social policies
- (3) Print media and school
- (4) Family and neighbourhood

_____ और _____ प्रारंभिक बाल्यावस्था के दौरान बच्चों के प्राथमिक समाजीकरण की संस्थाएँ हैं।

- (1) धार्मिक संस्थाएँ और कानून
- (2) आस-पड़ोस और सामाजिक नीतियाँ
- (3) प्रिंट/मुद्रक मीडिया और विद्यालय
- (4) परिवार और आस-पड़ोस

[Question ID = 3][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q3]

- 1. 1 [Option ID = 9]
- 2. 2 [Option ID = 10]
- 3. 3 [Option ID = 11]
- 4. 4 [Option ID = 12]

4) According to Jean Piaget's theory of cognitive development, at which stage most children develop concerns about social issues and justice ?

- (1) Sensorimotor
- (2) Preoperational
- (3) Concrete operational
- (4) Formal operational

जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के अनुसार, अधिकतर बच्चे किस स्तर पर सामाजिक मुद्दों और न्याय के प्रति समझ स्थापित कर लेते हैं ?

- (1) संवेदी-गामक
- (2) पूर्व-संक्रियात्मक
- (3) मूर्त संक्रियात्मक
- (4) औपचारिक संक्रियात्मक

[Question ID = 4][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q4]

- 1. 1 [Option ID = 13]
- 2. 2 [Option ID = 14]
- 3. 3 [Option ID = 15]
- 4. 4 [Option ID = 16]

5) A student observes that stick A is larger than stick B and stick B is larger than stick C. Based on this observation the student infers that stick A is larger than stick C but when asked same problem verbally he fails to make correct inference. According to Piaget's theory, the student is at which stage of cognitive development ?

- (1) Concrete operational stage
- (2) Formal operational stage
- (3) Sensorimotor stage
- (4) Preoperational stage

एक विद्यार्थी निरीक्षण करता है कि छड़ A, छड़ B से लम्बी है तथा छड़ B, छड़ C से लम्बी है। इस निरीक्षण के आधार पर विद्यार्थी यह निष्कर्ष निकालता है कि छड़ A, छड़ C से लम्बी है, परन्तु जब यही समस्या उससे मौखिक रूप से पूछी जाती है, तो वह सही निष्कर्ष नहीं निकाल पाता। पियाजे के सिद्धांत के अनुसार, विद्यार्थी संज्ञानात्मक विकास की किस अवस्था में है ?

- (1) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था
- (2) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था
- (3) संवेदी-गामक अवस्था
- (4) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था

[Question ID = 5][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q5]

- 1. 1 [Option ID = 17]
- 2. 2 [Option ID = 18]
- 3. 3 [Option ID = 19]
- 4. 4 [Option ID = 20]

6) Which of the following is explained by Lawrence Kohlberg ?

- (1) The Social Contract orientation
- (2) Zone of proximal development
- (3) Inner speech
- (4) Egocentric speech

निम्न में से किसे लॉरेंस कोह्लबर्ग द्वारा वर्णित किया गया है ?

- (1) सामाजिक अनुबंध अभिविन्यास
- (2) निकटवर्ती विकास का क्षेत्र
- (3) आंतरिक वाक्
- (4) आत्मकेंद्रित वाक्

[Question ID = 6][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q6]

- 1. 1 [Option ID = 21]
- 2. 2 [Option ID = 22]
- 3. 3 [Option ID = 23]
- 4. 4 [Option ID = 24]

7) Rajesh, a 3rd grade student was struggling to find solution of a problem. Seeing this his teacher provided him some cues following which he could find the solution. In Lev Vygotsky's terms teacher's scaffolding helped Rajesh to achieve _____.

- (1) egocentrism
- (2) irreversible thinking
- (3) zone of proximal development
- (4) biological maturation

राजेश, तीसरी कक्षा का विद्यार्थी, एक समस्या का समाधान खोजने में जूझ रहा था। यह देखकर उसकी अध्यापिका ने उसे कुछ संकेत दिए, जिसके आधार पर वह समस्या का समाधान कर पाया। लेव वायगोत्स्की की शब्दावली में अध्यापिका ने पाइ प्रदान करके राजेश को _____ पाने में मदद की है।

- (1) स्व-केन्द्रीयता
- (2) अपरिवर्तनीय सोच
- (3) समीपस्थ विकास का क्षेत्र
- (4) जैविक परिपक्वता

[Question ID = 7][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q7]

- 1. 1 [Option ID = 25]
- 2. 2 [Option ID = 26]
- 3. 3 [Option ID = 27]
- 4. 4 [Option ID = 28]

8) Who among the following theorists emphasised on social constructivism in the context of learning ?

- (1) B. F. Skinner
- (2) Lawrence Kohlberg
- (3) Lev Vygotsky
- (4) Sigmund Freud

निम्नलिखित में से किस सिद्धांतकारी ने अधिगम के संदर्भ में सामाजिक संरचनावाद पर जोर दिया है ?

- (1) बी. एफ. स्किनर
- (2) लॉरेंस कोहलबर्ग
- (3) लेव वायगोत्स्की
- (4) सिगमंड फ्रॉयड

[Question ID = 8][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q8]

- 1. 1 [Option ID = 29]
- 2. 2 [Option ID = 30]
- 3. 3 [Option ID = 31]
- 4. 4 [Option ID = 32]

9) Learning by doing, discovery learning and collaborative learning are characteristics of a _____ classroom.

- (1) Behaviouristic
- (2) Progressive
- (3) Teacher-centered
- (4) Passive

करके सीखना, खोजी अधिगम और सहभागी अधिगम एक _____ कक्षा की विशेषताएँ हैं।

- (1) व्यवहारवादी
- (2) प्रगतिशील
- (3) अध्यापक-केंद्रित
- (4) निष्क्रिय

[Question ID = 9][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q9]

- 1. 1 [Option ID = 33]
- 2. 2 [Option ID = 34]
- 3. 3 [Option ID = 35]
- 4. 4 [Option ID = 36]

10) Radhika is a sportsperson as well as a good dancer. According to Howard Gardner, she has _____ type of intelligence.

- (1) intrapersonal
- (2) linguistic
- (3) bodily kinesthetic
- (4) musical

राधिका एक खिलाड़ी होने के साथ-साथ एक अच्छी नृत्यांगना भी है। हावर्ड गार्डनर के अनुसार उसके पास _____ प्रकार की बुद्धि है।

- (1) अंतःवैयक्तिक
- (2) भाषाई
- (3) शारीरिक गतिक-संवेदी
- (4) संगीतात्मक

[Question ID = 10][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q10]

- 1. 1 [Option ID = 37]
- 2. 2 [Option ID = 38]
- 3. 3 [Option ID = 39]
- 4. 4 [Option ID = 40]

11) According to National Education Policy 2020, priority should be given to _____ for the education of children up to the primary level.

- (1) mother tongue
- (2) foreign language
- (3) English language
- (4) only sign language

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, प्राथमिक स्तर तक के बच्चों की शिक्षा के लिए _____ को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ।

- (1) मातृभाषा
- (2) विदेशी भाषा
- (3) अंग्रेजी भाषा
- (4) केवल सांकेतिक भाषा

[Question ID = 11][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q11]

- 1. 1 [Option ID = 41]
- 2. 2 [Option ID = 42]
- 3. 3 [Option ID = 43]
- 4. 4 [Option ID = 44]

12) Which of the following statement represents a gender stereotype ?

- (1) Girls are equally competent in academics as boys.
- (2) Girls are always well-behaved, gentle and emotional.
- (3) Both boys and girls have competency to do well in sports.
- (4) Girls can handle both education and family in the same way as boys do.

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन लिंग रूढ़िवादिता को दर्शाता है ?

- (1) लड़कियाँ लड़कों की तरह ही शैक्षिक क्षेत्र में सक्षम हैं ।
- (2) लड़कियाँ हमेशा अच्छा व्यवहार करने वाली, कोमल और भावुक होती हैं ।
- (3) लड़के और लड़कियाँ दोनों खेलों में अच्छा करने की सक्षमता है ।
- (4) लड़कियाँ लड़कों की ही तरह शिक्षा और परिवार दोनों को संभाल सकती हैं ।

[Question ID = 12][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q12]

- 1. 1 [Option ID = 45]
- 2. 2 [Option ID = 46]
- 3. 3 [Option ID = 47]
- 4. 4 [Option ID = 48]

13) **Assertion (A) :**

A teacher should avoid using standardised curriculum in a classroom comprising students from diverse socio-economic backgrounds.

Reason (R) :

Children learn best when they are extrinsically motivated to learn.

Choose the correct option.

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).
- (3) (A) is true but (R) is false.
- (4) Both (A) and (R) are false.

अभिकथन (A) :

एक ऐसी कक्षा जिसमें विविध सामाजिक-आर्थिक परिप्रेक्ष्यों से संबंधित विद्यार्थी हैं, वहाँ अध्यापिका को मानकीकृत पाठ्यक्रम के इस्तेमाल से बचना चाहिए ।

कारण (R) :

बच्चे बहुत अच्छे से सीखते हैं जब वे बाह्य रूप से अभिप्रेरित हों ।

सही विकल्प चुनें ।

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है ।
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है ।
- (3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है ।
- (4) (A) और (R) दोनों गलत हैं ।

[Question ID = 13][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q13]

- 1. 1 [Option ID = 49]
- 2. 2 [Option ID = 50]
- 3. 3 [Option ID = 51]
- 4. 4 [Option ID = 52]

14) Which of the following question asked by the teacher encourages creativity and problem-solving skills among children ?

- (1) What is pollution ?
- (2) What are the causes of pollution ?
- (3) What are the types of pollution ?
- (4) How can you control pollution in your city ?

शिक्षक द्वारा निम्न में से पूछा गया कौन-सा प्रश्न बच्चों में सृजनात्मकता और समस्या समाधान कौशलों को बढ़ावा देता है ?

- (1) प्रदूषण क्या होता है ?
- (2) प्रदूषण किन कारणों से हो सकता है ?
- (3) प्रदूषण कितने प्रकार का होता है ?
- (4) अपने शहर में आप प्रदूषण पर नियंत्रण किस प्रकार कर सकते हैं ?

[Question ID = 14][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q14]

1. 1 [Option ID = 53]
2. 2 [Option ID = 54]
3. 3 [Option ID = 55]
4. 4 [Option ID = 56]

15) The main objective of assessment should be :

- (1) labelling the students based on their performance.
- (2) complaining to the parents about what their ward cannot do.
- (3) drawing comparisons and creating hierarchies among students.
- (4) understanding the strengths and challenges faced by students in the process of learning.

मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य क्या होना चाहिए ?

- (1) प्रदर्शन के आधार पर विद्यार्थियों का नामीकरण करना ।
- (2) माता-पिता को उनके बच्चे की शिकायत करना कि वह क्या करने में असक्षम है ।
- (3) विद्यार्थियों में तुलना करना और पदानुक्रमता स्थापित करना ।
- (4) विद्यार्थियों द्वारा अधिगम प्रक्रिया में महसूस की जाने वाली चुनौतियों और उनके सामर्थ्य को समझना ।

[Question ID = 15][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q15]

1. 1 [Option ID = 57]
2. 2 [Option ID = 58]
3. 3 [Option ID = 59]
4. 4 [Option ID = 60]

16) Inclusive education means :

- (1) teaching students with diverse needs in different schools.
- (2) developing a schooling system where needs of all students are addressed.
- (3) dividing students in different sections based on their performance.
- (4) admitting the student in school and putting onus on him to adjust to the schooling system.

समावेशी शिक्षा का क्या मतलब है ?

- (1) विविध जरूरतों वाले विद्यार्थियों को अलग-अलग स्कूल में पढ़ाना ।
- (2) एक ऐसी स्कूली व्यवस्था स्थापित करना जहाँ सभी विद्यार्थियों की जरूरतों की पूर्ति हो ।
- (3) विद्यार्थियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर अलग-अलग समूहों में बाँटना ।
- (4) विद्यार्थी को स्कूल में दाखिला देकर उस पर स्कूली व्यवस्था में समायोजित होने का भार डालना ।

[Question ID = 16][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q16]

1. 1 [Option ID = 61]
2. 2 [Option ID = 62]
3. 3 [Option ID = 63]
4. 4 [Option ID = 64]

17) A teacher in a diverse classroom _____

- (1) ignores some students to increase the achievement of other children.
- (2) uses different teaching-learning and assessment methods as per the needs of the students.
- (3) does not give any importance to the learning levels of the students.
- (4) creates a fearful environment in the classroom.

एक विविधता वाली कक्षा में एक शिक्षक को क्या करना चाहिए ?

- (1) अन्य बच्चों की उपलब्धि बढ़ाने के लिए कुछ छात्रों की उपेक्षा करनी चाहिए ।
- (2) विद्यार्थियों की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न शिक्षण-अधिगम और मूल्यांकन विधियों का उपयोग करना चाहिए ।
- (3) विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को कोई महत्व नहीं देना चाहिए ।
- (4) कक्षा में एक भयभीत वातावरण बनाना चाहिए ।

[Question ID = 17][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q17]

- 1. 1 [Option ID = 65]
- 2. 2 [Option ID = 66]
- 3. 3 [Option ID = 67]
- 4. 4 [Option ID = 68]

18) Students having dyslexia face direct challenge in _____ and students having dyscalculia face direct challenge in _____.

- (1) reading and writing, manipulating numbers
- (2) manipulating numbers, spelling words
- (3) spelling words, physical coordination
- (4) physical coordination, writing story

पठनवैकल्य से जूझने वाले विद्यार्थी _____ में और गुणजवैकल्य से जूझने वाले विद्यार्थी _____ में सापेक्ष रूप से चुनौती महसूस करते हैं ।

- (1) वाचन और लिखने, अंकों के हेरफेर
- (2) अंकों के हेरफेर, शब्द वर्तनी
- (3) शब्द वर्तनी, शारीरिक समन्वयता
- (4) शारीरिक समन्वयता, कहानी लेखन

[Question ID = 18][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q18]

- 1. 1 [Option ID = 69]
- 2. 2 [Option ID = 70]
- 3. 3 [Option ID = 71]
- 4. 4 [Option ID = 72]

19) For successful inclusion of students with visual impairment, a teacher should :

- (1) provide as much information as possible in written format
- (2) use colour pens to highlight important information
- (3) make diagrams on blackboard to visually describe the concepts
- (4) use auditory ways of presenting the information

दृष्टिबाधिता से जूझते विद्यार्थियों के सफल समावेशन हेतु, एक अध्यापिका को क्या करना चाहिए ?

- (1) जितनी हो सके उतनी जानकारी लिखित स्वरूप में प्रदान करनी चाहिए
- (2) महत्वपूर्ण जानकारी को रंगीन लेखनियों द्वारा इंगित करना चाहिए
- (3) संप्रत्ययों की व्याख्या करने के लिए श्यामपट्ट पर आरेख बनाने चाहिए
- (4) जानकारी को प्रस्तुत करने के लिए मौखिक तरीके अपनाने चाहिए

[Question ID = 19][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q19]

1. 1 [Option ID = 73]
2. 2 [Option ID = 74]
3. 3 [Option ID = 75]
4. 4 [Option ID = 76]

20) Which of the following is correct in context of students with giftedness ?

- (1) They think convergently and conventionally.
- (2) They have low-receptivity to learn.
- (3) They avoid taking risks of performing new tasks.
- (4) They display reversibility and flexibility of mental processes.

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के संदर्भ में निम्न में से क्या सही है ?

- (1) वे अभिसारी और परम्परागत तरीके से सोचते हैं।
- (2) उनमें सीखने के प्रति कम ग्रहणशीलता होती है।
- (3) वे नए क्रियाकलापों को करने का जोखिम टालते हैं।
- (4) वे मानसिक क्रियाओं में परिवर्तनशीलता और लचीलापन दिखाते हैं।

[Question ID = 20][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q20]

1. 1 [Option ID = 77]
2. 2 [Option ID = 78]
3. 3 [Option ID = 79]
4. 4 [Option ID = 80]

21) *Assertion (A) :*

A teacher should promote collaboration, dialogues and debates among students in a classroom.

Reason (R) :

Children are capable to construct meaning of their environment through social interactions.

Choose the correct option.

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).
- (3) (A) is true but (R) is false.
- (4) Both (A) and (R) are false.

अभिकथन (A) :

एक अध्यापिका को कक्षा में विद्यार्थियों के बीच सहभागिता, बातचीत और वैचारिक बहस को बढ़ावा देना चाहिए।

कारण (R) :

बच्चे सामाजिक अन्तःक्रिया द्वारा अपने वातावरण के बारे में अर्थ सृजन में सक्षम होते हैं।

सही विकल्प चुनिए।

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- (3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
- (4) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

[Question ID = 21][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q21]

- 1. 1 [Option ID = 81]
- 2. 2 [Option ID = 82]
- 3. 3 [Option ID = 83]
- 4. 4 [Option ID = 84]

22) Which of the following framework believes that 'learning is an active process which takes place in cultural contexts' ?

- (1) Psychoanalytic
- (2) Behaviouristic
- (3) Socio-constructivist
- (4) Moralistic

'अधिगम एक सक्रिय प्रक्रिया है जो एक सांस्कृतिक संदर्भ में होती है।' निम्न में से कौन-सा दृष्टिकोण इस विचार में विश्वास रखता है ?

- (1) मनोविश्लेषणवाद
- (2) व्यवहारवाद
- (3) सामाजिक-संरचनावाद
- (4) नैतिकवाद

[Question ID = 22][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q22]

1. 1 [Option ID = 85]
2. 2 [Option ID = 86]
3. 3 [Option ID = 87]
4. 4 [Option ID = 88]

23) Which of the following promotes learning of a new concept ?

- (1) Relating new knowledge with previous knowledge of students.
- (2) Disconnecting new knowledge from socio-cultural background of students.
- (3) Creating pressure and fear of failure among students.
- (4) Restricting social interactions and collaborations among students.

निम्न में से कौन-सा एक नए संप्रत्यय के अधिगम को बढ़ावा देता है ?

- (1) नए ज्ञान को विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान से जोड़ना ।
- (2) नए ज्ञान को विद्यार्थियों के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ से ना जोड़ना ।
- (3) विद्यार्थियों पर दबाव और असफलता का डर पैदा करना ।
- (4) विद्यार्थियों के बीच पारस्परिक संपर्क और सहभागिता पर रोक लगाना ।

[Question ID = 23][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q23]

1. 1 [Option ID = 89]
2. 2 [Option ID = 90]
3. 3 [Option ID = 91]
4. 4 [Option ID = 92]

24) Which of the following approach downplays the role of students as active agents in knowledge construction ?

- (1) Rote memorisation
- (2) Discovery learning
- (3) Inquiry
- (4) Exploration

निम्न में से कौन-सा उपागम ज्ञान निर्माण में विद्यार्थियों की सक्रिय भूमिका को कमतर रूप से देखता है ?

- (1) कंठस्थ स्मरण
- (2) खोजी अधिगम
- (3) खोजबीन
- (4) अन्वेषण

[Question ID = 24][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q24]

1. 1 [Option ID = 93]
2. 2 [Option ID = 94]
3. 3 [Option ID = 95]
4. 4 [Option ID = 96]

25) Renu always takes a decision by considering various aspects of problem-solving and comes up with many correct solutions at the end. She is using _____ type of thinking to solve the problem.

- (1) Divergent
- (2) Convergent
- (3) Egocentric
- (4) Irrational

रेणु हमेशा समस्या-समाधान के विभिन्न पहलुओं पर विचार करके और अंत में कई सही समाधान ढूँढ लेती है। वह समस्या को हल करने के लिए _____ प्रकार की सोच का उपयोग कर रही है।

- (1) अपसारी
- (2) अभिसारी
- (3) आत्मकेंद्रित
- (4) अतार्किक

[Question ID = 25][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q25]

- 1. 1 [Option ID = 97]
- 2. 2 [Option ID = 98]
- 3. 3 [Option ID = 99]
- 4. 4 [Option ID = 100]

26) Which of the following is the correct way to respond to the errors committed by students ?

- (1) Punishing the students for making errors.
- (2) Directly telling the correct answer to students and asking them to write it multiple times.
- (3) Asking the students to copy the answer from their friend.
- (4) Analysing the learning gaps which caused error and providing support to students accordingly.

विद्यार्थियों द्वारा की गई त्रुटियों से निपटने का सही तरीका क्या है ?

- (1) विद्यार्थियों को त्रुटियाँ करने के लिए दण्डित करना।
- (2) विद्यार्थियों को सीधे सही जवाब बता देना और उन्हें उसे बार-बार कॉपी में लिखने को देना।
- (3) विद्यार्थियों को अपने सहपाठी का सही जवाब नकल करने को कहना।
- (4) अधिगम कमियों का विश्लेषण करना जिनकी वजह से त्रुटि हुई है और विद्यार्थियों को तदनुसार सहायता प्रदान करना।

[Question ID = 26][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q26]

- 1. 1 [Option ID = 101]
- 2. 2 [Option ID = 102]
- 3. 3 [Option ID = 103]
- 4. 4 [Option ID = 104]

27) Which of the following emotions are students likely to experience when outcome is uncertain and focus is on failure ?

- (1) Enjoyment
- (2) Anxiety
- (3) Hope
- (4) Boredom

ऐसी स्थिति में जब परिणाम अनिश्चित है लेकिन ध्यान असफलता पर है, विद्यार्थी निम्न में से किस संवेग का अनुभव करेंगे ?

- (1) आनंद
- (2) दुश्चिंता
- (3) उम्मीद
- (4) बोरियत

[Question ID = 27][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q27]

- 1. 1 [Option ID = 105]
- 2. 2 [Option ID = 106]
- 3. 3 [Option ID = 107]
- 4. 4 [Option ID = 108]

28) Students should be motivated to frame _____ goals.

- (1) mastery-oriented
- (2) performance-oriented
- (3) failure-accepting
- (4) mastery-avoidance

विद्यार्थियों को किस तरह के लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए ?

- (1) महारत-उन्मुखी
- (2) प्रदर्शन-उन्मुखी
- (3) असफलता-स्वीकार्य
- (4) महारत-परिहारी

[Question ID = 28][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q28]

- 1. 1 [Option ID = 109]
- 2. 2 [Option ID = 110]
- 3. 3 [Option ID = 111]
- 4. 4 [Option ID = 112]

29) Ability to monitor, evaluate and modify one's own thought process is called _____.

- (1) Recall
- (2) Memorisation
- (3) Attention
- (4) Metacognition

अपनी स्वयं की चिंतन प्रक्रिया को जाँचने, मूल्यांकन करने और तदनुसार परिवर्तित करने की योग्यता क्या कहलाती है ?

- (1) प्रत्यास्मरण
- (2) रटना
- (3) ध्यान
- (4) अधिसंज्ञान/परासंज्ञान

[Question ID = 29][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q29]

- 1. 1 [Option ID = 113]
- 2. 2 [Option ID = 114]
- 3. 3 [Option ID = 115]
- 4. 4 [Option ID = 116]

30) Which of the following sequence of content representation is most appropriate to teach a concept in primary grades ?

- (1) Symbols, concrete materials, images
- (2) Images, concrete materials, symbols
- (3) Concrete materials, images, symbols
- (4) Symbols, images, concrete materials

प्राथमिक कक्षाओं में किसी संप्रत्यय को पढ़ाने के लिए, निम्न में से विषयवस्तु प्रस्तुति का कौन-सा क्रम सर्वाधिक उपयुक्त है ?

- (1) संकेत, मूर्त सामग्री, चित्र
- (2) चित्र, मूर्त सामग्री, संकेत
- (3) मूर्त सामग्री, चित्र, संकेत
- (4) संकेत, चित्र, मूर्त सामग्री

[Question ID = 30][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_114_Q30]

- 1. 1 [Option ID = 117]
- 2. 2 [Option ID = 118]
- 3. 3 [Option ID = 119]
- 4. 4 [Option ID = 120]

Topic: - MATH_Q31-45_P1_CTET

1) 32 bananas were distributed equally among 6 monkeys. How many bananas will be left ?

- (1) 0
- (2) 1
- (3) 2
- (4) 3

32 केलों को समान रूप से 6 बंदरों में बाँटा गया। कितने केले शेष रह जाएँगे ?

(1) 0

(2) 1

(3) 2

(4) 3

[Question ID = 31][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q31]

1. 1 [Option ID = 121]
2. 2 [Option ID = 122]
3. 3 [Option ID = 123]
4. 4 [Option ID = 124]

2) If a student adds a two-digit number with a number obtained by reversing its digits, the sum will be

- (1) Divisible by 2
- (2) Divisible by 3
- (3) Divisible by 7
- (4) Divisible by 11

यदि एक विद्यार्थी दो अंकों की किसी संख्या को उस संख्या में जोड़ता है, जो अंकों को पलटने से प्राप्त होती है, तो प्राप्त योगफल होगा

- (1) 2 से विभाज्य
- (2) 3 से विभाज्य
- (3) 7 से विभाज्य
- (4) 11 से विभाज्य

[Question ID = 32][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q32]

1. 1 [Option ID = 125]
2. 2 [Option ID = 126]
3. 3 [Option ID = 127]
4. 4 [Option ID = 128]

3) Ammu's mother has prepared some jalebis. They are less than fifty in number. Ammu noted that if these were divided among 2 or 3 or 7 persons equally, then no jalebi will be left. Now she has to share it equally among 5 persons. What is the minimum number of jalebis left out ?

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

अम्मू की माँ ने कुछ जलेबियाँ बनाईं। इनकी संख्या 50 से कम है। अम्मू ने देखा कि यदि इन्हें 2 या 3 या 7 व्यक्तियों में समान रूप से वितरित किया जाए, तो कोई जलेबी शेष नहीं बचेगी। अब, उन्हें इन जलेबियों को 5 व्यक्तियों में समान रूप से वितरित करना है। न्यूनतम कितनी जलेबियाँ शेष बचेंगी ?

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

[Question ID = 33][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q33]

- 1. 1 [Option ID = 129]
- 2. 2 [Option ID = 130]
- 3. 3 [Option ID = 131]
- 4. 4 [Option ID = 132]

4) Three sisters Anna, Laya and Sana went for a picnic. Their mother gave them three notes of ₹ 100 and one note of ₹ 50. They purchased 4 bottles of juice of price ₹ 20.00 per bottle. They shared the remaining amount equally among themselves. What will be Sana's share ?

- (1) ₹ 80
- (2) ₹ 75
- (3) ₹ 100
- (4) ₹ 90

तीन बहनें अन्ना, लाया और सना एक पिकनिक पर गईं। उनकी माँ ने उन्हें ₹ 100 के तीन नोट और ₹ 50 का एक नोट दिया। उन्होंने ₹ 20.00 प्रति बोतल की दर से 4 बोतल जूस खरीदा। फिर, उन्होंने शेष धनराशि को समान रूप से आपस में बाँट लिया। सना का भाग कितना होगा ?

- (1) ₹ 80
- (2) ₹ 75
- (3) ₹ 100
- (4) ₹ 90

[Question ID = 34][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q34]

- 1. 1 [Option ID = 133]
- 2. 2 [Option ID = 134]
- 3. 3 [Option ID = 135]
- 4. 4 [Option ID = 136]

- 5) Teacher draws two intersecting circles on the board and asks Nayana and Rajul to write as follows :

Rajul has to write all the factors of 80 in one circle. Nayana has to write all the factors of 110 in second circle. What is the largest number in the common portion of the circle ?

- (1) 2
- (2) 5
- (3) 10
- (4) 20

शिक्षक बोर्ड पर दो प्रतिच्छेदी वृत्तों को खींचता है तथा नयना और राजुल से इस प्रकार लिखने के लिए कहता है :

राजुल को एक वृत्त में 80 के सभी गुणनखंड लिखने हैं। नयना को दूसरे वृत्त में 110 के सभी गुणनखंड लिखने हैं। इन वृत्तों के उभयनिष्ठ भाग में सबसे बड़ी संख्या क्या है ?

- (1) 2
- (2) 5
- (3) 10
- (4) 20

[Question ID = 35][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q35]

- 1. 1 [Option ID = 137]
- 2. 2 [Option ID = 138]
- 3. 3 [Option ID = 139]
- 4. 4 [Option ID = 140]

- 6) What is the difference between the place values of 7s in the number 276578 ?

- (1) 69993
- (2) 69930
- (3) 69300
- (4) 63000

संख्या 276578 में 7 के स्थानीय मानों का अंतर क्या है ?

- (1) 69993
- (2) 69930
- (3) 69300
- (4) 63000

[Question ID = 36][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q36]

- 1. 1 [Option ID = 141]
- 2. 2 [Option ID = 142]
- 3. 3 [Option ID = 143]
- 4. 4 [Option ID = 144]

7) What is the number of faces in a triangular prism ?

- (1) 3
- (2) 5
- (3) 6
- (4) 7

किसी त्रिभुजीय आधार के प्रिज़म में फलकों की संख्या क्या है ?

- (1) 3
- (2) 5
- (3) 6
- (4) 7

[Question ID = 37][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q37]

- 1. 1 [Option ID = 145]
- 2. 2 [Option ID = 146]
- 3. 3 [Option ID = 147]
- 4. 4 [Option ID = 148]

8) Which of the following pair of figures have the same number of lines of symmetry ?

- (1) Parallelogram and Rhombus
- (2) Kite and parallelogram
- (3) Square and Rectangle
- (4) Rectangle and Rhombus

निम्न में से किन आकृतियों के युग्म में सममित रेखाओं की संख्याएँ समान होती हैं ?

- (1) समांतर चतुर्भुज और समचतुर्भुज
- (2) पतंग और समांतर चतुर्भुज
- (3) वर्ग और आयत
- (4) आयत और समचतुर्भुज

[Question ID = 38][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q38]

- 1. 1 [Option ID = 149]
- 2. 2 [Option ID = 150]
- 3. 3 [Option ID = 151]
- 4. 4 [Option ID = 152]

9) Measures of the two angles between hour and minute hands of a clock at 7 o'clock are

- (1) 330° , 30°
- (2) 285° , 75°
- (3) 210° , 150°
- (4) 270° , 90°

किसी घड़ी में 7 बजने पर, उसकी घंटे और मिनट की सुइयों के बीच के दो कोणों की माप होती है

- (1) 330° , 30°
- (2) 285° , 75°
- (3) 210° , 150°
- (4) 270° , 90°

[Question ID = 39][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q39]

- 1. 1 [Option ID = 153]
- 2. 2 [Option ID = 154]
- 3. 3 [Option ID = 155]
- 4. 4 [Option ID = 156]

10) How many minimum number of square shaped stamps of side 1 cm are required to cover a figure which is of the shape of a rectangle of sides 4 cm and 6 cm attached to a square of side 3 cm ?

- (1) 9
- (2) 24
- (3) 33
- (4) 72

एक ऐसी आकृति को ढकने के लिए, 1 cm भुजा वाले वर्गाकार टिकटों की कितनी न्यूनतम संख्या की आवश्यकता होगी, जो 4 cm और 6 cm भुजाओं वाला एक आयत है और उसके साथ 3 cm भुजा का एक वर्ग जुड़ा हुआ है ?

- (1) 9
- (2) 24
- (3) 33
- (4) 72

[Question ID = 40][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q40]

- 1. 1 [Option ID = 157]
- 2. 2 [Option ID = 158]
- 3. 3 [Option ID = 159]
- 4. 4 [Option ID = 160]

11) Which of the following weights **cannot** be measured by the weights of 100 g, 200 g and 500 g ?

- (1) 300 g
- (2) 400 g
- (3) 700 g
- (4) 750 g

निम्न में से कौन-से भार को 100 g, 200 g और 500 g के बाँटों से मापा **नहीं** जा सकता है ?

- (1) 300 g
- (2) 400 g
- (3) 700 g
- (4) 750 g

[Question ID = 41][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q41]

- 1. 1 [Option ID = 161]
- 2. 2 [Option ID = 162]
- 3. 3 [Option ID = 163]
- 4. 4 [Option ID = 164]

12) Length of a rectangular field is 6 times its breadth. If length of the field is 120 m, then perimeter of the field is :

- (1) 240 m
- (2) 280 m
- (3) 560 m
- (4) 720 m

किसी आयताकार खेत की लंबाई उसकी चौड़ाई की 6 गुनी है। यदि इस खेत की लंबाई 120 m है, तो खेत का परिमाण है :

- (1) 240 m
- (2) 280 m
- (3) 560 m
- (4) 720 m

[Question ID = 42][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q42]

- 1. 1 [Option ID = 165]
- 2. 2 [Option ID = 166]
- 3. 3 [Option ID = 167]
- 4. 4 [Option ID = 168]

- 13) The number of certain article sold by a shopkeeper on six consecutive days of a week is as shown below :

Day	Number of articles
Sunday	350
Monday	200
Tuesday	300
Wednesday	250
Thursday	120
Friday	150

What is the range of the sale of the article during the above days ?

- (1) 30
- (2) 50
- (3) 180
- (4) 230

किसी दुकानदार द्वारा किसी सप्ताह के 6 क्रमागत दिनों में बेची गई किसी विशेष वस्तु की संख्या नीचे दर्शाए अनुसार है :

दिन	वस्तु की संख्या
रविवार	350
सोमवार	200
मंगलवार	300
बुधवार	250
बृहस्पतिवार	120
शुक्रवार	150

उपर्युक्त दिनों की अवधि में इस वस्तु की बिक्री का परिसर क्या है ?

- (1) 30
- (2) 50
- (3) 180
- (4) 230

[Question ID = 43][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q43]

- 1. 1 [Option ID = 169]
- 2. 2 [Option ID = 170]
- 3. 3 [Option ID = 171]
- 4. 4 [Option ID = 172]

14) The average of first five composite numbers is

- (1) 7.6
- (2) 7.4
- (3) 5.8
- (4) 5.6

प्रथम पाँच भाज्य संख्याओं का औसत है

- (1) 7.6
- (2) 7.4
- (3) 5.8
- (4) 5.6

[Question ID = 44][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q44]

- 1. 1 [Option ID = 173]
- 2. 2 [Option ID = 174]
- 3. 3 [Option ID = 175]
- 4. 4 [Option ID = 176]

15) Write the next two entries in the following pattern :

W, 2, V, 4, U, 8, T, 16, ____, ____

- (1) S, 18
- (2) R, 18
- (3) S, 32
- (4) R, 32

निम्न पैटर्न में अगली दो प्रविष्टियाँ लिखिए :

W, 2, V, 4, U, 8, T, 16, ____, ____

- (1) S, 18
- (2) R, 18
- (3) S, 32
- (4) R, 32

[Question ID = 45][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q45]

- 1. 1 [Option ID = 177]
- 2. 2 [Option ID = 178]
- 3. 3 [Option ID = 179]
- 4. 4 [Option ID = 180]

1) Which of the following is least appropriate as an effective pedagogical strategy in mathematics ?

- (1) Developing tasks that elicit more than one response
- (2) Analysing the errors being made by the children
- (3) Use of strategies other than the formal algorithms
- (4) Pairing a child who has scored less marks in mathematics with the one who has scored more marks

गणित में प्रभावकारी शैक्षणिक युक्तियों के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सबसे कम उपयुक्त है ?

- (1) ऐसे कार्यों का सृजन करना जिनमें एक से अधिक उत्तर आने की संभावना हो
- (2) बच्चों द्वारा की गई त्रुटियों का विश्लेषण करना
- (3) औपचारिक कलन-विधि से अतिरिक्त दूसरी युक्तियों का उपयोग करना
- (4) जिस बच्चे को गणित में कम अंक प्राप्त हुए हैं, उस बच्चे को उस सहपाठी के साथ बैठाना जिसके अधिक अंक आए हैं

[Question ID = 46][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q46]

- 1. 1 [Option ID = 181]
- 2. 2 [Option ID = 182]
- 3. 3 [Option ID = 183]
- 4. 4 [Option ID = 184]

2) According to National Curriculum Framework 2005, assessment in mathematics should include

- (1) Ranking the students according to their scores
- (2) Progress of the students in terms of conceptual understanding and acquisition of problem solving skill
- (3) Testing the knowledge of procedure and formulae
- (4) Testing the ability of a student to do error-free calculation

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के अनुसार, गणित के आकलन में क्या शामिल होना चाहिए ?

- (1) विद्यार्थियों के अंकों के अनुसार उन्हें वरीयता क्रम देना
- (2) अवधारणात्मक समझ और समस्या समाधान कौशल के अर्जन के आधार पर विद्यार्थियों की प्रगति
- (3) प्रक्रियाओं और सूत्रों (फॉर्मूला) के ज्ञान का टेस्ट लेना
- (4) विद्यार्थी की त्रुटि-रहित गणना करने की योग्यता की जाँच करना

[Question ID = 47][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q47]

- 1. 1 [Option ID = 185]
- 2. 2 [Option ID = 186]
- 3. 3 [Option ID = 187]
- 4. 4 [Option ID = 188]

- 3) Which of the following would be most appropriate in the context of learners focusing on understanding of patterns in numbers and shapes ?
- (1) Learners would develop number facts by themselves
 - (2) Learners would learn the names of geometrical shapes
 - (3) Learners would be able identify the unit of repeat in the pattern
 - (4) Learners would be able to appreciate the need of standard units of measurement

संख्याओं और आकृतियों में प्रतिमानों की समझ पर बल देते हुए अधिगमकर्ताओं के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वाधिक उपयुक्त होगा ?

- (1) अधिगमकर्ता अपने आप ही संख्या तथ्यों को विकसित कर पाएँगे
- (2) अधिगमकर्ता ज्यामितीय आकृतियों के नाम सीखेंगे
- (3) अधिगमकर्ता प्रतिमान में पुनरावृत्त होने वाली इकाई को पहचानने में सक्षम होंगे
- (4) अधिगमकर्ता मापन की मानक इकाइयों की आवश्यकता की सराहना करने में सक्षम होंगे

[Question ID = 48][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q48]

1. 1 [Option ID = 189]
2. 2 [Option ID = 190]
3. 3 [Option ID = 191]
4. 4 [Option ID = 192]

- 4) "Mathematics is critical to Society, Science, Technology and Engineering." Which among the following learning experiences of the primary grade students will help in realising the above statement ?
- (1) Collecting, organising, representing and interpreting data collected from various socio-scientific contexts
 - (2) Using mathematical concepts to manage the household budget
 - (3) Meeting people from various fields of employment especially engineers
 - (4) Participating in various mathematics quizzes and olympiads

"गणित समाज, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी के लिए महत्वपूर्ण है।" निम्नलिखित में से कौन-से प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों के अधिगम अनुभव, उपरोक्त कथन को चरितार्थ करने में सहायता करेंगे ?

- (1) विविध सामाजिक-वैज्ञानिक संदर्भों से एकत्रित आंकड़ों को एकत्रित, सुव्यवस्थित, निरूपित और उनकी व्याख्या करना
- (2) गणितीय अवधारणाओं का उपयोग करके घर-परिवार का बजट बनाना
- (3) रोज़गार के विविध क्षेत्रों से आए लोगों से मिलना विशेष रूप से इंजीनियरों से
- (4) गणित की विविध प्रश्नोत्तरियों और ओलिंपियाड में भाग लेना

[Question ID = 49][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q49]

1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

5) A teacher gave the following word problem in her class :

"For a school picnic 12 children can be accommodated in a car. How many cars are required if 78 children are going on the school picnic ?" One of the students came up with 6.5 as the answer.

Which of the following is most appropriate for the above situation ?

- (1) The answer given by the student is correct
- (2) The teacher can use this situation to introduce the concept of rounding off and its significance in daily life.
- (3) The question is misleading for the students
- (4) The student does not know the concept of division

एक शिक्षिका ने अपनी कक्षा में निम्नलिखित इबारती सवाल दिया :

"स्कूल पिकनिक के लिए एक गाड़ी में 12 बच्चों को बैठाया जा सकता है। अगर स्कूल पिकनिक पर 78 बच्चे जाएँगे तो कितनी गाड़ियों की आवश्यकता पड़ेगी।" एक विद्यार्थी ने इसका उत्तर 6.5 दिया।

निम्नलिखित में से कौन-सा उपरोक्त परिस्थिति के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है ?

- (1) विद्यार्थी द्वारा दिया गया उत्तर सही है
- (2) शिक्षिका इस परिस्थिति का उपयोग निकटन करने की अवधारणा तथा इसके दैनिक जीवन में महत्व को प्रस्तुत करने के लिए कर सकती है
- (3) यह प्रश्न विद्यार्थियों को भ्रमित करने वाला है
- (4) विद्यार्थी विभाजन की अवधारणा नहीं जानता है

[Question ID = 50][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q50]

1. 1 [Option ID = 197]
2. 2 [Option ID = 198]
3. 3 [Option ID = 199]
4. 4 [Option ID = 200]

6) Which of the following is **not** correct about fractions ?

- (1) Fraction represents the parts of a whole
- (2) Fraction represents a remaining part of the whole
- (3) Fraction represents a part of a collection
- (4) Fractions represent only the equivalent parts of a whole

निम्नलिखित में से कौन-सा भिन्न के बारे में सही **नहीं** है ?

- (1) भिन्न किसी पूर्ण के भागों को निरूपित करता है
- (2) भिन्न किसी पूर्ण के शेष भाग को निरूपित करता है
- (3) भिन्न किन्हीं वस्तुओं के संग्रह के एक भाग को निरूपित करता है
- (4) भिन्न किसी पूर्ण के केवल समतुल्य भागों को निरूपित करता है

[Question ID = 51][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q51]

1. 1 [Option ID = 201]

2. 2 [Option ID = 202]
3. 3 [Option ID = 203]
4. 4 [Option ID = 204]

7) Sikha has successfully classified the different types of triangles based on their sides. She is at which level of geometric thinking as per Van-Hiele's theory of geometric thinking ?

- (1) Visualization
- (2) Analysis
- (3) Informal Deduction
- (4) Formal Deduction

सिखा ने विभिन्न प्रकार के त्रिभुजों को उनकी भुजाओं के आधार पर सफलतापूर्वक वर्गीकृत किया है। वह वैन-हैले के सिद्धांत के अनुसार, ज्यामितीय चिंतन के किस स्तर पर है ?

- (1) दृश्यीकरण
- (2) विश्लेषण
- (3) अनौपचारिक निगमन
- (4) औपचारिक निगमन

[Question ID = 52][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q52]

1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

8) Arun is good in solving equations but usually faces challenges in solving word problems. Most of the time he asks "Should I add or subtract ?" "Should I multiply or divide ?" Such questions suggest :

- (1) He has problems in comprehending the language of the problem
- (2) He lacks understanding of number operations
- (3) He cannot add and multiply
- (4) He seeks opportunities to disturb the class

अरुण समीकरणों का हल खोजने में बहुत अच्छा है पर सामान्यतः इबारती प्रश्नों का समाधान खोजने में कठिनाई का अनुभव करता है। अधिकांश समय वह पूछता है कि, "मुझे जोड़ना है या घटाना ?" "मुझे भाग करना है या गुणा ?" इस प्रकार के प्रश्न क्या सुझाते हैं ?

- (1) उसे प्रश्न की भाषा को समझने में कठिनाई होती है
- (2) उसमें संख्या संक्रियाओं की समझ में कमी है
- (3) वह जोड़ और गुणा नहीं कर सकता
- (4) वह कक्षा में व्यवधान डालने के मौके ढूँढता रहता है

[Question ID = 53][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q53]

1. 1 [Option ID = 209]
2. 2 [Option ID = 210]
3. 3 [Option ID = 211]
4. 4 [Option ID = 212]

9) Ms. Harshdeep, a primary grade mathematics teacher wants to strengthen pre-number concepts in her learners. She explains 1 is contained in 2, 1 and 2 are contained in 3, 1, 2 and 3 are contained in 4 and so on so forth. Which pre-number concept is she focusing upon ?

- (1) One-to-one correspondence
- (2) Hierarchical Inclusion
- (3) Counting
- (4) Conservation

सुश्री हर्षदीप, एक प्राथमिक कक्षा की गणित की शिक्षिका, अपने अधिगमकर्ताओं में संख्यापूर्व अवधारणाओं को सुदृढ़ करना चाहती है। वह समझाती है 2 में 1 निहित है, 3 में 1 और 2 निहित हैं, 4 में 1, 2 और 3 निहित हैं और इसी तरह आगे भी। वह किस संख्यापूर्व अवधारणा पर बल दे रही है ?

- (1) एकैकी संगति
- (2) पदानुक्रमिक समावेशन
- (3) गणना
- (4) संरक्षण

[Question ID = 54][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q54]

- 1. 1 [Option ID = 213]
- 2. 2 [Option ID = 214]
- 3. 3 [Option ID = 215]
- 4. 4 [Option ID = 216]

10) A mathematics teacher poses the following word problem in her class :

"Sumita has 12 toffees while Asmita has 18 toffees. How many more toffees does Asmita have than Sumita ?"

One of the students responded, the answer is $12 + 18 = 30$ toffees. Which of the following is most appropriate for the answer given by the student ?

- (1) The answer given by the student is correct
- (2) The student has understood the problem but has made a computational mistake due to carelessness
- (3) The student has associated the operation of addition with the keyword "more" in the word problem
- (4) Such mistakes are common as word problems are too difficult to be solved by primary grade learners

एक गणित शिक्षिका अपनी कक्षा में निम्नलिखित इबारती सवाल प्रस्तुत करती है :

“सुमिता के पास 12 टॉफियाँ हैं जबकि अस्मिता के पास 18 टॉफियाँ हैं। सुमिता की तुलना में अस्मिता के पास कितनी अधिक टॉफियाँ हैं ?”

एक विद्यार्थी कहता है कि उत्तर है $12 + 18 = 30$ टॉफियाँ। निम्नलिखित में से कौन-सा विद्यार्थी द्वारा दिए गए उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है ?

- (1) विद्यार्थी द्वारा दिया गया उत्तर सही है
- (2) विद्यार्थी समस्या को समझ गया है परन्तु लापरवाही के कारण उसने एक अभिकलनात्मक त्रुटि की है
- (3) विद्यार्थी ने योग की संक्रिया को इबारती सवाल में संकेतशब्द (मूलशब्द) “अधिक” के साथ संबद्ध कर दिया है
- (4) ऐसी गलतियाँ आम हैं क्योंकि इबारती सवालों को प्राथमिक कक्षा के अधिगमकर्ताओं द्वारा हल किया जाना बहुत ही कठिन है

[Question ID = 55][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q55]

1. 1 [Option ID = 217]
2. 2 [Option ID = 218]
3. 3 [Option ID = 219]
4. 4 [Option ID = 220]

11) According to National Curriculum Framework, 2005, at primary level, a teacher's pedagogical strategies in mathematics must focus upon

- (1) memorisation as children come to school as a blank slate.
- (2) developing concepts on the basis of the experiences of the child.
- (3) memorisation of formulae.
- (4) written practice in mathematics.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार प्राथमिक स्तर पर, गणित में एक शिक्षक की शिक्षाशास्त्रीय युक्तियों को केंद्रित होना चाहिए

- (1) कंठस्थ कराने पर क्योंकि बच्चे विद्यालय में एक कोरी स्लेट जैसे आते हैं।
- (2) बच्चे के अनुभवों के आधार पर अवधारणाओं को विकसित करने पर।
- (3) सूत्रों को कंठस्थ करने पर।
- (4) गणित में लिखित अभ्यास करने पर।

[Question ID = 56][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q56]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

12) "We teach mathematics because it has an inherent beauty that can provide the learner with delight and enjoyment." This statement highlights

- (1) Practical value of mathematics
- (2) Epistemological value of mathematics
- (3) Natural value of mathematics
- (4) Aesthetic value of mathematics

"हम गणित इसलिए पढ़ाते हैं क्योंकि इसमें अंतर्निष्ठ सरसता है जो कि अधिगमकर्ता को हर्ष और आनंद प्रदान कर सकता है।" यह कथन उजागर करता है

- (1) गणित के व्यवहारिक मान को
- (2) गणित के ज्ञान-मीमांसात्मक मान को
- (3) गणित के प्राकृतिक मान को
- (4) गणित के सौंदर्यपरक मान को

[Question ID = 57][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q57]

- 1. 1 [Option ID = 225]
- 2. 2 [Option ID = 226]
- 3. 3 [Option ID = 227]
- 4. 4 [Option ID = 228]

13) National Education Policy (NEP) 2020 recommends to provide highest priority to achieve universal foundational literacy and numeracy in Primary School by 2025. To meet this goal of NEP 2020, Ministry of Education, Government of India has launched a mission project named

- (1) NISHTHA
- (2) NIPUN Bharat
- (3) FLN
- (4) DIKSHA

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 प्रस्तावित करती है कि 2025 तक प्राथमिक विद्यालय में सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता प्राप्त करने को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करनी होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने _____ नामक परियोजना मिशन आरंभ किया है।

- (1) निष्ठा
- (2) निपुण भारत
- (3) एफ. एल. एन.
- (4) दीक्षा

[Question ID = 58][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q58]

- 1. 1 [Option ID = 229]
- 2. 2 [Option ID = 230]
- 3. 3 [Option ID = 231]
- 4. 4 [Option ID = 232]

14) Gurvinder takes regular tests in his classrooms and compares the scores of the students. He then divides the students in groups of average achievers, below average achievers and above average achievers. The evaluation type is

- (1) Criterion-referenced
- (2) Formative
- (3) Norm-referenced
- (4) Prognostic

गुरविंदर अपनी कक्षा में विद्यार्थियों का नियमित रूप से टेस्ट लेता है और उनके अंकों की तुलना भी करता है। वह प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर विद्यार्थियों के समूह बनाता है, जैसे कि - औसत अंक प्राप्त करने वाले, औसत से कम और औसत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी। यह किस प्रकार का मूल्यांकन है ?

- (1) मानदण्ड-संदर्भित
- (2) रचनात्मक
- (3) मानक-संदर्भित
- (4) पूर्वानुमानिक

[Question ID = 59][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q59]

- 1. 1 [Option ID = 233]
- 2. 2 [Option ID = 234]
- 3. 3 [Option ID = 235]
- 4. 4 [Option ID = 236]

15) Which of the following activities is least appropriate to develop mathematical language and communication among learners ?

- (1) Provide opportunities to children to work on mathematical problems in groups and express their ideas freely in class.
- (2) Ask the english language teacher to help children learn the words specifically used in mathematics.
- (3) Facilitate children to rephrase word problems using various ways of representations like symbols, pictures etc.
- (4) Provide situations to use standard mathematical notations, wherever possible, to communicate ideas and arguments.

निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि अधिगमकर्ताओं में गणितीय भाषा और संप्रेषण को विकसित करने के लिए सबसे कम उपयुक्त है ?

- (1) बच्चों को समूहों में गणितीय समस्याओं पर काम करने तथा कक्षा में अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त करने के अवसर उपलब्ध कराना ।
- (2) अंग्रेजी भाषा के शिक्षक को गणित में विशिष्ट रूप से उपयोग होने वाले शब्दों को सीखने में बच्चों की सहायता करने के लिए कहना ।
- (3) प्रतीकों (चिह्नों), चित्रों आदि जैसे निरूपण के विभिन्न तरीकों का उपयोग करके इबारती सवालों को दोबारा (पुनः) व्यक्त करने में बच्चों को सहज-सुगम करना ।
- (4) जहाँ भी संभव हो विचारों और तर्क-वितर्कों को संप्रेषित करने के लिए मानक गणितीय अंकन/चिह्नों के उपयोग हेतु परिस्थितियाँ उपलब्ध कराना ।

[Question ID = 60][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_114_Q60]

1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

Topic:- EVS_Q61-75_P1_CTET

1) Identify the correct statements :

- A. Social and economic marginalization are not interlinked.
- B. Social and economic marginalization are interlinked.
- C. Migration is temporary relocation of people because of developmental projects.
- D. Displacement is permanent relocation of people because of developmental projects.

- (1) A and C
- (2) B and C
- (3) A and D
- (4) B and D

सही कथनों की पहचान कीजिए :

- A. सामाजिक व आर्थिक हाशियाकरण आपस में जुड़े हुए नहीं हैं।
- B. सामाजिक व आर्थिक हाशियाकरण आपस में जुड़े हुए हैं।
- C. विकास परियोजनाओं के कारण लोगों का अस्थायी पुनःस्थानन प्रवसन कहलाता है।
- D. विकास परियोजनाओं के कारण लोगों का स्थाई पुनःस्थानन विस्थापन कहलाता है।

(1) A और C

(2) B और C

(3) A और D

(4) B और D

[Question ID = 61][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q61]

- 1. 1 [Option ID = 241]
- 2. 2 [Option ID = 242]
- 3. 3 [Option ID = 243]
- 4. 4 [Option ID = 244]

2) Consider the following statements regarding Baolis (Stepwells) :

- A. These are found mainly in rain parched areas.
- B. These are the traditional system of storing and conserving rainwater.
- C. These are used as a community resource.
- D. In stepwells the steps go down several storeys deep but nobody was allowed to go down the steps to reach the water.

The correct statements are :

- (1) A and C only
- (2) A and D only
- (3) B, C and D
- (4) A, B and C

बावड़ियों (सीढ़ीदार कुओं) के बारे में नीचे दिए गए कथनों पर विचार कीजिए :

- A. ये मुख्यतः वर्षा-रहित क्षेत्रों में ही दिखाई देते हैं।
- B. ये वर्षा के पानी के भण्डारण और संरक्षण की पारम्परिक प्रणाली है।
- C. इनका उपयोग सामुदायिक संसाधन के रूप में किया जाता है।
- D. बावड़ियों में सीढ़ियाँ जमीन के नीचे कई मंजिल तक जाती हैं परन्तु किसी को भी सीढ़ियों द्वारा नीचे पानी तक जाने की अनुमति नहीं होती है।

इनमें सही कथन हैं :

- (1) केवल A और C
- (2) केवल A और D
- (3) B, C और D
- (4) A, B और C

[Question ID = 62][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q62]

- 1. 1 [Option ID = 245]
- 2. 2 [Option ID = 246]
- 3. 3 [Option ID = 247]
- 4. 4 [Option ID = 248]

3) After a disaster, refugees/people return back to their original region. This is

- (1) Displacement
- (2) Transfer
- (3) Repatriation
- (4) Immigration

आपदा के बाद, शरणार्थी/लोग अपने क्षेत्र को वापस लौटते हैं। यह है

- (1) विस्थापन
- (2) स्थानांतरण
- (3) प्रत्यावर्तन
- (4) आप्रवास

[Question ID = 63][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q63]

- 1. 1 [Option ID = 249]
- 2. 2 [Option ID = 250]
- 3. 3 [Option ID = 251]
- 4. 4 [Option ID = 252]

4) Solve the following riddle :

"In trunk of trees holes I make
Hidden insects I intake
Tuk-tuk-tuk I work all day
Tell my name what people say"

- (1) Woodpecker
- (2) Indian Robin
- (3) Sunbird
- (4) Dove

नीचे दी गयी पहेली हल कीजिए :

"पेड़ के तने में छेद बनाऊँ
उसमें छिपे कीड़े मैं खाऊँ
टुक-टुक-टुक करता जाता हूँ
बोलो क्या कहलाता हूँ"

- (1) कठफोड़वा
- (2) कलचिड़ी
- (3) शकरखोरा
- (4) फ़ाख़ता

[Question ID = 64][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q64]

- 1. 1 [Option ID = 253]
- 2. 2 [Option ID = 254]
- 3. 3 [Option ID = 255]
- 4. 4 [Option ID = 256]

5) Consider the following statements regarding beekeeping in Bihar :

- A. The best period to start beekeeping is April to June.
- B. Every beehive has one queen that lays eggs.
- C. There are only a few males in the hive. They perform special role as workers and also make the hives.
- D. Female bees fly around flowers in search of nectar. They collect nectar from flowers for honey.

The correct statements are :

- (1) A, B and C
- (2) B, C and D
- (3) B and D only
- (4) A and C only

बिहार में मधुमक्खी पालन के बारे में नीचे दिए गए कथनों पर विचार कीजिए :

- A. मधुमक्खी पालन आरम्भ करने का सर्वोत्तम समय अप्रैल से जून है।
- B. प्रत्येक मधुमक्खी के छत्ते में एक रानी मक्खी होती है जो अण्डे देती है।
- C. छत्ते में केवल कुछ नर मक्खी होते हैं। ये श्रमिक के रूप में विशेष भूमिका निभाते हैं और छत्ता भी बनाते हैं।
- D. मादा मधुमक्खियाँ फूलों के चारों ओर रस के लिए नाचती हैं। ये फूलों से रस एकत्र करके शहद बनाती हैं।

इनमें सही कथन हैं :

- (1) A, B और C
- (2) B, C और D
- (3) केवल B और D
- (4) केवल A और C

[Question ID = 65][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q65]

- 1. 1 [Option ID = 257]
- 2. 2 [Option ID = 258]
- 3. 3 [Option ID = 259]
- 4. 4 [Option ID = 260]

6) In a village of Maharashtra with sugar fields, what is the role of a 'Mukadam' ?

- (1) He is an agent who provides access to different irrigation facilities.
- (2) He is an agent who allots ration to the families.
- (3) He is an agent who encourages use of modern agricultural facilities.
- (4) He is an agent who lends money and gives the details of the loan taken by each family.

महाराष्ट्र में गन्ने के खेतों वाले एक गाँव में, 'मुकादम' की क्या भूमिका है ?

- (1) वह एक एजेंट है जो विभिन्न सिंचाई की सुविधाओं को उपलब्ध कराता है।
- (2) वह एक एजेंट है जो परिवारों को राशन बँटवाता है।
- (3) वह एक एजेंट है जो आधुनिक कृषि सुविधाओं के प्रयोग को प्रोत्साहित करता है।
- (4) वह एक एजेंट है जो धन उधार पर देता है तथा प्रत्येक परिवार द्वारा लिए गए ऋण का विवरण देता है।

[Question ID = 66][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q66]

- 1. 1 [Option ID = 261]
- 2. 2 [Option ID = 262]
- 3. 3 [Option ID = 263]
- 4. 4 [Option ID = 264]

7) For testing proteins in food, the food turns violet because

- (1) copper sulphate is red and reacts with peptide bond to form violet colour.
- (2) the reagent methyl orange is yellow and it turns violet easily.
- (3) of the presence of peptide bond in food.
- (4) of the presence of O-peptide bond in food.

खाद्य-पदार्थों में प्रोटीन की जाँच के समय, खाद्य-पदार्थ बैंगनी रंग का हो जाता है क्योंकि

- (1) कॉपर सल्फेट लाल रंग का होता है तथा पेप्टाइड बंध के साथ अभिक्रिया के कारण बैंगनी रंग बनता है।
- (2) अभिकर्मक मेथिल ऑरेंज पीले रंग का है तथा उसका रंग बदल कर बैंगनी आसानी से हो जाता है।
- (3) खाद्य-पदार्थ में पेप्टाइड बंध की उपस्थिति होती है।
- (4) खाद्य-पदार्थ में O-पेप्टाइड बंध की उपस्थिति होती है।

[Question ID = 67][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q67]

- 1. 1 [Option ID = 265]
- 2. 2 [Option ID = 266]
- 3. 3 [Option ID = 267]
- 4. 4 [Option ID = 268]

8) Ramu complains of weak muscles and very little energy to work. He may be having deficiency of

- (1) Vitamin D
- (2) Vitamin A
- (3) Vitamin C
- (4) Vitamin B₁

रामू कमजोर मांसपेशियों तथा कार्य करने के लिए बहुत कम ऊर्जा की शिकायत करता है। उसे अभाव हो सकता है

- (1) विटामिन डी का
- (2) विटामिन ए का
- (3) विटामिन सी का
- (4) विटामिन बी₁ का

[Question ID = 68][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q68]

- 1. 1 [Option ID = 269]
- 2. 2 [Option ID = 270]
- 3. 3 [Option ID = 271]
- 4. 4 [Option ID = 272]

9) Pochampalli is a district of one of the states of our country. This district is famous for beautiful colourful sarees and a special kind of weave. "Pochampalli" was a part of which state ?

- (1) Karnataka
- (2) Andhra Pradesh
- (3) Tamil Nadu
- (4) Telangana

पोचमपल्ली हमारे ही देश के एक राज्य का जिला है। यह जिला अपनी सुन्दर चमकीली रंग-बिरंगी साड़ियों और विशेष प्रकार की बुनाई के लिए प्रसिद्ध है। यह जिला किस राज्य का भाग था ?

- (1) कर्नाटक
- (2) आंध्र प्रदेश
- (3) तमिलनाडु
- (4) तेलंगाना

[Question ID = 69][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q69]

- 1. 1 [Option ID = 273]
- 2. 2 [Option ID = 274]
- 3. 3 [Option ID = 275]
- 4. 4 [Option ID = 276]

10) Select from the following a pair of petroleum producing regions of our country :

- (1) Assam and Rajasthan
- (2) Bihar and Bombay High
- (3) Gujarat and Tamil Nadu
- (4) West Bengal and Bombay High

निम्नलिखित में से हमारे देश के पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्रों के युगल को चुनिए :

- (1) असम और राजस्थान
- (2) बिहार और बॉम्बे हाई
- (3) गुजरात और तमिलनाडु
- (4) पश्चिम बंगाल और बॉम्बे हाई

[Question ID = 70][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q70]

- 1. 1 [Option ID = 277]
- 2. 2 [Option ID = 278]
- 3. 3 [Option ID = 279]
- 4. 4 [Option ID = 280]

11) When an organism makes small changes in the body to overcome small problems due to change in surroundings it is called _____ .

- (1) Acclimatisation
- (2) Adaptation
- (3) Adoption
- (4) Adjustment

पास-पड़ोस के वातावरण में बदलाव के कारण छोटी-छोटी समस्याओं से पार पाने के लिए जब कोई जीव अपने शरीर में छोटे बदलाव करता है, तो यह _____ कहलाता है।

- (1) पर्यानुकूलन
- (2) अनुकूलन
- (3) अभिग्रहण
- (4) समायोजन

[Question ID = 71][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q71]

- 1. 1 [Option ID = 281]
- 2. 2 [Option ID = 282]
- 3. 3 [Option ID = 283]
- 4. 4 [Option ID = 284]

12) Which of the following erosion and deposition is **not** the work of sea waves ?

- (1) Arches
- (2) Cliff
- (3) Stacks
- (4) Loess

निम्नलिखित में से कौन-सा समुद्री लहरों से होने वाला अपरदन एवं निक्षेपण **नहीं** है ?

- (1) मेहराब
- (2) खड़ी चट्टान
- (3) ढेर
- (4) लोएस (पवनोढ मृत्तिका)

[Question ID = 72][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q72]

- 1. 1 [Option ID = 285]
- 2. 2 [Option ID = 286]
- 3. 3 [Option ID = 287]
- 4. 4 [Option ID = 288]

13) Meteorites burn up in this layer of atmosphere :

- (1) Thermosphere
- (2) Mesosphere
- (3) Stratosphere
- (4) Exosphere

वायुमंडल के इस परत में उल्का-पिंड जल जाते हैं :

- (1) बाह्य वायुमंडल
- (2) मध्यमंडल
- (3) समतापमंडल
- (4) बहिर्मंडल

[Question ID = 73][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q73]

1. 1 [Option ID = 289]
2. 2 [Option ID = 290]
3. 3 [Option ID = 291]
4. 4 [Option ID = 292]

14) What will happen if the orbit of moon starts decreasing ?

- (1) Moon will exert a greater gravitational force.
- (2) Low tide will become high and high tide will become low.
- (3) It will cause a low tidal bulge.
- (4) Neap tides will occur.

यदि चन्द्रमा का परिक्रमा-पथ घटना शुरू हो जाए तो क्या होगा ?

- (1) चन्द्रमा एक बृहत गुरुत्वीय बल प्रयोग में लाएगा ।
- (2) निम्न ज्वार-भाटा उच्च बन जाएगा और उच्च ज्वार-भाटा निम्न बन जाएगा ।
- (3) यह एक निम्न ज्वारीय उभार पैदा करेगा ।
- (4) निम्न ज्वार-भाटे पैदा होंगे ।

[Question ID = 74][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q74]

1. 1 [Option ID = 293]
2. 2 [Option ID = 294]
3. 3 [Option ID = 295]
4. 4 [Option ID = 296]

15) Coldest inhabited place on earth located in Ladakh is known as _____

- (1) Dras
- (2) Kargil
- (3) Gangri
- (4) Karakoram

लद्दाख में स्थित पृथ्वी की सबसे ठंडी बसी हुई/आबाद जगह का नाम है

- (1) द्रास
- (2) कारगिल
- (3) गांगरी
- (4) काराकोरम

[Question ID = 75][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q75]

1. 1 [Option ID = 297]

- 2. 2 [Option ID = 298]
- 3. 3 [Option ID = 299]
- 4. 4 [Option ID = 300]

Topic:- EVS_Q76-90_P1_CTET

1) An EVS teacher explains to his students "Snake has no ears so it cannot hear Sapera's been." Which of the following statements explains the process skill involved in this ?

- A. Expressing natural curiosity about the environment.
- B. Establishing the cause and effect relationship.
- C. Exhibiting appreciation towards animal diversity.
- D. Making generalisation based on observation.

(1) B and D

(2) A and B

(3) B and C

(4) C and D

एक पर्यावरण अध्यापक अपने विद्यार्थियों को समझाता है कि "साँप के कान नहीं होते, इसलिए वे सपेरे की बीन नहीं सुन सकता है।"

निम्नलिखित में से कौन-से कथन प्रक्रिया कौशल की व्याख्या करते हैं ?

- A. पर्यावरण के बारे में स्वाभाविक जिज्ञासा की अभिव्यक्ति।
- B. कार्य और कारण संबंध की स्थापना।
- C. जीव विविधता के प्रति सराहना की अभिव्यक्ति।
- D. अवलोकन के आधार पर सामान्यीकरण करना।

(1) B और D

(2) A और B

(3) B और C

(4) C और D

[Question ID = 76][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q76]

- 1. 1 [Option ID = 301]
- 2. 2 [Option ID = 302]
- 3. 3 [Option ID = 303]
- 4. 4 [Option ID = 304]

2) Which of the following activity should be conducted/discussed in the class by the teacher to teach the topic spoilage of food ?

- (1) Observe cooking of food at home
- (2) To buy things in maximum quantity
- (3) To keep the chips packet in freezer
- (4) To check the expiry date before buying any commodity

खाद्य-पदार्थों के खराब हो जाने के प्रकरण को पढ़ाने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी क्रियाकलाप या चर्चा कक्षा में शिक्षक को करानी चाहिए ?

- (1) घर पर भोजन बनाने का अवलोकन करना
- (2) अधिकतम मात्रा में चीजों को खरीदना
- (3) चिप्स पैकेट को फ्रीज़र में रखना
- (4) किसी भी पदार्थ को खरीदने से पूर्व उसकी समाप्ति की तिथि की जाँच करना

[Question ID = 77][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q77]

1. 1 [Option ID = 305]
2. 2 [Option ID = 306]
3. 3 [Option ID = 307]
4. 4 [Option ID = 308]

3) Active learning is characterized by which of the following strategies ?

- (1) Self-study, Problem solving and Discussion
- (2) Testing achievement
- (3) Taking notes from blackboard
- (4) Delivering structured learning experiences

निम्नलिखित में से किस योजना से सक्रिय अधिगम पहचाना जाता है ?

- (1) स्व-पठन, समस्या समाधान और परिचर्चा
- (2) उपलब्धि परीक्षण
- (3) श्यामपट्ट से नोट लिखना
- (4) संरचित अधिगम अनुभव देना

[Question ID = 78][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q78]

1. 1 [Option ID = 309]
2. 2 [Option ID = 310]
3. 3 [Option ID = 311]
4. 4 [Option ID = 312]

4) When students are given the freedom to learn at their own pace, the approach of learning is

- (1) Collaborative learning
- (2) Adaptive learning
- (3) Active learning
- (4) Passive learning

जब विद्यार्थियों को उनकी अपनी गति से सीखने की स्वतंत्रता दी जाती है, तब अधिगम का यह उपागम कहलाता है

- (1) सहयोगात्मक अधिगम
- (2) अनुकूली अधिगम
- (3) सक्रिय अधिगम
- (4) निष्क्रिय अधिगम

[Question ID = 79][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q79]

- 1. 1 [Option ID = 313]
- 2. 2 [Option ID = 314]
- 3. 3 [Option ID = 315]
- 4. 4 [Option ID = 316]

5) Which of the following strategies promotes inquiry while teaching 'Shelter' to class V students ?

- (1) Asking students to collect pictures of different shelters in rural and urban areas
- (2) Showing pictures of shelters of different animals to students
- (3) Showing digital presentation on shelters of different animals to students
- (4) Asking students to narrate their experience of visiting shelters in community

कक्षा V के विद्यार्थियों को 'आवास' के बारे में सिखाते समय निम्नलिखित में से कौन-सी युक्ति अन्वेषण (इंक्वाइरी) को प्रोत्साहित करेगी ?

- (1) विद्यार्थियों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विभिन्न आवासों के चित्र एकत्र करने के लिए कहना
- (2) विद्यार्थियों को विभिन्न पशुओं के आवासों के चित्र दिखाना
- (3) विद्यार्थियों को विभिन्न पशुओं के आवासों पर डिजिटल प्रस्तुतीकरण दिखाना
- (4) विद्यार्थियों को समुदाय में आवासों के भ्रमण के अपने अनुभवों का वर्णन करने को कहना

[Question ID = 80][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q80]

- 1. 1 [Option ID = 317]
- 2. 2 [Option ID = 318]
- 3. 3 [Option ID = 319]
- 4. 4 [Option ID = 320]

6) In primary classes, for teaching EVS, which of the following is essential ?

- A. Well-equipped lab
- B. A resource room
- C. Local resources
- D. Experiments using easily available material

- (1) A and B
- (2) B and C
- (3) C and D
- (4) A and D

प्राथमिक कक्षाओं में, पर्यावरण अध्ययन शिक्षण हेतु, निम्नलिखित में से क्या अनिवार्य है ?

- A. सुसज्जित प्रयोगशाला
- B. संसाधन कक्ष
- C. स्थानीय संसाधन
- D. आसानी से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करने वाले प्रयोग

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 81][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q81]

- 1. 1 [Option ID = 321]
- 2. 2 [Option ID = 322]
- 3. 3 [Option ID = 323]
- 4. 4 [Option ID = 324]

7) What could be the most appropriate for the students in the learning of EVS through experiments ?

- (1) Allow each child to perform the activity, observe, record, and make meaning of his or her observations.
- (2) Don't accept all the answers that children may give in their own language.
- (3) Allow students to memorize all the steps of the experiments, including facts and principles.
- (4) Allow students to write definitions of the outcome of the experiment.

प्रयोगों के माध्यम से पर्यावरण अध्ययन सीखने में विद्यार्थियों के लिए क्या सबसे उपयुक्त हो सकता है ?

- (1) प्रत्येक बच्चे को गतिविधि करने, निरीक्षण करने, रिकॉर्ड करने और अपने अवलोकनों का अर्थ बनाने की अनुमति दें ।
- (2) उन सभी उत्तरों को स्वीकार न करें जो बच्चे अपनी भाषा में दे सकते हैं ।
- (3) विद्यार्थियों को तथ्यों और सिद्धांतों सहित प्रयोगों के सभी चरणों को याद रखने की अनुमति दें ।
- (4) विद्यार्थियों को प्रयोग के परिणाम की परिभाषा लिखने की अनुमति दें ।

[Question ID = 82][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q82]

- 1. 1 [Option ID = 325]
- 2. 2 [Option ID = 326]
- 3. 3 [Option ID = 327]
- 4. 4 [Option ID = 328]

8) Which of the following documents is the cumulative evidence of successive learning achievement in a definite period ?

- (1) Assessment indicator scoring booklet
- (2) Annual assessment record register
- (3) Portfolio
- (4) Report card

निम्नलिखित में से कौन-सा दस्तावेज एक निश्चित अवधि में बच्चे की उत्तरोत्तर अधिगम उपलब्धि का संचयी साक्ष्य है ?

- (1) आकलन सूचक अंकन पुस्तिका
- (2) वार्षिक आकलन अभिलेख पंजिका
- (3) पोर्टफोलियो
- (4) रिपोर्ट कार्ड

[Question ID = 83][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q83]

- 1. 1 [Option ID = 329]
- 2. 2 [Option ID = 330]
- 3. 3 [Option ID = 331]
- 4. 4 [Option ID = 332]

9) Which of the following is a student-centred method of teaching EVS ?

- (1) Lecture method
- (2) Dictation
- (3) Lecture and dictation
- (4) Project method

पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण का विद्यार्थी-केंद्रित प्रक्रम निम्नलिखित में से कौन-सा है ?

- (1) व्याख्यान विधि
- (2) श्रुतलेखन
- (3) व्याख्यान एवं श्रुतलेखन
- (4) प्रायोजन विधि

[Question ID = 84][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q84]

- 1. 1 [Option ID = 333]
- 2. 2 [Option ID = 334]
- 3. 3 [Option ID = 335]
- 4. 4 [Option ID = 336]

10) Indira is finding it difficult to understand that medicine for snake bite is made from snake's poison. Which of the following method should Indira's teacher use to help her understand better ?

- A. Inviting a doctor for a talk on "How snake bite is cured ?"
- B. Inviting a Sapera (Snake charmer) for explaining "How medicine is made from snake's poison ?"
- C. An explanation of the process by the teacher.
- D. A video presentation of the process how medicine is prepared from snake's poison.

- (1) A and D
- (2) B and C
- (3) A and B
- (4) B and D

इंदिरा को यह समझने में कठिनाई हो रही है कि साँप के काटने की दवाई साँप के जहर से ही बनती है। इंदिरा के शिक्षक को निम्नलिखित में से कौन-सी विधि का प्रयोग करना चाहिए जिससे वह इसे बेहतर तरीके से समझ सके ?

- A. "साँप के काटने पर इलाज कैसे किया जाता है ?" पर वार्ता के लिए डॉक्टर को आमंत्रित करें।
- B. "साँप के जहर से दवाई कैसे बनाई जाती है ?" यह समझाने के लिए सपेरे को आमंत्रित करें।
- C. शिक्षक द्वारा इस प्रक्रिया की व्याख्या की जाए।
- D. साँप के जहर की दवाई कैसे बनाई जाती है, उस प्रक्रिया का वीडियो प्रस्तुतीकरण।

- (1) A और D
- (2) B और C
- (3) A और B
- (4) B और D

[Question ID = 85][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q85]

- 1. 1 [Option ID = 337]
- 2. 2 [Option ID = 338]
- 3. 3 [Option ID = 339]
- 4. 4 [Option ID = 340]

11) Anita, an EVS teacher, is describing the advantage of choosing 'percentage' for reporting performance of students in assessments. Which is Anita's statement ?

- (1) Percentage is suitable for lower classes.
- (2) Percentage is easy to use for assessment of skills.
- (3) Percentage describe the strength and weakness of students.
- (4) Percentage is easy to use and interpret for administrative purpose.

एक पर्यावरण अध्ययन की शिक्षिका अनीता, विद्यार्थियों के आकलन में उनके प्रदर्शन को दर्शाने के लिए 'प्रतिशत' का चयन करने के लाभ का वर्णन कर रही है। अनीता का कौन-सा कथन है ?

- (1) निचली कक्षाओं के लिए प्रतिशत उपयुक्त है।
- (2) कौशलों के आकलन के लिए प्रतिशत का प्रयोग आसान है।
- (3) विद्यार्थियों की शक्तियों तथा कमज़ोरियों का वर्णन प्रतिशत से होता है।
- (4) प्रशासनिक उद्देश्य के लिए प्रतिशत का प्रयोग करने में एवं अर्थ निकालने में आसान है।

[Question ID = 86][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q86]

1. 1 [Option ID = 341]
2. 2 [Option ID = 342]
3. 3 [Option ID = 343]
4. 4 [Option ID = 344]

12) Playful activities are organised for children to

- (1) understand the rules of the society
- (2) remain active and promote their learning
- (3) develop gender stereotypes
- (4) play outdoors without any restrictions

बच्चों के लिए खेलों वाले क्रियाकलापों की व्यवस्था की जाती है जिससे वे

- (1) समाज के नियमों को समझें
- (2) सक्रिय रहें तथा अपने सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाएँ
- (3) लिंग संबंधी रूढ़िबद्ध धारणाओं को विकसित करें
- (4) घर से बाहर बिना किसी रोक-टोक के खेलें

[Question ID = 87][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q87]

1. 1 [Option ID = 345]
2. 2 [Option ID = 346]
3. 3 [Option ID = 347]
4. 4 [Option ID = 348]

13) An activity is

- (1) verifying principles given in textbook
- (2) an open-ended exploration
- (3) helping children to learn
- (4) a way of presenting concepts

गतिविधि है

- (1) पाठ्यपुस्तक में दिए गए सिद्धांतों का पुष्टिकरण
- (2) एक खुला/स्वतंत्र अन्वेषण
- (3) बच्चों को सीखने में सहायता करना
- (4) अवधारणाओं को प्रस्तुत करने का तरीका

[Question ID = 88][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q88]

1. 1 [Option ID = 349]
2. 2 [Option ID = 350]
3. 3 [Option ID = 351]
4. 4 [Option ID = 352]

14) EVS as a subject is _____ .

- (1) cross-disciplinary
- (2) disciplinary
- (3) interdisciplinary
- (4) intradisciplinary

पर्यावरण अध्ययन किस प्रकार का विषय है ?

- (1) जिसमें अन्य विषय समाहित हों
- (2) विषयक
- (3) अंतर-विषयक
- (4) अंतरा-विषयक

[Question ID = 89][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q89]

1. 1 [Option ID = 353]
2. 2 [Option ID = 354]
3. 3 [Option ID = 355]
4. 4 [Option ID = 356]

15) The content in EVS textbooks should

- A. give written information to students
- B. provide opportunities to question and explore
- C. discourage rote memorisation
- D. avoid definitions and detailed description

- (1) A, B and C
- (2) B and C
- (3) A, C and D
- (4) B, C and D

पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यपुस्तकों में सामग्री कैसी होनी चाहिए ?

- A. छात्रों को लिखित जानकारी देना
- B. प्रश्न करने एवं अन्वेषण के अवसर प्रदान करना
- C. रटने को हतोत्साहित करना
- D. परिभाषाओं तथा विस्तृत विवरण से बचना

(1) A, B और C

(2) B और C

(3) A, C और D

(4) B, C और D

[Question ID = 90][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_114_Q90]

- 1. 1 [Option ID = 357]
- 2. 2 [Option ID = 358]
- 3. 3 [Option ID = 359]
- 4. 4 [Option ID = 360]

Topic:- HIN_Q91-99_L1_P1_CTET

1) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बचपन के पहले दो सालों तक बच्चे भाषा को केवल सुनते और बोलते हैं। उनके जीवन में किताब की कोई कल्पना तक नहीं होती। फिर धीरे-धीरे किताबें उनके जीवन में आती हैं। हम किताब किसे कहेंगे? जब कुछ ऐसे पत्तों को एकत्र किया जाता है जिन पर कुछ लिखा हुआ या छपा हुआ होता है, किताब बन जाती है। बहुत पहले भारत और उसके आस-पास के देशों में ताड़ के पत्तों पर लिखा जाता था या चित्र बनाए जाते थे। फिर उन पत्तों को इकट्ठा करते थे और उन्हें धागों से बाँध दिया जाता था। इन ताड़ पत्तों पर केवल ऐसे लोग लिखते थे जिनकी लिखाई सुन्दर होती थी और जो सुन्दर चित्र बना पाते थे। जर्मनी में छपाई की मशीन का आविष्कार हुआ जिसके कारण किताबें मशीन से छपने लगीं। मशीन से छपने का फायदा यह था कि किताबों की बहुत सी प्रतियाँ एक साथ छप सकती थीं। पर नुकसान यह था कि हर किताब एक जैसी दिखाई देती थी। मशीन से छपाई के बाद लिखने वाले की वह छाप किताबों से गायब हो गई।

मशीन से किताबें छपने का क्या फायदा हुआ ?

- (1) छपाई वाले की ख्याति होने लगी।
- (2) सभी लोगों को पुस्तकें मिलने लगीं।
- (3) पुस्तकों की बहुत सारी प्रतियाँ एक साथ छपने लगीं।
- (4) सभी लोगों के विचार पुस्तकों में छपने लगे।

[Question ID = 121][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q91]

- 1. 1 [Option ID = 481]
- 2. 2 [Option ID = 482]

3. 3 [Option ID = 483]

4. 4 [Option ID = 484]

- 2) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बचपन के पहले दो सालों तक बच्चे भाषा को केवल सुनते और बोलते हैं । उनके जीवन में किताब की कोई कल्पना तक नहीं होती । फिर धीरे-धीरे किताबें उनके जीवन में आती हैं । हम किताब किसे कहेंगे ? जब कुछ ऐसे पत्तों को एकत्र किया जाता है जिन पर कुछ लिखा हुआ या छपा हुआ होता है, किताब बन जाती है । बहुत पहले भारत और उसके आस-पास के देशों में ताड़ के पत्तों पर लिखा जाता था या चित्र बनाए जाते थे । फिर उन पत्तों को इकट्ठा करते थे और उन्हें धागों से बाँध दिया जाता था । इन ताड़ पत्तों पर केवल ऐसे लोग लिखते थे जिनकी लिखाई सुन्दर होती थी और जो सुन्दर चित्र बना पाते थे । जर्मनी में छपाई की मशीन का आविष्कार हुआ जिसके कारण किताबें मशीन से छपने लगी । मशीन से छपने का फायदा यह था कि किताबों की बहुत सी प्रतियाँ एक साथ छप सकती थी । पर नुकसान यह था कि हर किताब एक जैसी दिखाई देती थी । मशीन से छपाई के बाद लिखने वाले की वह छाप किताबों से गायब हो गई ।

गद्यांश के अनुसार छपाई की मशीन का आविष्कार सबसे पहले कहाँ हुआ था ?

(1) भारत

(2) मिस्र

(3) चीन

(4) जर्मनी

[Question ID = 122][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q92]

1. 1 [Option ID = 485]

2. 2 [Option ID = 486]

3. 3 [Option ID = 487]

4. 4 [Option ID = 488]

- 3) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बचपन के पहले दो सालों तक बच्चे भाषा को केवल सुनते और बोलते हैं । उनके जीवन में किताब की कोई कल्पना तक नहीं होती । फिर धीरे-धीरे किताबें उनके जीवन में आती हैं । हम किताब किसे कहेंगे ? जब कुछ ऐसे पत्तों को एकत्र किया जाता है जिन पर कुछ लिखा हुआ या छपा हुआ होता है, किताब बन जाती है । बहुत पहले भारत और उसके आस-पास के देशों में ताड़ के पत्तों पर लिखा जाता था या चित्र बनाए जाते थे । फिर उन पत्तों को इकट्ठा करते थे और उन्हें धागों से बाँध दिया जाता था । इन ताड़ पत्तों पर केवल ऐसे लोग लिखते थे जिनकी लिखाई सुन्दर होती थी और जो सुन्दर चित्र बना पाते थे । जर्मनी में छपाई की मशीन का आविष्कार हुआ जिसके कारण किताबें मशीन से छपने लगी । मशीन से छपने का फायदा यह था कि किताबों की बहुत सी प्रतियाँ एक साथ छप सकती थी । पर नुकसान यह था कि हर किताब एक जैसी दिखाई देती थी । मशीन से छपाई के बाद लिखने वाले की वह छाप किताबों से गायब हो गई ।

गद्यांश के अनुसार पहले दो वर्ष तक बच्चे भाषा के किस रूप से परिचित हो पाते हैं ?

- (1) भाषा के मुद्रित रूप से
- (2) भाषा के श्रव्य रूप से
- (3) भाषा के लिखित रूप से
- (4) भाषा की चित्रात्मकता से

[Question ID = 123][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q93]

1. 1 [Option ID = 489]
2. 2 [Option ID = 490]
3. 3 [Option ID = 491]
4. 4 [Option ID = 492]

- 4) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बचपन के पहले दो सालों तक बच्चे भाषा को केवल सुनते और बोलते हैं । उनके जीवन में किताब की कोई कल्पना तक नहीं होती । फिर धीरे-धीरे किताबें उनके जीवन में आती हैं । हम किताब किसे कहेंगे ? जब कुछ ऐसे पत्तों को एकत्र किया जाता है जिन पर कुछ लिखा हुआ या छपा हुआ होता है, किताब बन जाती है । बहुत पहले भारत और उसके आस-पास के देशों में ताड़ के पत्तों पर लिखा जाता था या चित्र बनाए जाते थे । फिर उन पत्तों को इकट्ठा करते थे और उन्हें धागों से बाँध दिया जाता था । इन ताड़ पत्तों पर केवल ऐसे लोग लिखते थे जिनकी लिखाई सुन्दर होती थी और जो सुन्दर चित्र बना पाते थे । जर्मनी में छपाई की मशीन का आविष्कार हुआ जिसके कारण किताबें मशीन से छपने लगी । मशीन से छपने का फायदा यह था कि किताबों की बहुत सी प्रतियाँ एक साथ छप सकती थी । पर नुकसान यह था कि हर किताब एक जैसी दिखाई देती थी । मशीन से छपाई के बाद लिखने वाले की वह छाप किताबों से गायब हो गई ।

छपाई के आविष्कार से पहले लिखाई किस पर की जाती थी ?

- (1) गत्तों पर
- (2) महीन कागजों पर
- (3) ताड़ के पत्तों पर
- (4) दीवारों पर

[Question ID = 124][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q94]

- 1. 1 [Option ID = 493]
- 2. 2 [Option ID = 494]
- 3. 3 [Option ID = 495]
- 4. 4 [Option ID = 496]

- 5) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बचपन के पहले दो सालों तक बच्चे भाषा को केवल सुनते और बोलते हैं । उनके जीवन में किताब की कोई कल्पना तक नहीं होती । फिर धीरे-धीरे किताबें उनके जीवन में आती हैं । हम किताब किसे कहेंगे ? जब कुछ ऐसे पत्तों को एकत्र किया जाता है जिन पर कुछ लिखा हुआ या छपा हुआ होता है, किताब बन जाती है । बहुत पहले भारत और उसके आस-पास के देशों में ताड़ के पत्तों पर लिखा जाता था या चित्र बनाए जाते थे । फिर उन पत्तों को इकट्ठा करते थे और उन्हें धागों से बाँध दिया जाता था । इन ताड़ पत्तों पर केवल ऐसे लोग लिखते थे जिनकी लिखाई सुन्दर होती थी और जो सुन्दर चित्र बना पाते थे । जर्मनी में छपाई की मशीन का आविष्कार हुआ जिसके कारण किताबें मशीन से छपने लगी । मशीन से छपने का फायदा यह था कि किताबों की बहुत सी प्रतियाँ एक साथ छप सकती थी । पर नुकसान यह था कि हर किताब एक जैसी दिखाई देती थी । मशीन से छपाई के बाद लिखने वाले की वह छाप किताबों से गायब हो गई ।

ताड़ पत्तों पर किन लोगों से लिखवाया जाता था ?

- (1) जिन लोगों की लिखाई सुंदर होती थी ।
- (2) जिन लोगों के विचार सुंदर होते थे ।
- (3) जिन लोगों की पोशाक सुंदर होती थी ।
- (4) जिन लोगों को पढ़ना आता था ।

[Question ID = 125][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q95]

1. 1 [Option ID = 497]
2. 2 [Option ID = 498]
3. 3 [Option ID = 499]
4. 4 [Option ID = 500]

6) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बचपन के पहले दो सालों तक बच्चे भाषा को केवल सुनते और बोलते हैं । उनके जीवन में किताब की कोई कल्पना तक नहीं होती । फिर धीरे-धीरे किताबें उनके जीवन में आती हैं । हम किताब किसे कहेंगे ? जब कुछ ऐसे पत्तों को एकत्र किया जाता है जिन पर कुछ लिखा हुआ या छपा हुआ होता है, किताब बन जाती है । बहुत पहले भारत और उसके आस-पास के देशों में ताड़ के पत्तों पर लिखा जाता था या चित्र बनाए जाते थे । फिर उन पत्तों को इकट्ठा करते थे और उन्हें धागों से बाँध दिया जाता था । इन ताड़ पत्तों पर केवल ऐसे लोग लिखते थे जिनकी लिखाई सुन्दर होती थी और जो सुन्दर चित्र बना पाते थे । जर्मनी में छपाई की मशीन का आविष्कार हुआ जिसके कारण किताबें मशीन से छपने लगी । मशीन से छपने का फायदा यह था कि किताबों की बहुत सी प्रतियाँ एक साथ छप सकती थी । पर नुकसान यह था कि हर किताब एक जैसी दिखाई देती थी । मशीन से छपाई के बाद लिखने वाले की वह छाप किताबों से गायब हो गई ।

‘आविष्कार’ का अर्थ क्या है ?

(1) रचना

(2) खोज

(3) निर्माण

(4) शुरूआत

[Question ID = 126][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q96]

1. 1 [Option ID = 501]
2. 2 [Option ID = 502]
3. 3 [Option ID = 503]
4. 4 [Option ID = 504]

7) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बचपन के पहले दो सालों तक बच्चे भाषा को केवल सुनते और बोलते हैं । उनके जीवन में किताब की कोई कल्पना तक नहीं होती । फिर धीरे-धीरे किताबें उनके जीवन में आती हैं । हम किताब किसे कहेंगे ? जब कुछ ऐसे पत्तों को एकत्र किया जाता है जिन पर कुछ लिखा हुआ या छपा हुआ होता है, किताब बन जाती है । बहुत पहले भारत और उसके आस-पास के देशों में ताड़ के पत्तों पर लिखा जाता था या चित्र बनाए जाते थे । फिर उन पत्तों को इकट्ठा करते थे और उन्हें धागों से बाँध दिया जाता था । इन ताड़ पत्तों पर केवल ऐसे लोग लिखते थे जिनकी लिखाई सुन्दर होती थी और जो सुन्दर चित्र बना पाते थे । जर्मनी में छपाई की मशीन का आविष्कार हुआ जिसके कारण किताबें मशीन से छपने लगी । मशीन से छपने का फायदा यह था कि किताबों की बहुत सी प्रतियाँ एक साथ छप सकती थी । पर नुकसान यह था कि हर किताब एक जैसी दिखाई देती थी । मशीन से छपाई के बाद लिखने वाले की वह छाप किताबों से गायब हो गई ।

‘जो सुंदर चित्र बना पाते थे ।’ इस वाक्य में रेखांकित शब्द क्या है ?

(1) सर्वनाम

(2) क्रिया

(3) संज्ञा

(4) विशेषण

[Question ID = 127][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q97]

1. 1 [Option ID = 505]
2. 2 [Option ID = 506]
3. 3 [Option ID = 507]
4. 4 [Option ID = 508]

8) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बचपन के पहले दो सालों तक बच्चे भाषा को केवल सुनते और बोलते हैं । उनके जीवन में किताब की कोई कल्पना तक नहीं होती । फिर धीरे-धीरे किताबें उनके जीवन में आती हैं । हम किताब किसे कहेंगे ? जब कुछ ऐसे पत्तों को एकत्र किया जाता है जिन पर कुछ लिखा हुआ या छपा हुआ होता है, किताब बन जाती है । बहुत पहले भारत और उसके आस-पास के देशों में ताड़ के पत्तों पर लिखा जाता था या चित्र बनाए जाते थे । फिर उन पत्तों को इकट्ठा करते थे और उन्हें धागों से बाँध दिया जाता था । इन ताड़ पत्तों पर केवल ऐसे लोग लिखते थे जिनकी लिखाई सुन्दर होती थी और जो सुन्दर चित्र बना पाते थे । जर्मनी में छपाई की मशीन का आविष्कार हुआ जिसके कारण किताबें मशीन से छपने लगी । मशीन से छपने का फायदा यह था कि किताबों की बहुत सी प्रतियाँ एक साथ छप सकती थी । पर नुकसान यह था कि हर किताब एक जैसी दिखाई देती थी । मशीन से छपाई के बाद लिखने वाले की वह छाप किताबों से गायब हो गई ।

“फिर धीरे-धीरे किताबें उनके जीवन में आती हैं ।” रेखांकित शब्द गद्यांश में किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(1) ताड़ पत्र के लिए

(2) बचपन के लिए

(3) बच्चों के लिए

(4) ताड़ पत्र पर लिखने वालों के लिए

[Question ID = 128][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q98]

1. 1 [Option ID = 509]
2. 2 [Option ID = 510]
3. 3 [Option ID = 511]
4. 4 [Option ID = 512]

9) **निर्देश :** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

बचपन के पहले दो सालों तक बच्चे भाषा को केवल सुनते और बोलते हैं । उनके जीवन में किताब की कोई कल्पना तक नहीं होती । फिर धीरे-धीरे किताबें उनके जीवन में आती हैं । हम किताब किसे कहेंगे ? जब कुछ ऐसे पत्तों को एकत्र किया जाता है जिन पर कुछ लिखा हुआ या छपा हुआ होता है, किताब बन जाती है । बहुत पहले भारत और उसके आस-पास के देशों में ताड़ के पत्तों पर लिखा जाता था या चित्र बनाए जाते थे । फिर उन पत्तों को इकट्ठा करते थे और उन्हें धागों से बाँध दिया जाता था । इन ताड़ पत्तों पर केवल ऐसे लोग लिखते थे जिनकी लिखाई सुन्दर होती थी और जो सुन्दर चित्र बना पाते थे । जर्मनी में छपाई की मशीन का आविष्कार हुआ जिसके कारण किताबें मशीन से छपने लगी । मशीन से छपने का फायदा यह था कि किताबों की बहुत सी प्रतियाँ एक साथ छप सकती थी । पर नुकसान यह था कि हर किताब एक जैसी दिखाई देती थी । मशीन से छपाई के बाद लिखने वाले की वह छाप किताबों से गायब हो गई ।

‘सुंदर’ शब्द का समानार्थी शब्द है

- (1) खूबसूरत
- (2) नैन-नक्श
- (3) अच्छा
- (4) नेक

[Question ID = 129][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q99]

- 1. 1 [Option ID = 513]
- 2. 2 [Option ID = 514]
- 3. 3 [Option ID = 515]
- 4. 4 [Option ID = 516]

Topic:- HIN_Q100-105_L1_P1_CTET

1) **निर्देश :** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

ये बच्चे उतने बच्चे नहीं

कि इनमें कभी-कभी ढूँढ सकें हम अपना बचपन

इनकी उम्र तो इनकी असल उम्र से भी ज्यादा लगती है

कभी-कभी तो हमसे भी ज्यादा

इनकी आत्माओं में गौरियों के घोंसले नहीं हैं लेकिन

नयी चीज़ों के बारे में ये हमसे ज्यादा जानते हैं

हम जिन तकनीकी उपकरणों के सामने पहुँचते ही

अचकचाकर ठिठक जाते हैं – कुण्ठ होकर

ये बिना किसी हिचक के दबाना शुरू कर देते हैं

उसके बटन

न कोई घबराहट, न गलती हो जाने की आशंका

विश्वास से भरे हैं इनके चेहरे

जिन रास्तों की इन्हें खबर नहीं है उन्हें खोज लेंगे ये

‘इनकी आत्माओं में गौरियों के घोंसले नहीं हैं’, वाक्य से अभिप्राय है

(1) बच्चों को किसी बात का ज्ञान नहीं है ।

(2) बच्चों में मासूमियत नहीं रह गई है ।

(3) बच्चे गौरिया का घोंसला नहीं पहचानते हैं ।

(4) बच्चे जंगलों में घूमना पसन्द नहीं करते हैं ।

[Question ID = 130][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q100]

1. 1 [Option ID = 517]

2. 2 [Option ID = 518]

3. 3 [Option ID = 519]

4. 4 [Option ID = 520]

2) **निर्देश :** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

ये बच्चे उतने बच्चे नहीं

कि इनमें कभी-कभी ढूँढ सकें हम अपना बचपन

इनकी उम्र तो इनकी असल उम्र से भी ज्यादा लगती है

कभी-कभी तो हमसे भी ज्यादा

इनकी आत्माओं में गौरियों के घोंसले नहीं हैं लेकिन

नयी चीज़ों के बारे में ये हमसे ज्यादा जानते हैं

हम जिन तकनीकी उपकरणों के सामने पहुँचते ही

अचकचाकर ठिठक जाते हैं – कुण्ठ होकर

ये बिना किसी हिचक के दबाना शुरू कर देते हैं

उसके बटन

न कोई घबराहट, न गलती हो जाने की आशंका

विश्वास से भरे हैं इनके चेहरे

जिन रास्तों की इन्हें खबर नहीं है उन्हें खोज लेंगे ये

कवि के अनुसार आज के समय के बच्चों में हम अपना बचपन क्यों नहीं देख सकते ?

(1) इनका शारीरिक गठन हमारी पीढ़ी से बिल्कुल भिन्न है ।

(2) ये अपने बचपन में झाँकने की अनुमति नहीं देते हैं ।

(3) ये हमारी पीढ़ी वाले खेल नहीं खेलते हैं ।

(4) इनकी भाषा हमसे बिल्कुल भिन्न है ।

[Question ID = 131][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q101]

1. 1 [Option ID = 521]

2. 2 [Option ID = 522]

3. 3 [Option ID = 523]

4. 4 [Option ID = 524]

3) **निर्देश :** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

ये बच्चे उतने बच्चे नहीं
कि इनमें कभी-कभी ढूँढ सकें हम अपना बचपन
इनकी उम्र तो इनकी असल उम्र से भी ज्यादा लगती है
कभी-कभी तो हमसे भी ज्यादा
इनकी आत्माओं में गौरेयों के घोंसले नहीं हैं लेकिन
नयी चीज़ों के बारे में ये हमसे ज्यादा जानते हैं
हम जिन तकनीकी उपकरणों के सामने पहुँचते ही
अचकचाकर ठिठक जाते हैं – कुण्ठ होकर
ये बिना किसी हिचक के दबाना शुरू कर देते हैं
उसके बटन
न कोई घबराहट, न गलती हो जाने की आशंका
विश्वास से भरे हैं इनके चेहरे
जिन रास्तों की इन्हें खबर नहीं है उन्हें खोज लेंगे ये
आज के बच्चे किन चीज़ों के बारे में हमसे अधिक जानते हैं ?

(1) तकनीकी उपकरणों का प्रयोग

(2) पक्षियों का रहन-सहन

(3) वयस्कों का बचपन

(4) अपना इतिहास

[Question ID = 132][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q102]

1. 1 [Option ID = 525]
2. 2 [Option ID = 526]
3. 3 [Option ID = 527]
4. 4 [Option ID = 528]

4) **निर्देश :** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।

ये बच्चे उतने बच्चे नहीं

कि इनमें कभी-कभी ढूँढ सकें हम अपना बचपन

इनकी उम्र तो इनकी असल उम्र से भी ज्यादा लगती है

कभी-कभी तो हमसे भी ज्यादा

इनकी आत्माओं में गौरेयों के घोंसले नहीं हैं लेकिन

नयी चीज़ों के बारे में ये हमसे ज्यादा जानते हैं

हम जिन तकनीकी उपकरणों के सामने पहुँचते ही

अचकचाकर ठिठक जाते हैं – कुण्ठ होकर

ये बिना किसी हिचक के दबाना शुरू कर देते हैं

उसके बटन

न कोई घबराहट, न गलती हो जाने की आशंका

विश्वास से भरे हैं इनके चेहरे

जिन रास्तों की इन्हें खबर नहीं है उन्हें खोज लेंगे ये

‘जिन रास्तों की इन्हें खबर नहीं है’, कवि किन रास्तों की ओर संकेत कर रहा है ?

(1) जो रास्ते विद्यालय की ओर जाते हैं

(2) ये जिस तकनीकी से अभी अपरिचित हैं

(3) ब्रह्माण्ड के रहस्य

(4) वयस्कों की कार्यशैली

[Question ID = 133][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q103]

1. 1 [Option ID = 529]

2. 2 [Option ID = 530]

3. 3 [Option ID = 531]

4. 4 [Option ID = 532]

5) **निर्देश :** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

ये बच्चे उतने बच्चे नहीं
कि इनमें कभी-कभी ढूँढ सकें हम अपना बचपन
इनकी उम्र तो इनकी असल उम्र से भी ज्यादा लगती है
कभी-कभी तो हमसे भी ज्यादा
इनकी आत्माओं में गौरेयों के घोंसले नहीं हैं लेकिन
नयी चीज़ों के बारे में ये हमसे ज्यादा जानते हैं
हम जिन तकनीकी उपकरणों के सामने पहुँचते ही
अचकचाकर ठिठक जाते हैं – कुण्ठ होकर
ये बिना किसी हिचक के दबाना शुरू कर देते हैं
उसके बटन
न कोई घबराहट, न गलती हो जाने की आशंका
विश्वास से भरे हैं इनके चेहरे
जिन रास्तों की इन्हें खबर नहीं है उन्हें खोज लेंगे ये
नीचे दिए गए शब्दों में से कौन-सा शब्द भिन्न है ?

(1) कुंठ

(2) कुंठा

(3) कंठ

(4) कुठित

[Question ID = 134][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q104]

1. 1 [Option ID = 533]
2. 2 [Option ID = 534]
3. 3 [Option ID = 535]
4. 4 [Option ID = 536]

6) **निर्देश :** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।

ये बच्चे उतने बच्चे नहीं
कि इनमें कभी-कभी ढूँढ सकें हम अपना बचपन
इनकी उम्र तो इनकी असल उम्र से भी ज्यादा लगती है
कभी-कभी तो हमसे भी ज्यादा
इनकी आत्माओं में गौरियों के घोंसले नहीं हैं लेकिन
नयी चीज़ों के बारे में ये हमसे ज्यादा जानते हैं
हम जिन तकनीकी उपकरणों के सामने पहुँचते ही
अचकचाकर ठिठक जाते हैं – कुण्ठ होकर
ये बिना किसी हिचक के दबाना शुरू कर देते हैं
उसके बटन
न कोई घबराहट, न गलती हो जाने की आशंका
विश्वास से भरे हैं इनके चेहरे
जिन रास्तों की इन्हें खबर नहीं है उन्हें खोज लेंगे ये
'अचकचाकर ठिठक जाते हैं।' रेखांकित शब्द का अर्थ है

- (1) अचंभित होकर
- (2) झुँझलाकर
- (3) हड़बड़ाकर
- (4) घबराकर

[Question ID = 135][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q105]

1. 1 [Option ID = 537]
2. 2 [Option ID = 538]
3. 3 [Option ID = 539]
4. 4 [Option ID = 540]

Topic:- HIN_Q106-120_L1_P1_CTET

1) वे पुस्तकें जिनमें शब्द न लिखे हों या बहुत कम शब्द हों, जो बच्चों के दृश्यात्मक चिंतन और अवलोकन कौशल में वृद्धि करती हैं, उन्हें क्या कहा जाएगा ?

- (1) चित्रात्मक पुस्तकें
- (2) विश्वकोश
- (3) मिथक और अनुश्रुति
- (4) वास्तविक वस्तुएँ

[Question ID = 136][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q106]

1. 1 [Option ID = 541]
2. 2 [Option ID = 542]
3. 3 [Option ID = 543]
4. 4 [Option ID = 544]

2) तंत्रिका संबंधी विकार से हुई संज्ञानात्मक क्षति जिसमें शिक्षार्थी अक्षरों और शब्दों को पढ़ पाने और व्याख्या कर पाने में असमर्थ रहते हैं तथा एकसमान आकृति व ध्वनि से भ्रमित हो जाते हैं, इसे क्या कहा जाएगा ?

- (1) अधिगम विकलांगता
- (2) अधिगम प्राथमिकता
- (3) अधिगम शैली
- (4) अधिगम भिन्नता

[Question ID = 137][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q107]

- 1. 1 [Option ID = 545]
- 2. 2 [Option ID = 546]
- 3. 3 [Option ID = 547]
- 4. 4 [Option ID = 548]

3) गुणवत्तापरक शिक्षण अधिगम सामग्री क्या कर सकती है ?

- (1) अध्यापक को भाषा सीखने में मदद करती है
- (2) शिक्षार्थियों को भाषा अर्जित करने में मदद करती है
- (3) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुगम बनाती है
- (4) मनोरंजन का स्रोत है

[Question ID = 138][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q108]

- 1. 1 [Option ID = 549]
- 2. 2 [Option ID = 550]
- 3. 3 [Option ID = 551]
- 4. 4 [Option ID = 552]

4) वे शिक्षण सामग्री जो कुछ निश्चित कौशलों जैसे पठन, श्रवण और उच्चारण, आदि के लिए हैं, उन्हें क्या कहा जाता है ?

- (1) कौशल-आधारित शिक्षण सामग्री
- (2) श्रवण-भाषिक शिक्षण सामग्री
- (3) ज्ञान विषयक शिक्षण सामग्री
- (4) कक्षायी शिक्षण सामग्री

[Question ID = 139][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q109]

- 1. 1 [Option ID = 553]
- 2. 2 [Option ID = 554]
- 3. 3 [Option ID = 555]
- 4. 4 [Option ID = 556]

- 5) वे कौन-सी त्रुटियाँ हैं, जो बच्चे सामान्यतः तब करते हैं जब वे किसी स्वर या व्यंजन का उच्चारण नहीं कर पाते हैं ? जब वे तेजी से वाचन करते हैं और किसी विशेष अक्षर को कहने में कठिनाई का अनुभव करते हैं, यह उनके स्वनिम स्तर को प्रभावित करती हैं ।

- (1) उच्चारण
- (2) वर्तनी
- (3) कोशविषयक
- (4) सांस्कृतिक

[Question ID = 140][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q110]

- 1. 1 [Option ID = 557]
- 2. 2 [Option ID = 558]
- 3. 3 [Option ID = 559]
- 4. 4 [Option ID = 560]

- 6) एक अध्यापिका कक्षा में शिक्षण सामग्री के रूप में सिक्के, नक्शे, टिकट, आदि का प्रयोग करती है । इस प्रकार की शिक्षण-अधिगम सामग्री को क्या कहा जाएगा ?

- (1) घर की वस्तुएँ
- (2) वास्तविक वस्तुएँ (रीयलिया)
- (3) शिक्षण सामग्री
- (4) कक्षाकक्ष सामग्री

[Question ID = 141][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q111]

- 1. 1 [Option ID = 561]
- 2. 2 [Option ID = 562]
- 3. 3 [Option ID = 563]
- 4. 4 [Option ID = 564]

- 7) वे विद्यार्थी जो शब्दों में किसी अक्षर को छोड़ने जैसी वर्तनी संबंधी गलतियाँ करते हैं, वे किससे ग्रस्त हैं ?

- (1) गति/संचलन विषयक विकलांगता
- (2) संरचनात्मक विकलांगता
- (3) वाक् क्षति
- (4) अधिगम विकलांगता

[Question ID = 142][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q112]

- 1. 1 [Option ID = 565]
- 2. 2 [Option ID = 566]
- 3. 3 [Option ID = 567]
- 4. 4 [Option ID = 568]

- 8) एक अध्यापक ने महसूस किया कि एक विद्यार्थी बोलते और लिखते समय लगातार कुछ गलतियाँ करता है जैसे कि वाक्य है – 'चूँकि तुम संघर्ष कर रहे हो।' इस वाक्य को वह इस प्रकार बोलता है – 'संघर्ष की स्थिति में तुम्हें क्या करना चाहिए।' इस प्रकार की गलतियाँ क्या कहलाती हैं ?

- (1) कोशविषयक
- (2) वर्तनी
- (3) संरचनात्मक
- (4) स्वनिम/ध्वन्यात्मक

[Question ID = 143][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q113]

- 1. 1 [Option ID = 569]
- 2. 2 [Option ID = 570]
- 3. 3 [Option ID = 571]
- 4. 4 [Option ID = 572]

- 9) किसी नवीन कोशविषयक या संरचनात्मक अवधारणा को स्पष्ट करते समय संवादों के लिए किस प्रकार की सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है ?

- (1) पाठ्यपुस्तकें
- (2) विश्वकोश
- (3) शब्दकोश
- (4) वास्तविक वस्तुएँ (रीयलिया)

[Question ID = 144][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q114]

- 1. 1 [Option ID = 573]
- 2. 2 [Option ID = 574]
- 3. 3 [Option ID = 575]
- 4. 4 [Option ID = 576]

- 10) निम्नलिखित में से किसे बच्चों के साहित्य की श्रेणी में **नहीं** रखेंगे ?

- (1) चित्रात्मक पुस्तकें
- (2) विश्वकोश
- (3) मिथक और अनुश्रुति
- (4) इतिहास के नायकों की कहानियाँ

[Question ID = 145][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q115]

- 1. 1 [Option ID = 577]
- 2. 2 [Option ID = 578]
- 3. 3 [Option ID = 579]
- 4. 4 [Option ID = 580]

11) भाषा संबंधी गतिविधियों के चयन के मानदण्ड क्या हो सकते हैं ?

- (1) अभ्यास के लिए पर्याप्त कार्यपत्रक (वर्कशीट)
- (2) प्रतिदिन शब्द भंडार और वाक्य
- (3) सीखने योग्य, विस्तार और शिक्षण योग्य
- (4) भाषा के नियमों पर केन्द्रित

[Question ID = 146][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q116]

- 1. 1 [Option ID = 581]
- 2. 2 [Option ID = 582]
- 3. 3 [Option ID = 583]
- 4. 4 [Option ID = 584]

12) किसी बच्चे के 'आत्मकेन्द्रित वाचन' से क्या तात्पर्य है ?

- (1) बच्चे यह मान लेते हैं कि दूसरे लोग बिल्कुल वैसा ही सुनते और महसूस करते हैं जैसा कि वे करते हैं
- (2) दूसरे लोग उतना ध्यान नहीं देते हैं जितना कि बच्चे देते हैं
- (3) बच्चे यह मान लेते हैं कि बच्चे की अपेक्षा दूसरे लोग अनिच्छुक हैं
- (4) दूसरे लोग बच्चे की अपेक्षा अधिक ध्यान देते हैं

[Question ID = 147][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q117]

- 1. 1 [Option ID = 585]
- 2. 2 [Option ID = 586]
- 3. 3 [Option ID = 587]
- 4. 4 [Option ID = 588]

13) चॉमस्की ने प्रतिपादित किया कि मनुष्य के पास _____ है जिसके रहते बच्चे भाषा अर्जित करते और प्रयोग कर पाते हैं ।

- (1) भाषा अर्जन उपकरण
- (2) सार्वभौमिक व्याकरण
- (3) बोधगम्य निवेश उपकरण
- (4) सम्प्रेषणात्मक दक्षता

[Question ID = 148][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q118]

- 1. 1 [Option ID = 589]
- 2. 2 [Option ID = 590]
- 3. 3 [Option ID = 591]
- 4. 4 [Option ID = 592]

14) उपचारात्मक शिक्षण किसे कहेंगे ?

- (1) शिक्षण के लिए तैयारी
- (2) यादृच्छिक प्रक्रिया
- (3) प्राथमिक स्तर के अध्यापकों हेतु शिक्षण कार्यक्रम
- (4) व्यवस्थित प्रक्रिया

[Question ID = 149][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q119]

1. 1 [Option ID = 593]
2. 2 [Option ID = 594]
3. 3 [Option ID = 595]
4. 4 [Option ID = 596]

15) एक बारह-वर्षीय बालिका अनेकार्थी शब्दों के प्रयोग से बहुत आनंदित होती है। उसका यह आनन्द क्या संकेत देता है ?

- (1) विमर्श की भाषा की जागरूकता
- (2) अर्थगत झुकाव
- (3) निगमनात्मक तार्किकता
- (4) मानसिक अवरोध

[Question ID = 150][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_114_HINDI_Q120]

1. 1 [Option ID = 597]
2. 2 [Option ID = 598]
3. 3 [Option ID = 599]
4. 4 [Option ID = 600]

Topic:- Telugu_Q121-128_L2_P1_CTET

1) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

అమలాపురంలో సంస్కృత పండితుడైన కోరాడ రామ చంద్రశాస్త్రి (1816-1900) మంజరీ మధుక రీయం అనే పేరుతో ఒక స్వతంత్ర నాటకాన్ని 1860 ప్రాంతంలో రచించి, తెలుగులో నాటక రచనకు శ్రీకారం చుట్టాడు. నాటకం రాయడానికి తెలుగులో అప్పటికి కూడా మార్గదర్శక సూత్రాలు గాని, లక్షణ గ్రంథాలు గాని లేని కారణంగా సంస్కృత నాటక లక్షణాలను, సంప్రదాయాలను స్వీకరించి తదనుగుణంగా స్వతంత్రనాటక రచనకు ఆద్యుడయ్యాడు. మంజరీ, మధుకరుల ప్రణయ వృత్తాంతమే ఈ నాటకం. మంత్రాలు, మాయలతో ఒక జానపద కథలా నడుస్తుంది. గద్య పద్యాత్మకమైన ఈ నాటకంలో గద్యం కొంత సరళంగా ఉన్నా, పద్యాలు ప్రబంధ శైలిలో జటిలంగా ఉంటాయి.

తెలుగు నాటకం ఆవిర్భవించిన రెండు దశాబ్దాల తర్వాత వావిలాల వాసుదేవశాస్త్రి (1851-1897) షెక్స్పియర్ రచించిన జూలియస్ సీజర్ నాటకాన్ని సీజరు చరిత్ర అనే పేరుతో పరివర్తన చేయడంతో ఆంగ్ల నాటకానువాదానికి కొత్తబాట ఏర్పడింది. నాటకంలో సంభాషణలు యావత్తు గ్రామీణ జీవితం మీద నాటకాలు రాసిన వారిలో పనిశెట్టి శ్రీరామమూర్తి, అనిశెట్టిసుబ్బారావు, బోయి భీమన్న, సీతారాజు వేంకటేశ్వరరావు, షేక్ నాజర్ లు సుప్రసిద్ధులు. పనిశెట్టి కలం నుంచి వెలువడిన పల్లె పడుచు (1950) నాటకం రంగస్థలం మీద నిగ్గు తేలిన మంచి నాటకాలలో ఒకటి. పల్లెటూళ్లో నీతికి, మంచితనానికి కట్టుబడిన ఒక పేదరైతు ఒక స్వార్థపరుని చేతిలో కష్టాలు అనుభవించడం, చివరికి కష్టాల కడలి నుంచి బయటపడటం ఈ నాటకంలో ఇతివృత్తం. మాట, పాట, ఆటల నమ్మకంతో సమగ్ర నాటకంగా రూపొందిన 'పల్లె పడుచు' కు విశేష ప్రజాదరణ లభించినది. 1950లో కాకినాడలో ఆంధ్రనాటక కళాపరిషత్తు నాటక పోటీలలో ఈ నాటకం ప్రథమ బహుమతి పొందింది. టిక్కెట్లు పెట్టి ఈ సాంఘిక నాటకాన్ని గ్రామప్రాంతాల్లో ప్రదర్శించి జెత్సాహిక

నాటకానికి ప్రింసిపల్ స్టేట్స్ సృష్టించాడు రచయిత. కులం లేని పిల్ల (1951), అన్నా చెల్లెలు (1952), పంజరంలో పక్షులు నాటకాలు, ఆడది అనే స్త్రీ పాత్రలేని నాటిక పనిశెట్టికి పేరు తెచ్చిన రచనలు.

అనిశెట్టి రచించిన గాలిమేడలు (1950) నాటకం విశిష్టమైనది. ఈయన రాసిన మావూరు (1954), పండిత పామరుల ప్రశంసలు అందుకుంది. చరమాంకం అనే ప్రతీకాత్మక నాటిక, శాంతి (1955), మూకాభినయ నాటిక అనిశెట్టి రచనల్లో విశిష్టమైనవి.

బోయి భీమన్న పాలేరు (1950), కూలిరాజు (1951) రైతు కార్మికుల దీనావస్థకు అద్దం పట్టి శక్తివంతమైన నాటకాలు. కణ్వశ్రీ 'ఇదా ప్రపంచం' (1950) భూస్వాముల కబంధహస్తాల్లో చిక్కుకుని విలవిలలాడే పేదరైతు జీవితాన్ని హృదయంగమంగా చిత్రించేనాటకం. నెల్లూరు యాసలో వెలువడిన మొదటి నాటకం కూడా ఇదే. బి. ఎన్. సూరి 'రైతు-భూమి' (1953), సీతారాజు 'దోపిడి' (1953), షేక్ నాజర్ 'ఆసామి' (1954) నేలను నమ్ముకొన్న కష్టజీవుల కడగళ్లను దృశ్యమానం చేసే నాటకాలు.

స్త్రీ సమస్యలపై వచ్చిన నాటకాలలో కోప్పరపు సుబ్బారావు ఇనప తెరలు (1950), బెల్లం కొండ రామదాసు పునర్జన్మ (1956), రాచకొండ విశ్వనాథశాస్త్రి తిరస్కృతి (1957), పి.వి. రాజమన్నార్ మనోరమ (1959), అవసరాల సూర్యారావు పంజరం సుప్రసిద్ధాలు. ప్రేమతత్వంపై బుచ్చిబాబు ఆత్మవంచన (1951), కె.ఎల్. నరసింహారావు క్రీనీడలు నాటకాలు ప్రేక్షకుల, విమర్శకుల అభిమానాన్ని చూరగొన్నవి. డి.వి. నరసరాజు రచించిన నాటకం (1950), వీలునామా (1955) నాటకాలు ప్రజాదరణ పొందాయి. ఇవి రెండూ విదేశీ నాటకాలకు అనుసరణలు. నరసరాజు రచించిన వాపస్ (1950), ఈ ఇల్లు అమ్మబడును (హౌస్ ఫర్ సేల్) నాటికలు రంగస్థలం మీద రాణించాయి. వాపస్ విద్యార్థుల ద్వారా విస్తృతంగా ప్రదర్శితమైంది. తమిళంలో ప్రసిద్ధ రంగస్థల నటుడు ఎం.ఆర్. రాధా నేతృత్వంలో ప్రదర్శింపబడి అపూర్వ సంచలనాన్ని కలిగించిన నాటకం రక్త కన్నీరు. ఈ నాటకాన్ని పాలగుమ్మి పద్మరాజు తెలుగులోకి అనువదించాడు. సీనీ నటుడు సి. నాగభూషణం ఈ నాటకాన్ని అయిదు వేల ప్రదర్శనలిచ్చి రికార్డు నెలకొల్పాడు. 30 రంగాలున్న ఈ నాటకాన్ని సినిమా టెక్నిక్కులతో నేత్రానందంగా ప్రదర్శించిన ఘనత రవి ఆర్ట్ థియేటర్స్ కి దక్కింది. ఈ నాటకాన్ని ప్రదర్శించేటప్పుడు స్థానిక సమస్యలను కలుపుకొని చలోక్తులు విసురుతూ, విమర్శనాస్త్రాలు సంధిస్తూ, వ్యంగ్యాత్మక దోరణితో ప్రదర్శనను అద్భుతంగా రక్తి కట్టించిన నటుడు నాగభూషణం. కమర్షియల్ గా ఇంత విజయాన్ని సాధించిన సాంఘిక నాటకం తెలుగులో మరేదీ లేదు.

1954లో భారతీయ నాట్య సంఘానికి శాఖగా ఏర్పడిన ఆంధ్రప్రదేశ్ నాట్య సంఘం అబ్బూరి రామకృష్ణారావు సారధ్యంలో నటశిక్షణలో డిప్లొమా కోర్సు నిర్వహించింది. నాట్యసంఘం ఆధ్వర్యంలో మృచ్ఛకటికం, ప్రతాపరుద్రీయం, ఆదర్శమూర్తి, బమ్మరిల్లు, సంరక్షకుడు మొదలైన నాటకాలు జనరంజకంగా ప్రదర్శించబడ్డాయి. 1957లో ఆంధ్ర ప్రదేశ్ సంగీత నాటక అకాడమీ ఏర్పడింది. ఈ రెండు సంస్థలు నాటకాభ్యుదయానికి ఎంతగానో తోడ్పడ్డాయి.

1950-59 మధ్య కాలంలో ఇతర భాషల నుంచి చేసిన అనువాద, అనుసరణ నాటకాలు

స్వతంత్రనాటకాలను అధిగమించి పేరు ప్రఖ్యాతులు గడించటం గమనార్హం. బెల్లంకొండ రామదాసు ఆకాశ రామన్న (1957), నోమంచి యజ్ఞన్న శాస్త్రి మహాను భావులు (1957), ప్రఖ్య శ్రీరామమూర్తి కాళరాత్రి (1955), ఫణి (1957), ప్రఖ్యాతి పొందాయి. ఫణి, కాళరాత్రి అపరాధ పరిశోధక నాటకాల కోవకు చెందినవి. ఫణి నాటకాన్ని కె. వేంకటేశ్వరరావు దర్శకత్వంలో ర.స.న. సమాఖ్య బృందం, కాళరాత్రి ని శ్రీకాకుళం నాటక సమితి ఆధ్వర్యన జె.వి. రమణమూర్తి బృందం ఆసక్తికరంగా ప్రదర్శించాయి.

రక్తకన్నీరు నాటకాన్ని తమిళం నుంచి అనువదించినది

(1) ఎం.ఆర్. రాధా

(2) పాలగుమ్మి పద్మరాజు

(3) సి. నాగభూషణం

(4) డి.వి. నరసరాజు

[Question ID = 331][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q121]

1. 1 [Option ID = 1321]
2. 2 [Option ID = 1322]
3. 3 [Option ID = 1323]
4. 4 [Option ID = 1324]

2) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

అమలాపురంలో సంస్కృత పండితుడైన కోరాడ రామ చంద్రశాస్త్రి (1816-1900) మంజురీ మధుక రీయం అనే పేరుతో ఒక స్వతంత్ర నాటకాన్ని 1860 ప్రాంతంలో రచించి, తెలుగులో నాటక రచనకు శ్రీకారం చుట్టాడు. నాటకం రాయడానికి తెలుగులో అప్పటికి కూడా మార్గదర్శక సూత్రాలు గాని, లక్షణ గ్రంథాలు గాని లేని కారణంగా సంస్కృత నాటక లక్షణాలను, సంప్రదాయాలను స్వీకరించి తదనుగుణంగా స్వతంత్రనాటక రచనకు ఆద్యుడయ్యాడు. మంజురీ, మధుకరుల ప్రణయ వృత్తాంతమే ఈ నాటకం. మంత్రాలు, మాయలతో ఒక జానపద కథలా నడుస్తుంది. గద్య పద్యాత్మకమైన ఈ నాటకంలో గద్యం కొంత సరళంగా ఉన్నా, పద్యాలు ప్రబంధ శైలిలో జటిలంగా ఉంటాయి.

తెలుగు నాటకం ఆవిర్భవించిన రెండు దశాబ్దాల తర్వాత వావిలాల వాసుదేవశాస్త్రి (1851-1897) షెక్స్పియర్ రచించిన జులియస్ సీజర్ నాటకాన్ని సీజరు చరిత్ర అనే పేరుతో పరివర్తన చేయడంతో ఆంగ్ల నాటకానువాదానికి కొత్తబాట ఏర్పడింది. నాటకంలో సంభాషణలు యావత్తు గ్రామీణ జీవితం మీద నాటకాలు రాసిన వారిలో పినిశెట్టి శ్రీరామమూర్తి, అనిశెట్టిసుబ్బారావు, బోయి భీమన్న, సీతారాజు వేంకటేశ్వరరావు, షేక్ నాజర్ లు సుప్రసిద్ధులు. పినిశెట్టి కలం నుంచి వెలువడిన పల్లె పడుచు (1950) నాటకం రంగస్థలం మీద నిగ్గు తేలిన మంచి నాటకాలలో ఒకటి. పల్లెటూళ్లో నీతికి, మంచితనానికి కట్టుబడిన ఒక పేదరైతు ఒక స్వార్థపరుని చేతిలో కష్టాలు అనుభవించడం, చివరికి కష్టాల కడలి నుంచి బయటపడటం ఈ నాటకంలో ఇతివృత్తం. మాట, పాట, ఆటల నమ్మకంతో సమగ్ర నాటకంగా రూపొందిన 'పల్లె పడుచు' కు విశేష ప్రజాదరణ లభించినది. 1950లో

కాకినాడలో ఆంధ్రనాటక కళాపరిషత్తు నాటక పోటీలలో ఈ నాటకం ప్రథమ బహుమతి పొందింది. టిక్కెట్టు పెట్టి ఈ సాంఘిక నాటకాన్ని గ్రామప్రాంతాల్లో ప్రదర్శించి ఔత్సాహిక నాటకానికి ప్రోఫెషనల్ స్టేజీ సృష్టించాడు రచయిత. కులం లేని పిల్ల (1951), అన్నా చెల్లెలు (1952), పంజరంలో పక్షులు నాటకాలు, ఆడది అనే స్త్రీ పాత్రలేని నాటిక పనిశెట్టికి పేరు తెచ్చిన రచనలు.

అనిశెట్టి రచించిన గాలిమేడలు (1950) నాటకం విశిష్టమైనది. ఈయన రాసిన మావూరు (1954), పండిత పామరుల ప్రశంసలు అందుకుంది. చరమాంకం అనే ప్రతీకాత్మక నాటిక, శాంతి (1955), మూకాభినయ నాటిక అనిశెట్టి రచనల్లో విశిష్టమైనవి.

బోయి భీమన్న పాలేరు (1950), కూలిరాజు (1951) రైతు కార్మికుల దీనావస్థకు అద్దం పట్టి శక్తివంతమైన నాటకాలు. కణ్వశ్రీ 'ఇదా ప్రపంచం' (1950) భూస్వాముల కబంధహస్తాల్లో చిక్కుకుని విలవిలలాడే పేదరైతు జీవితాన్ని హృదయంగమంగా చిత్రించేనాటకం. నెల్లూరు యాసలో వెలువడిన మొదటి నాటకం కూడా ఇదే. బి. ఎన్. సూరి 'రైతు-భూమి' (1953), సీతారాజు 'దోపిడి' (1953), షేక్ నాజర్ 'ఆసామి' (1954) నేలను నమ్ముకొన్న కష్టజీవుల కడగళ్లను దృశ్యమానం చేసే నాటకాలు.

స్త్రీ సమస్యలపై వచ్చిన నాటకాలలో కొప్పరపు సుబ్బారావు ఇనప తెరలు (1950), బెల్లం కొండ రామదాసు పునర్జన్మ (1956), రాచకొండ విశ్వనాథశాస్త్రి తిరస్కృతి (1957), పి.వి. రాజమన్నార్ మనోరమ (1959), అవసరాల సూర్యారావు పంజరం సుప్రసిద్ధాలు. ప్రేమతత్వంపై బుచ్చిబాబు ఆత్మవంచన (1951), కె.ఎల్. నరసింహారావు క్రీనీడలు నాటకాలు ప్రేక్షకుల, విమర్శకుల అభిమానాన్ని చూరగొన్నవి. డి.వి. నరసరాజు రచించిన నాటకం (1950), వీలునామా (1955) నాటకాలు ప్రజాదరణ పొందాయి. ఇవి రెండూ విదేశీ నాటకాలకు అనుసరణలు. నరసరాజు రచించిన వాపస్ (1950), ఈ ఇల్లు అమ్మబడును (హౌస్ ఫర్ సేల్) నాటికలు రంగస్థలం మీద రాణించాయి. వాపస్ విద్యార్థుల ద్వారా విస్తృతంగా ప్రదర్శితమైంది. తమిళంలో ప్రసిద్ధ రంగస్థల నటుడు ఎం.ఆర్. రాధా నేతృత్వంలో ప్రదర్శింపబడి అపూర్వ సంచలనాన్ని కలిగించిన నాటకం రక్త కన్నీరు. ఈ నాటకాన్ని పాలగుమ్మి పద్మరాజు తెలుగులోకి అనువదించాడు. సీనీ నటుడు సి. నాగభూషణం ఈ నాటకాన్ని అయిదు వేల ప్రదర్శనలిచ్చి రికార్డు నెలకొల్పాడు. 30 రంగాలున్న ఈ నాటకాన్ని సినిమా టెక్నిక్కులతో నేత్రానందంగా ప్రదర్శించిన ఘనత రవి ఆర్ట్ థియేటర్స్ కి దక్కింది. ఈ నాటకాన్ని ప్రదర్శించేటప్పుడు స్థానిక సమస్యలను కలుపుకొని చలోక్తులు విసురుతూ, విమర్శనాస్త్రాలు సంధిస్తూ, వ్యంగ్యాత్మక ధోరణితో ప్రదర్శనను అద్భుతంగా రక్తి కట్టించిన నటుడు నాగభూషణం. కమర్షియల్ గా ఇంత విజయాన్ని సాధించిన సాంఘిక నాటకం తెలుగులో మరేదీ లేదు.

1954లో భారతీయ నాట్య సంఘానికి శాఖగా ఏర్పడిన ఆంధ్రప్రదేశ్ నాట్య సంఘం అబ్బూరి రామకృష్ణారావు సారధ్యంలో నటశిక్షణలో డిప్లొమా కోర్సు నిర్వహించింది. నాట్యసంఘం ఆధ్వర్యంలో మృచ్ఛకటికం, ప్రతాపరుద్రీయం, ఆదర్శమూర్తి, బమ్మరిల్లు, సంరక్షకుడు మొదలైన నాటకాలు జనరంజకంగా ప్రదర్శించబడ్డాయి. 1957లో ఆంధ్ర ప్రదేశ్ సంగీత నాటక అకాడమీ ఏర్పడింది. ఈ రెండు సంస్థలు నాటకాభ్యుదయానికి ఎంతగానో

తోడ్పడ్డాయి.

1950-59 మధ్య కాలంలో ఇతర భాషల నుంచి చేసిన అనువాద, అనుసరణ నాటకాలు స్వతంత్రనాటకాలను అధిగమించి పేరు ప్రఖ్యాతులు గడించటం గమనార్హం. బెల్లంకొండ రామదాసు ఆకాశ రామన్న (1957), నోమంచి యజ్ఞన్న శాస్త్రి మహాను భావులు (1957), ప్రఖ్య శ్రీరామమూర్తి కాళరాత్రి (1955), ఫణి (1957), ప్రఖ్యాతి పొందాయి. ఫణి, కాళరాత్రి అపరాధ పరిశోధక నాటకాల కోవకు చెందినవి. ఫణి నాటకాన్ని కె. వేంకటేశ్వరరావు దర్శకత్వంలో ర.స.న. సమాఖ్య బృందం, కాళరాత్రి ని శ్రీకాకుళం నాటక సమితి ఆధ్వర్యన జె.వి. రమణమూర్తి బృందం ఆసక్తికరంగా ప్రదర్శించాయి.

ఆంధ్ర ప్రదేశ్ సంగీత నాటక అకాడమి ఏర్పడిన సంవత్సరం

(1) 1954

(2) 1957

(3) 1955

(4) 1950

[Question ID = 332][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q122]

1. 1 [Option ID = 1325]
2. 2 [Option ID = 1326]
3. 3 [Option ID = 1327]
4. 4 [Option ID = 1328]

3) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

అమలాపురంలో సంస్కృత పండితుడైన కోరాడ రామ చంద్రశాస్త్రి (1816-1900) మంజరీ మధుక రీయం అనే పేరుతో ఒక స్వతంత్ర నాటకాన్ని 1860 ప్రాంతంలో రచించి, తెలుగులో నాటక రచనకు శ్రీకారం చుట్టాడు. నాటకం రాయడానికి తెలుగులో అప్పటికి కూడా మార్గదర్శక సూత్రాలు గాని, లక్షణ గ్రంథాలు గాని లేని కారణంగా సంస్కృత నాటక లక్షణాలను, సంప్రదాయాలను స్వీకరించి తదనుగుణంగా స్వతంత్రనాటక రచనకు ఆద్యుడయ్యాడు. మంజరీ, మధుకరుల ప్రణయ వృత్తాంతమే ఈ నాటకం. మంత్రాలు, మాయలతో ఒక జానపద కథలా నడుస్తుంది. గద్య పద్యాత్మకమైన ఈ నాటకంలో గద్యం కొంత సరళంగా ఉన్నా, పద్యాలు ప్రబంధ శైలిలో జటిలంగా ఉంటాయి.

తెలుగు నాటకం ఆవిర్భవించిన రెండు దశాబ్దాల తర్వాత వావిలాల వాసుదేవశాస్త్రి (1851-1897) షెక్స్పియర్ రచించిన జూలియస్ సీజర్ నాటకాన్ని సీజరు చరిత్ర అనే పేరుతో పరివర్తన చేయడంతో ఆంగ్ల నాటకానువాదానికి కొత్తబాట ఏర్పడింది. నాటకంలో సంభాషణలు యావత్తు గ్రామీణ జీవితం మీద నాటకాలు రాసిన వారిలో పినిశెట్టి శ్రీరామమూర్తి, అనిశెట్టిసుబ్బారావు, బోయి భీమన్న, సీతారాజు వేంకటేశ్వరరావు, షేక్ నాజర్ లు సుప్రసిద్ధులు. పినిశెట్టి కలం నుంచి వెలువడిన పల్లె పడుచు (1950) నాటకం రంగస్థలం మీద నిగ్గు తేలిన మంచి నాటకాలలో ఒకటి. పల్లెటూళ్లో నీతికి, మంచితనానికి కట్టుబడిన ఒక పేదరైతు ఒక స్వార్థపరుని చేతిలో కష్టాలు అనుభవించడం, చివరికి కష్టాల

కడలి నుంచి బయటపడటం ఈ నాటకంలో ఇతివృత్తం. మాట, పాట, ఆటల నమ్మకంతో సమగ్ర నాటకంగా రూపొందిన 'పల్లె పడుచు' కు విశేష ప్రజాదరణ లభించినది. 1950లో కాకినాడలో ఆంధ్రనాటక కళాపరిషత్తు నాటక పోటీలలో ఈ నాటకం ప్రథమ బహుమతి పొందింది. టిక్కెట్టు పెట్టి ఈ సాంఘిక నాటకాన్ని గ్రామప్రాంతాల్లో ప్రదర్శించి జాతాహిక నాటకానికి ప్రోఫెషనల్ స్టేట్స్ సృష్టించాడు రచయిత. కులం లేని పిల్ల (1951), అన్నా చెల్లెలు (1952), పంజరంలో పక్షులు నాటకాలు, ఆడది అనే స్త్రీ పాత్రలేని నాటిక పనిశెట్టికి పేరు తెచ్చిన రచనలు.

అనిశెట్టి రచించిన గాలిమేడలు (1950) నాటకం విశిష్టమైనది. ఈయన రాసిన మావూరు (1954), పండిత పామరుల ప్రశంసలు అందుకుంది. చరమాంకం అనే ప్రతీకాత్మక నాటిక, శాంతి (1955), మూకాభినయ నాటిక అనిశెట్టి రచనల్లో విశిష్టమైనవి.

బోయి భీమన్న పాలేరు (1950), కూలిరాజు (1951) రైతు కార్మికుల దీనావస్థకు అద్దం పట్టి శక్తివంతమైన నాటకాలు. కణ్వశ్రీ 'ఇదా ప్రపంచం' (1950) భూస్వాముల కబంధహస్తాల్లో చిక్కుకుని విలవిలలాడే పేదరైతు జీవితాన్ని హృదయంగమంగా చిత్రించేనాటకం. నెల్లూరు యాసలో వెలువడిన మొదటి నాటకం కూడా ఇదే. బి. ఎన్. సూరి 'రైతు-భూమి' (1953), సీతారాజు 'దోపిడి' (1953), షేక్ నాజర్ 'ఆసామి' (1954) నేలను నమ్ముకొన్న కష్టజీవుల కడగళ్లను దృశ్యమానం చేసే నాటకాలు.

స్త్రీ సమస్యలపై వచ్చిన నాటకాలలో కొప్పరపు సుబ్బారావు ఇనప తెరలు (1950), బెల్లం కొండ రామదాసు పునర్జన్మ (1956), రాచకొండ విశ్వనాథశాస్త్రి తిరస్కృతి (1957), పి.వి. రాజమన్నార్ మనోరమ (1959), అవసరాల సూర్యారావు పంజరం సుప్రసిద్ధాలు. ప్రేమతత్వంపై బుచ్చిబాబు ఆత్మవంచన (1951), కె.ఎల్. నరసింహారావు క్రీనీడలు నాటకాలు ప్రేక్షకుల, విమర్శకుల అభిమానాన్ని చూరగొన్నవి. డి.వి. నరసరాజు రచించిన నాటకం (1950), వీలునామా (1955) నాటకాలు ప్రజాదరణ పొందాయి. ఇవి రెండూ విదేశీ నాటకాలకు అనుసరణలు. నరసరాజు రచించిన వాపస్ (1950), ఈ ఇల్లు అమ్మబడును (హౌస్ ఫర్ సేల్) నాటికలు రంగస్థలం మీద రాణించాయి. వాపస్ విద్యార్థుల ద్వారా విస్తృతంగా ప్రదర్శితమైంది. తమిళంలో ప్రసిద్ధ రంగస్థల నటుడు ఎం.ఆర్. రాధా నేతృత్వంలో ప్రదర్శింపబడి అపూర్వ సంచలనాన్ని కలిగించిన నాటకం రక్త కన్నీరు. ఈ నాటకాన్ని పాలగుమ్మి పద్మరాజు తెలుగులోకి అనువదించాడు. సీనీ నటుడు సి. నాగభూషణం ఈ నాటకాన్ని అయిదు వేల ప్రదర్శనలిచ్చి రికార్డు నెలకొల్పాడు. 30 రంగాలున్న ఈ నాటకాన్ని సినిమా టెక్నిక్కులతో నేత్రానందంగా ప్రదర్శించిన ఘనత రవి ఆర్ట్ థియేటర్స్ కి దక్కింది. ఈ నాటకాన్ని ప్రదర్శించేటప్పుడు స్థానిక సమస్యలను కలుపుకొని చలోక్తులు విసురుతూ, విమర్శనాస్త్రాలు సంధిస్తూ, వ్యంగ్యాత్మక ధోరణితో ప్రదర్శనను అద్భుతంగా రక్తి కట్టించిన నటుడు నాగభూషణం. కమర్షియల్ గా ఇంత విజయాన్ని సాధించిన సాంఘిక నాటకం తెలుగులో మరేదీ లేదు.

1954లో భారతీయ నాట్య సంఘానికి శాఖగా ఏర్పడిన ఆంధ్రప్రదేశ్ నాట్య సంఘం అబ్బూరి రామకృష్ణారావు సారధ్యంలో నటశిక్షణలో డిప్లొమా కోర్సు నిర్వహించింది. నాట్యసంఘం ఆధ్వర్యంలో మృచ్ఛకటికం, ప్రతాపరుద్రీయం, ఆదర్శమూర్తి, బమ్మరిల్లు, సంరక్షకుడు

మొదలైన నాటకాలు జనరంజకంగా ప్రదర్శించబడ్డాయి. 1957లో ఆంధ్ర ప్రదేశ్ సంగీత నాటక అకాడమీ ఏర్పడింది. ఈ రెండు సంస్థలు నాటకాభ్యుదయానికి ఎంతగానో తోడ్పడ్డాయి.

1950-59 మధ్య కాలంలో ఇతర భాషల నుంచి చేసిన అనువాద, అనుసరణ నాటకాలు స్వతంత్రనాటకాలను అధిగమించి పేరు ప్రఖ్యాతులు గడించటం గమనార్హం. బెల్లంకొండ రామదాసు ఆకాశ రామన్న (1957), నోమంచి యజ్ఞన్న శాస్త్రి మహాను భావులు (1957), ప్రఖ్య శ్రీరామమూర్తి కాళరాత్రి (1955), ఫణి (1957), ప్రఖ్యాతి పొందాయి. ఫణి, కాళరాత్రి అపరాధ పరిశోధక నాటకాల కోవకు చెందినవి. ఫణి నాటకాన్ని కె. వేంకటేశ్వరరావు దర్శకత్వంలో ర.స.న. సమాఖ్య బృందం, కాళరాత్రి ని శ్రీకాకుళం నాటక సమితి ఆధ్వర్యన జె.వి. రమణమూర్తి బృందం ఆసక్తికరంగా ప్రదర్శించాయి.

పాల్గొన్న నాటకం రాసినది

(1) బోయి భీమన్న

(2) డి.వి. నరసరాజు

(3) పాలగుమ్మి పద్మరాజు

(4) వావిలాల వాసుదేవ శాస్త్రి

[Question ID = 333][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q123]

1. 1 [Option ID = 1329]
2. 2 [Option ID = 1330]
3. 3 [Option ID = 1331]
4. 4 [Option ID = 1332]

4) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

అమలాపురంలో సంస్కృత పండితుడైన కోరాడ రామ చంద్రశాస్త్రి (1816-1900) మంజరీ మధుక రీయం అనే పేరుతో ఒక స్వతంత్ర నాటకాన్ని 1860 ప్రాంతంలో రచించి, తెలుగులో నాటక రచనకు శ్రీకారం చుట్టాడు. నాటకం రాయడానికి తెలుగులో అప్పటికి కూడా మార్గదర్శక సూత్రాలు గాని, లక్షణ గ్రంథాలు గాని లేని కారణంగా సంస్కృత నాటక లక్షణాలను, సంప్రదాయాలను స్వీకరించి తదనుగుణంగా స్వతంత్రనాటక రచనకు ఆద్యుడయ్యాడు. మంజరీ, మధుకరుల ప్రణయ వృత్తాంతమే ఈ నాటకం. మంత్రాలు, మాయలతో ఒక జానపద కథలా నడుస్తుంది. గద్య పద్యాత్మకమైన ఈ నాటకంలో గద్యం కొంత సరళంగా ఉన్నా, పద్యాలు ప్రబంధ శైలిలో జటిలంగా ఉంటాయి.

తెలుగు నాటకం ఆవిర్భవించిన రెండు దశాబ్దాల తర్వాత వావిలాల వాసుదేవశాస్త్రి (1851-1897) షెక్స్పియర్ రచించిన జూలియస్ సీజర్ నాటకాన్ని సీజరు చరిత్ర అనే పేరుతో పరివర్తన చేయడంతో ఆంగ్ల నాటకానువాదానికి కొత్తబాట ఏర్పడింది. నాటకంలో సంభాషణలు యావత్తు గ్రామీణ జీవితం మీద నాటకాలు రాసిన వారిలో పినిశెట్టి శ్రీరామమూర్తి, అనిశెట్టిసుబ్బారావు, బోయి భీమన్న, సీతారాజు వేంకటేశ్వరరావు, షేక్ నాజర్ లు సుప్రసిద్ధులు. పినిశెట్టి కలం నుంచి వెలువడిన పల్లె పడుచు (1950) నాటకం

రంగస్థలం మీద నిగ్గు తేలిన మంచి నాటకాలలో ఒకటి. పల్లెటూళ్లో నీతికి, మంచితనానికి కట్టుబడిన ఒక పేదరైతు ఒక స్వార్థపరుని చేతిలో కష్టాలు అనుభవించడం, చివరికి కష్టాల కడలి నుంచి బయటపడటం ఈ నాటకంలో ఇతివృత్తం. మాట, పాట, ఆటల నమ్మేళనంతో సమగ్ర నాటకంగా రూపొందిన 'పల్లె పడుచు' కు విశేష ప్రజాదరణ లభించినది. 1950లో కాకినాడలో ఆంధ్రనాటక కళాపరిషత్తు నాటక పోటీలలో ఈ నాటకం ప్రథమ బహుమతి పొందింది. టిక్కెట్టు పెట్టి ఈ సాంఘిక నాటకాన్ని గ్రామప్రాంతాల్లో ప్రదర్శించి ఔత్సాహిక నాటకానికి ఫౌండేషన్ స్టేజ్ సృష్టించాడు రచయిత. కులం లేని పిల్ల (1951), అన్నా చెల్లెలు (1952), పంజరంలో పక్షులు నాటకాలు, ఆడది అనే స్త్రీ పాత్రలేని నాటిక పనిశెట్టికి పేరు తెచ్చిన రచనలు.

అనిశెట్టి రచించిన గాలిమేడలు (1950) నాటకం విశిష్టమైనది. ఈయన రాసిన మావూరు (1954), పండిత పామరుల ప్రశంసలు అందుకుంది. చరమాంకం అనే ప్రతీకాత్మక నాటిక, శాంతి (1955), మూకాభినయ నాటిక అనిశెట్టి రచనల్లో విశిష్టమైనవి.

బోయి భీమన్న పాలేరు (1950), కూలిరాజు (1951) రైతు కార్మికుల దీనావస్థకు అద్దం పట్టే శక్తివంతమైన నాటకాలు. కణ్వశ్రీ 'ఇదా ప్రపంచం' (1950) భూస్వాముల కబంధహస్తాల్లో చిక్కుకుని విలవిలలాడే పేదరైతు జీవితాన్ని హృదయంగమంగా చిత్రించేనాటకం. నెల్లూరు యాసలో వెలువడిన మొదటి నాటకం కూడా ఇదే. బి. ఎన్. సూరి 'రైతు-భూమి' (1953), సీతారాజు 'దోపిడి' (1953), షేక్ నాజర్ 'ఆసామి' (1954) నేలను నమ్ముకొన్న కష్టజీవుల కడగళ్లను దృశ్యమానం చేసే నాటకాలు.

స్త్రీ సమస్యలపై వచ్చిన నాటకాలలో కొప్పరపు సుబ్బారావు ఇనప తెరలు (1950), టెల్లం కొండ రామదాసు పునర్జన్మ (1956), రాచకొండ విశ్వనాథశాస్త్రి తిరస్కృతి (1957), పి.వి. రాజమన్నార్ మనోరమ (1959), అవసరాల సూర్యారావు పంజరం సుప్రసిద్ధాలు. ప్రేమతత్వంపై బుచ్చిబాబు ఆత్మవంచన (1951), కె.ఎల్. నరసింహారావు క్రీనీడలు నాటకాలు ప్రేక్షకుల, విమర్శకుల అభిమానాన్ని చూరగొన్నవి. డి.వి. నరసరాజు రచించిన నాటకం (1950), వీలునామా (1955) నాటకాలు ప్రజాదరణ పొందాయి. ఇవి రెండూ విదేశీ నాటకాలకు అనుసరణలు. నరసరాజు రచించిన వాపస్ (1950), ఈ ఇల్లు అమ్మబడును (హౌస్ ఫర్ సేల్) నాటికలు రంగస్థలం మీద రాణించాయి. వాపస్ విద్యార్థుల ద్వారా విస్తృతంగా ప్రదర్శితమైంది. తమిళంలో ప్రసిద్ధ రంగస్థల నటుడు ఎం.ఆర్. రాధా నేతృత్వంలో ప్రదర్శింపబడి అపూర్వ సంచలనాన్ని కలిగించిన నాటకం రక్త కన్నీరు. ఈ నాటకాన్ని పాలగుమ్మి పద్మరాజు తెలుగులోకి అనువదించాడు. సీనీ నటుడు సి. నాగభూషణం ఈ నాటకాన్ని అయిదు వేల ప్రదర్శనలిచ్చి రికార్డు నెలకొల్పాడు. 30 రంగాలున్న ఈ నాటకాన్ని సినిమా టెక్నిక్కులతో నేత్రానందంగా ప్రదర్శించిన ఘనత రవి ఆర్ట్ థియేటర్స్ కి దక్కింది. ఈ నాటకాన్ని ప్రదర్శించేటప్పుడు స్థానిక సమస్యలను కలుపుకొని చలోక్తులు విసురుతూ, విమర్శనాస్త్రాలు సంధిస్తూ, వ్యంగ్యాత్మక ధోరణితో ప్రదర్శనను అద్భుతంగా రక్తి కట్టించిన నటుడు నాగభూషణం. కమర్షియల్ గా ఇంత విజయాన్ని సాధించిన సాంఘిక నాటకం తెలుగులో మరేదీ లేదు.

1954లో భారతీయ నాట్య సంఘానికి శాఖగా ఏర్పడిన ఆంధ్రప్రదేశ్ నాట్య సంఘం అబ్బూరి

రామకృష్ణారావు సారధ్యంలో నటశిక్షణలో డిప్లొమా కోర్సు నిర్వహించింది. నాట్యసంఘం ఆధ్వర్యంలో మృచ్ఛకటికం, ప్రతాపరుద్రీయం, ఆదర్శమూర్తి, బమ్మరిల్లు, సంరక్షకుడు మొదలైన నాటకాలు జనరంజకంగా ప్రదర్శించబడ్డాయి. 1957లో ఆంధ్ర ప్రదేశ్ సంగీత నాటక అకాడమీ ఏర్పడింది. ఈ రెండు సంస్థలు నాటకాభ్యుదయానికి ఎంతగానో తోడ్పడ్డాయి.

1950-59 మధ్య కాలంలో ఇతర భాషల నుంచి చేసిన అనువాద, అనుసరణ నాటకాలు స్వతంత్రనాటకాలను అధిగమించి పేరు ప్రఖ్యాతులు గడించటం గమనార్హం. టెల్లంకొండ రామదాసు ఆకాశ రామన్న (1957), నోమంచి యజ్ఞన్న శాస్త్రి మహాను భావులు (1957), ప్రఖ్య శ్రీరామమూర్తి కాళరాత్రి (1955), ఫణి (1957), ప్రఖ్యాతి పొందాయి. ఫణి, కాళరాత్రి అపరాధ పరిశోధక నాటకాల కోవకు చెందినవి. ఫణి నాటకాన్ని కె. వేంకటేశ్వరరావు దర్శకత్వంలో ర.స.న. సమాఖ్య బృందం, కాళరాత్రి ని శ్రీకాకుళం నాటక సమితి ఆధ్వర్యన జె.వి. రమణమూర్తి బృందం ఆసక్తికరంగా ప్రదర్శించాయి.

'తిరస్కృతి నాటక' రచయిత

(1) రాచకొండ విశ్వనాథ శాస్త్రి

(2) టెల్లం కొండ రామదాసు

(3) పిని శెట్టి

(4) షేక్ నాజర్

[Question ID = 334][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q124]

1. 1 [Option ID = 1333]
2. 2 [Option ID = 1334]
3. 3 [Option ID = 1335]
4. 4 [Option ID = 1336]

5) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

అమలాపురంలో సంస్కృత పండితుడైన కోరాడ రామ చంద్రశాస్త్రి (1816-1900) మంజరీ మధుక రీయం అనే పేరుతో ఒక స్వతంత్ర నాటకాన్ని 1860 ప్రాంతంలో రచించి, తెలుగులో నాటక రచనకు శ్రీకారం చుట్టాడు. నాటకం రాయడానికి తెలుగులో అప్పటికి కూడా మార్గదర్శక సూత్రాలు గాని, లక్షణ గ్రంథాలు గాని లేని కారణంగా సంస్కృత నాటక లక్షణాలను, సంప్రదాయాలను స్వీకరించి తదనుగుణంగా స్వతంత్రనాటక రచనకు ఆద్యుడయ్యాడు. మంజరీ, మధుకరుల ప్రణయ వృత్తాంతమే ఈ నాటకం. మంత్రాలు, మాయలతో ఒక జానపద కథలా నడుస్తుంది. గద్య పద్యాత్మకమైన ఈ నాటకంలో గద్యం కొంత సరళంగా ఉన్నా, పద్యాలు ప్రబంధ శైలిలో జటిలంగా ఉంటాయి.

తెలుగు నాటకం ఆవిర్భవించిన రెండు దశాబ్దాల తర్వాత వావిలాల వాసుదేవశాస్త్రి (1851-1897) షెక్స్పియర్ రచించిన జూలియస్ సీజర్ నాటకాన్ని సీజరు చరిత్ర అనే పేరుతో పరివర్తన చేయడంతో ఆంగ్ల నాటకానువాదానికి కొత్తబాట ఏర్పడింది. నాటకంలో సంభాషణలు యావత్తు గ్రామీణ జీవితం మీద నాటకాలు రాసిన వారిలో పినిశెట్టి

శ్రీరామమూర్తి, అనిశెట్టిసుబ్బారావు, బోయి భీమన్న, సీతారాజు వేంకటేశ్వరరావు, షేక్ నాజర్ లు సుప్రసిద్ధులు. పినిశెట్టి కలం నుంచి వెలువడిన పల్లె పడుచు (1950) నాటకం రంగస్థలం మీద నిగ్గు తేలిన మంచి నాటకాలలో ఒకటి. పల్లెటూళ్లో నీతికి, మంచితనానికి కట్టుబడిన ఒక పేదరైతు ఒక స్వార్థపరుని చేతిలో కష్టాలు అనుభవించడం, చివరికి కష్టాల కడలి నుంచి బయటపడటం ఈ నాటకంలో ఇతివృత్తం. మాట, పాట, ఆటల నమ్మకంతో సమగ్ర నాటకంగా రూపొందిన 'పల్లె పడుచు' కు విశేష ప్రజాదరణ లభించినది. 1950లో కాకినాడలో ఆంధ్రనాటక కళాపరిషత్తు నాటక పోటీలలో ఈ నాటకం ప్రథమ బహుమతి పొందింది. టిక్కెట్టు పెట్టి ఈ సాంఘిక నాటకాన్ని గ్రామప్రాంతాల్లో ప్రదర్శించి జాతీయ నాటకానికి ప్రోఫెషనల్ స్టేట్స్ సృష్టించాడు రచయిత. కులం లేని పిల్ల (1951), అన్నా చెల్లెలు (1952), పంజరంలో పక్షులు నాటకాలు, ఆడది అనే స్త్రీ పాత్రలేని నాటిక పినిశెట్టికి పేరు తెచ్చిన రచనలు.

అనిశెట్టి రచించిన గాలిమేడలు (1950) నాటకం విశిష్టమైనది. ఈయన రాసిన మావూరు (1954), పండిత పామరుల ప్రశంసలు అందుకుంది. చరమాంకం అనే ప్రతీకాత్మక నాటిక, శాంతి (1955), మూకాభినయ నాటిక అనిశెట్టి రచనల్లో విశిష్టమైనవి.

బోయి భీమన్న పాలేరు (1950), కూలిరాజు (1951) రైతు కార్మికుల దీనావస్థకు అద్దం పట్టి శక్తివంతమైన నాటకాలు. కణ్వశ్రీ 'ఇదా ప్రపంచం' (1950) భూస్వాముల కబంధహస్తాల్లో చిక్కుకుని విలవిలలాడే పేదరైతు జీవితాన్ని హృదయంగమంగా చిత్రించేనాటకం. నెల్లూరు యాసలో వెలువడిన మొదటి నాటకం కూడా ఇదే. బి. ఎన్. సూరి 'రైతు-భూమి' (1953), సీతారాజు 'దోపిడి' (1953), షేక్ నాజర్ 'అసామి' (1954) నేలను నమ్ముకొన్న కష్టజీవుల కడగళ్లను దృశ్యమానం చేసే నాటకాలు.

స్త్రీ సమస్యలపై వచ్చిన నాటకాలలో కొప్పరపు సుబ్బారావు ఇనప తెరలు (1950), బెల్లం కొండ రామదాసు పునర్జన్మ (1956), రాచకొండ విశ్వనాథశాస్త్రి తిరస్కృతి (1957), పి.వి. రాజమన్నార్ మనోరమ (1959), అవసరాల సూర్యారావు పంజరం సుప్రసిద్ధాలు. ప్రేమతత్వంపై బుచ్చిబాబు ఆత్మవంచన (1951), కె.ఎల్. నరసింహారావు క్రీనీడలు నాటకాలు ప్రేక్షకుల, విమర్శకుల అభిమానాన్ని చూరగొన్నవి. డి.వి. నరసరాజు రచించిన నాటకం (1950), వీలునామా (1955) నాటకాలు ప్రజాదరణ పొందాయి. ఇవి రెండూ విదేశీ నాటకాలకు అనుసరణలు. నరసరాజు రచించిన వాపస్ (1950), ఈ ఇల్లు అమ్మబడును (హౌస్ ఫర్ సేల్) నాటికలు రంగస్థలం మీద రాణించాయి. వాపస్ విద్యార్థుల ద్వారా విస్తృతంగా ప్రదర్శితమైంది. తమిళంలో ప్రసిద్ధ రంగస్థల నటుడు ఎం.ఆర్. రాధా నేతృత్వంలో ప్రదర్శింపబడి అపూర్వ సంచలనాన్ని కలిగించిన నాటకం రక్త కన్నీరు. ఈ నాటకాన్ని పాలగుమ్మి పద్మరాజు తెలుగులోకి అనువదించాడు. సీనీ నటుడు సి. నాగభూషణం ఈ నాటకాన్ని అయిదు వేల ప్రదర్శనలిచ్చి రికార్డు నెలకొల్పాడు. 30 రంగాలున్న ఈ నాటకాన్ని సినిమా టెక్నిక్కులతో నేత్రానందంగా ప్రదర్శించిన ఘనత రవి ఆర్ట్ థియేటర్స్ కి దక్కింది. ఈ నాటకాన్ని ప్రదర్శించేటప్పుడు స్థానిక సమస్యలను కలుపుకొని చలోక్తులు విసురుతూ, విమర్శనాస్త్రాలు సంధిస్తూ, వ్యంగ్యాత్మక ధోరణితో ప్రదర్శనను అద్భుతంగా రక్తి కట్టించిన నటుడు నాగభూషణం. కమర్షియల్ గా ఇంత విజయాన్ని సాధించిన సాంఘిక

నాటకం తెలుగులో మరేదీ లేదు.

1954లో భారతీయ నాట్య సంఘానికి శాఖగా ఏర్పడిన ఆంధ్రప్రదేశ్ నాట్య సంఘం అబ్బూరి రామకృష్ణారావు సారధ్యంలో నటశిక్షణలో డిప్లొమా కోర్సు నిర్వహించింది. నాట్యసంఘం ఆధ్వర్యంలో మృచ్ఛకటికం, ప్రతాపరుద్రీయం, ఆదర్శమూర్తి, బమ్మరిల్లు, సంరక్షకుడు మొదలైన నాటకాలు జనరంజకంగా ప్రదర్శించబడ్డాయి. 1957లో ఆంధ్ర ప్రదేశ్ సంగీత నాటక అకాడమీ ఏర్పడింది. ఈ రెండు సంస్థలు నాటకాభ్యుదయానికి ఎంతగానో తోడ్పడ్డాయి.

1950-59 మధ్య కాలంలో ఇతర భాషల నుంచి చేసిన అనువాద, అనుసరణ నాటకాలు స్వతంత్రనాటకాలను అధిగమించి పేరు ప్రఖ్యాతులు గడించటం గమనార్హం. బెల్లంకొండ రామదాసు ఆకాశ రామన్న (1957), నోమంచి యజ్ఞన్న శాస్త్రి మహాను భావులు (1957), ప్రఖ్య శ్రీరామమూర్తి కాళరాత్రి (1955), ఫణి (1957), ప్రఖ్యాతి పొందాయి. ఫణి, కాళరాత్రి అపరాధ పరిశోధక నాటకాల కోవకు చెందినవి. ఫణి నాటకాన్ని కె. వేంకటేశ్వరరావు దర్శకత్వంలో ర.స.న. సమాఖ్య బృందం, కాళరాత్రి ని శ్రీకాకుళం నాటక సమితి ఆధ్వర్యన జె.వి. రమణమూర్తి బృందం ఆసక్తికరంగా ప్రదర్శించాయి.

ఆంధ్ర నాటక కళాపరిషత్తు నాటక పోటీలలో ఈ నాటకం ప్రథమ బహుమతి పొందింది

(1) గాలిమేడలు

(2) రైతు-భూమి

(3) పల్లె పడుచు

(4) కూలిరాజు

[Question ID = 335][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q125]

1. 1 [Option ID = 1337]
2. 2 [Option ID = 1338]
3. 3 [Option ID = 1339]
4. 4 [Option ID = 1340]

6) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

అమలాపురంలో సంస్కృత పండితుడైన కోరాడ రామ చంద్రశాస్త్రి (1816-1900) మంజురీ మధుక రీయం అనే పేరుతో ఒక స్వతంత్ర నాటకాన్ని 1860 ప్రాంతంలో రచించి, తెలుగులో నాటక రచనకు శ్రీకారం చుట్టాడు. నాటకం రాయడానికి తెలుగులో అప్పటికి కూడా మార్గదర్శక సూత్రాలు గాని, లక్షణ గ్రంథాలు గాని లేని కారణంగా సంస్కృత నాటక లక్షణాలను, సంప్రదాయాలను స్వీకరించి తదనుగుణంగా స్వతంత్రనాటక రచనకు ఆద్యుడయ్యాడు. మంజురీ, మధుకరుల ప్రణయ వృత్తాంతమే ఈ నాటకం. మంత్రాలు, మాయలతో ఒక జానపద కథలా నడుస్తుంది. గద్య పద్యాత్మకమైన ఈ నాటకంలో గద్యం కొంత సరళంగా ఉన్నా, పద్యాలు ప్రబంధ శైలిలో జటిలంగా ఉంటాయి.

తెలుగు నాటకం ఆవిర్భవించిన రెండు దశాబ్దాల తర్వాత వావిలాల వాసుదేవశాస్త్రి (1851-1897) షెక్స్పియర్ రచించిన జూలియస్ సీజర్ నాటకాన్ని సీజరు చరిత్ర అనే

పేరుతో పరివర్తన చెయడంతో ఆంగ్ల నాటకానువాదానికి కొత్తబాట ఏర్పడింది. నాటకంలో సంభాషణలు యావత్తు గ్రామీణ జీవితం మీద నాటకాలు రాసిన వారిలో పినిశెట్టి శ్రీరామమూర్తి, అనిశెట్టిసుబ్బారావు, బోయి భీమన్న, సీతారాజు వేంకటేశ్వరరావు, షేక్ నాజర్ లు సుప్రసిద్ధులు. పినిశెట్టి కలం నుంచి వెలువడిన పల్లె పడుచు (1950) నాటకం రంగస్థలం మీద నిగ్గు తేలిన మంచి నాటకాలలో ఒకటి. పల్లెటూళ్లో నీతికి, మంచితనానికి కట్టుబడిన ఒక పేదరైతు ఒక స్వార్థపరుని చేతిలో కష్టాలు అనుభవించడం, చివరికి కష్టాల కడలి నుంచి బయటపడటం ఈ నాటకంలో ఇతివృత్తం. మాట, పాట, ఆటల నమ్మకంతో సమగ్ర నాటకంగా రూపొందిన 'పల్లె పడుచు' కు విశేష ప్రజాదరణ లభించినది. 1950లో కాకినాడలో ఆంధ్రనాటక కళాపరిషత్తు నాటక పోటీలలో ఈ నాటకం ప్రథమ బహుమతి పొందింది. టిక్కెట్టు పెట్టి ఈ సాంఘిక నాటకాన్ని గ్రామప్రాంతాల్లో ప్రదర్శించి ఔత్సాహిక నాటకానికి ప్రోఫెషనల్ స్టేజీ సృష్టించాడు రచయిత. కులం లేని పిల్ల (1951), అన్నా చెల్లెలు (1952), పంజరంలో పక్షులు నాటకాలు, ఆడది అనే స్త్రీ పాత్రలేని నాటిక పినిశెట్టికి పేరు తెచ్చిన రచనలు.

అనిశెట్టి రచించిన గాలిమేడలు (1950) నాటకం విశిష్టమైనది. ఈయన రాసిన మావూరు (1954), పండిత పామరుల ప్రశంసలు అందుకుంది. చరమాంకం అనే ప్రతీకాత్మక నాటిక, శాంతి (1955), మూకాభినయ నాటిక అనిశెట్టి రచనల్లో విశిష్టమైనవి.

బోయి భీమన్న పాలేరు (1950), కూలిరాజు (1951) రైతు కార్మికుల దీనావస్థకు అద్దం పట్టి శక్తివంతమైన నాటకాలు. కణ్వశ్రీ 'ఇదా ప్రపంచం' (1950) భూస్వాముల కబంధహస్తాల్లో చిక్కుకుని విలవిలలాడే పేదరైతు జీవితాన్ని హృదయంగమంగా చిత్రించేనాటకం. నెల్లూరు యాసలో వెలువడిన మొదటి నాటకం కూడా ఇదే. బి. ఎన్. సూరి 'రైతు-భూమి' (1953), సీతారాజు 'దోపిడి' (1953), షేక్ నాజర్ 'ఆసామి' (1954) నేలను నమ్ముకొన్న కష్టజీవుల కడగళ్లను దృశ్యమానం చేసే నాటకాలు.

స్త్రీ సమస్యలపై వచ్చిన నాటకాలలో కొప్పరపు సుబ్బారావు ఇనప తెరలు (1950), బెల్లం కొండ రామదాసు పునర్జన్మ (1956), రాచకొండ విశ్వనాథశాస్త్రి తిరస్కృతి (1957), పి.వి. రాజమన్నార్ మనోరమ (1959), అవసరాల సూర్యారావు పంజరం సుప్రసిద్ధాలు. ప్రేమతత్వంపై బుచ్చిబాబు ఆత్మవంచన (1951), కె.ఎల్. నరసింహారావు క్రీనీడలు నాటకాలు ప్రేక్షకుల, విమర్శకుల అభిమానాన్ని చూరగొన్నవి. డి.వి. నరసరాజు రచించిన నాటకం (1950), వీలునామా (1955) నాటకాలు ప్రజాదరణ పొందాయి. ఇవి రెండూ విదేశీ నాటకాలకు అనుసరణలు. నరసరాజు రచించిన వాపస్ (1950), ఈ ఇల్లు అమ్మబడును (హౌస్ ఫర్ సేల్) నాటికలు రంగస్థలం మీద రాణించాయి. వాపస్ విద్యార్థుల ద్వారా విస్తృతంగా ప్రదర్శితమైంది. తమిళంలో ప్రసిద్ధ రంగస్థల నటుడు ఎం.ఆర్. రాధా నేతృత్వంలో ప్రదర్శింపబడి అపూర్వ సంచలనాన్ని కలిగించిన నాటకం రక్త కన్నీరు. ఈ నాటకాన్ని పాలగుమ్మి పద్మరాజు తెలుగులోకి అనువదించాడు. సీనీ నటుడు సి. నాగభూషణం ఈ నాటకాన్ని అయిదు వేల ప్రదర్శనలిచ్చి రికార్డు నెలకొల్పాడు. 30 రంగాలున్న ఈ నాటకాన్ని సినిమా టెక్నిక్కులతో నేత్రానందంగా ప్రదర్శించిన ఘనత రవి ఆర్ట్ థియేటర్స్ కి దక్కింది. ఈ నాటకాన్ని ప్రదర్శించేటప్పుడు స్థానిక సమస్యలను కలుపుకొని చలోక్తులు

విసురుతూ, విమర్శనాస్త్రాలు సంధిస్తూ, వ్యంగ్యాత్మక ధోరణితో ప్రదర్శనను అద్భుతంగా రక్తి కట్టించిన నటుడు నాగభూషణం. కమర్షియల్ గా ఇంత విజయాన్ని సాధించిన సాంఘిక నాటకం తెలుగులో మరేదీ లేదు.

1954లో భారతీయ నాట్య సంఘానికి శాఖగా ఏర్పడిన ఆంధ్రప్రదేశ్ నాట్య సంఘం అబ్బూరి రామకృష్ణారావు సారధ్యంలో నటశిక్షణలో డిప్లొమా కోర్సు నిర్వహించింది. నాట్యసంఘం ఆధ్వర్యంలో మృచ్ఛకటికం, ప్రతాపరుద్రీయం, ఆదర్శమూర్తి, బమ్మరిల్లు, సంరక్షకుడు మొదలైన నాటకాలు జనరంజకంగా ప్రదర్శించబడ్డాయి. 1957లో ఆంధ్ర ప్రదేశ్ సంగీత నాటక అకాడమీ ఏర్పడింది. ఈ రెండు సంస్థలు నాటకాభ్యుదయానికి ఎంతగానో తోడ్పడ్డాయి.

1950-59 మధ్య కాలంలో ఇతర భాషల నుంచి చేసిన అనువాద, అనుసరణ నాటకాలు స్వతంత్రనాటకాలను అధిగమించి పేరు ప్రఖ్యాతులు గడించటం గమనార్హం. బెల్లంకొండ రామదాసు ఆకాశ రామన్న (1957), నోమంచి యజ్ఞన్న శాస్త్రి మహాను భావులు (1957), ప్రఖ్య శ్రీరామమూర్తి కాళరాత్రి (1955), ఫణి (1957), ప్రఖ్యాతి పొందాయి. ఫణి, కాళరాత్రి అపరాధ పరిశోధక నాటకాల కోవకు చెందినవి. ఫణి నాటకాన్ని కె. వేంకటేశ్వరరావు దర్శకత్వంలో ర.స.న. సమాఖ్య బృందం, కాళరాత్రి ని శ్రీకాకుళం నాటక సమితి ఆధ్వర్యన జె.వి. రమణమూర్తి బృందం ఆసక్తికరంగా ప్రదర్శించాయి.

ప్రేమ తత్వంపై వచ్చిన బుచ్చి బాబు నాటకం

(1) ఆత్మవంచన

(2) ఈ ఇల్లు అమ్మబడును

(3) వీలునామా

(4) వాపస్

[Question ID = 336][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q126]

1. 1 [Option ID = 1341]
2. 2 [Option ID = 1342]
3. 3 [Option ID = 1343]
4. 4 [Option ID = 1344]

7) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

అమలాపురంలో సంస్కృత పండితుడైన కోరాడ రామ చంద్రశాస్త్రి (1816-1900) మంజరీ మధుక రీయం అనే పేరుతో ఒక స్వతంత్ర నాటకాన్ని 1860 ప్రాంతంలో రచించి, తెలుగులో నాటక రచనకు శ్రీకారం చుట్టాడు. నాటకం రాయడానికి తెలుగులో అప్పటికి కూడా మార్గదర్శక సూత్రాలు గాని, లక్షణ గ్రంథాలు గాని లేని కారణంగా సంస్కృత నాటక లక్షణాలను, సంప్రదాయాలను స్వీకరించి తదనుగుణంగా స్వతంత్రనాటక రచనకు ఆద్యుడయ్యాడు. మంజరీ, మధుకరుల ప్రణయ వృత్తాంతమే ఈ నాటకం. మంత్రాలు, మాయలతో ఒక జానపద కథలా నడుస్తుంది. గద్య పద్యాత్మకమైన ఈ నాటకంలో గద్యం కొంత సరళంగా ఉన్నా, పద్యాలు ప్రబంధ శైలిలో జటిలంగా ఉంటాయి.

అలుగు నాటకం ఆవిర్భవించిన రెండు దశాబ్దాల తర్వాత వావలాల వాసుదవాశాస్త్రి (1851-1897) షేక్స్పియర్ రచించిన జూలియస్ సీజర్ నాటకాన్ని సీజరు చరిత్ర అనే పేరుతో పరివర్తన చేయడంతో ఆంగ్ల నాటకానువాదానికి కొత్తబాట ఏర్పడింది. నాటకంలో సంభాషణలు యావత్తు గ్రామీణ జీవితం మీద నాటకాలు రాసిన వారిలో పినిశెట్టి శ్రీరామమూర్తి, అనిశెట్టిసుబ్బారావు, బోయి భీమన్న, సీతారాజు వేంకటేశ్వరరావు, షేక్ నాజర్ లు సుప్రసిద్ధులు. పినిశెట్టి కలం నుంచి వెలువడిన పల్లె పడుచు (1950) నాటకం రంగస్థలం మీద నిగ్గు తేలిన మంచి నాటకాలలో ఒకటి. పల్లెటూళ్లో నీతికి, మంచితనానికి కట్టుబడిన ఒక పేదరైతు ఒక స్వార్థపరుని చేతిలో కష్టాలు అనుభవించడం, చివరికి కష్టాల కడలి నుంచి బయటపడటం ఈ నాటకంలో ఇతివృత్తం. మాట, పాట, ఆటల నమ్మకంతో సమగ్ర నాటకంగా రూపొందిన 'పల్లె పడుచు' కు విశేష ప్రజాదరణ లభించినది. 1950లో కాకినాడలో ఆంధ్రనాటక కళాపరిషత్తు నాటక పోటీలలో ఈ నాటకం ప్రథమ బహుమతి పొందింది. టిక్కెట్టు పెట్టి ఈ సాంఘిక నాటకాన్ని గ్రామప్రాంతాల్లో ప్రదర్శించి జెత్సాహిక నాటకానికి ఫౌండేషనల్ స్టేట్స్ సృష్టించాడు రచయిత. కులం లేని పిల్ల (1951), అన్నా చెల్లెలు (1952), పంజరంలో పక్షులు నాటకాలు, ఆడది అనే స్త్రీ పాత్రలేని నాటిక పినిశెట్టికి పేరు తెచ్చిన రచనలు.

అనిశెట్టి రచించిన గాలిమేడలు (1950) నాటకం విశిష్టమైనది. ఈయన రాసిన మావూరు (1954), పండిత పామరుల ప్రశంసలు అందుకుంది. చరమాంకం అనే ప్రతీకాత్మక నాటిక, శాంతి (1955), మూకాభినయ నాటిక అనిశెట్టి రచనల్లో విశిష్టమైనవి.

బోయి భీమన్న పాలేరు (1950), కూలిరాజు (1951) రైతు కార్మికుల దీనావస్థకు అద్దం పట్టి శక్తివంతమైన నాటకాలు. కణ్వశ్రీ 'ఇదా ప్రపంచం' (1950) భూస్వాముల కబంధహస్తాల్లో చిక్కుకుని విలవిలలాడే పేదరైతు జీవితాన్ని హృదయంగమంగా చిత్రించేనాటకం. నెల్లూరు యాసలో వెలువడిన మొదటి నాటకం కూడా ఇదే. బి. ఎన్. సూరి 'రైతు-భూమి' (1953), సీతారాజు 'దోపిడి' (1953), షేక్ నాజర్ 'అసామి' (1954) నేలను నమ్ముకొన్న కష్టజీవుల కడగళ్లను దృశ్యమానం చేసే నాటకాలు.

స్త్రీ సమస్యలపై వచ్చిన నాటకాలలో కొప్పరపు సుబ్బారావు ఇనప తెరలు (1950), బెల్లం కొండ రామదాసు పునర్జన్మ (1956), రాచకొండ విశ్వనాథశాస్త్రి తిరస్కృతి (1957), పి.వి. రాజమన్నార్ మనోరమ (1959), అవసరాల సూర్యారావు పంజరం సుప్రసిద్ధాలు. ప్రేమతత్వంపై బుచ్చిబాబు ఆత్మవంచన (1951), కె.ఎల్. నరసింహారావు క్రీనీడలు నాటకాలు ప్రేక్షకుల, విమర్శకుల అభిమానాన్ని చూరగొన్నవి. డి.వి. నరసరాజు రచించిన నాటకం (1950), వీలునామా (1955) నాటకాలు ప్రజాదరణ పొందాయి. ఇవి రెండూ విదేశీ నాటకాలకు అనుసరణలు. నరసరాజు రచించిన వాపస్ (1950), ఈ ఇల్లు అమ్మబడును (హౌస్ ఫర్ సేల్) నాటికలు రంగస్థలం మీద రాణించాయి. వాపస్ విద్యార్థుల ద్వారా విస్తృతంగా ప్రదర్శితమైంది. తమిళంలో ప్రసిద్ధ రంగస్థల నటుడు ఎం.ఆర్. రాధా నేతృత్వంలో ప్రదర్శింపబడి అపూర్వ సంచలనాన్ని కలిగించిన నాటకం రక్త కన్నీరు. ఈ నాటకాన్ని పాలగుమ్మి పద్మరాజు తెలుగులోకి అనువదించాడు. సీనీ నటుడు సి. నాగభూషణం ఈ నాటకాన్ని అయిదు వేల ప్రదర్శనలిచ్చి రికార్డు నెలకొల్పాడు. 30 రంగాలున్న ఈ

మొదటి దశ దశాబ్ద కాలం నడుస్తుంది. గ్రామ బ్యూటీకెషన్ ఈ నాటకం గ్రామం కొంత సరళంగా ఉన్నా, పద్యాలు ప్రబంధ శైలిలో జటిలంగా ఉంటాయి.

తెలుగు నాటకం ఆవిర్భవించిన రెండు దశాబ్దాల తర్వాత వావిలాల వాసుదేవశాస్త్రి (1851-1897) షెక్స్పియర్ రచించిన జూలియస్ సీజర్ నాటకాన్ని సీజరు చరిత్ర అనే పేరుతో పరివర్తన చేయడంతో ఆంగ్ల నాటకానువాదానికి కొత్తబాట ఏర్పడింది. నాటకంలో సంభాషణలు యావత్తు గ్రామీణ జీవితం మీద నాటకాలు రాసిన వారిలో పినిశెట్టి శ్రీరామమూర్తి, అనిశెట్టిసుబ్బారావు, బోయి భీమన్న, సీతారాజు వేంకటేశ్వరరావు, షేక్ నాజర్ లు సుప్రసిద్ధులు. పినిశెట్టి కలం నుంచి వెలువడిన పల్లె పడుచు (1950) నాటకం రంగస్థలం మీద నిగ్గు తేలిన మంచి నాటకాలలో ఒకటి. పల్లెటూళ్లో నీతికి, మంచితనానికి కట్టుబడిన ఒక పేదరైతు ఒక స్వార్థపరుని చేతిలో కష్టాలు అనుభవించడం, చివరికి కష్టాల కడలి నుంచి బయటపడటం ఈ నాటకంలో ఇతివృత్తం. మాట, పాట, ఆటల నమ్మకంతో సమగ్ర నాటకంగా రూపొందిన 'పల్లె పడుచు' కు విశేష ప్రజాదరణ లభించినది. 1950లో కాకినాడలో ఆంధ్రనాటక కళాపరిషత్తు నాటక పోటీలలో ఈ నాటకం ప్రథమ బహుమతి పొందింది. టిక్కెట్టు పెట్టి ఈ సాంఘిక నాటకాన్ని గ్రామప్రాంతాల్లో ప్రదర్శించి ఔత్సాహిక నాటకానికి ప్రోఫెషనల్ స్టేజ్ సృష్టించాడు రచయిత. కులం లేని పిల్ల (1951), అన్నా చెల్లెలు (1952), పంజరంలో పక్షులు నాటకాలు, ఆడది అనే స్త్రీ పాత్రలేని నాటిక పినిశెట్టికి పేరు తెచ్చిన రచనలు.

అనిశెట్టి రచించిన గాలిమేడలు (1950) నాటకం విశిష్టమైనది. ఈయన రాసిన మావూరు (1954), పండిత పామరుల ప్రశంసలు అందుకుంది. చరమాంకం అనే ప్రతీకాత్మక నాటిక, శాంతి (1955), మూకాభినయ నాటిక అనిశెట్టి రచనల్లో విశిష్టమైనవి.

బోయి భీమన్న పాలేరు (1950), కూలిరాజు (1951) రైతు కార్మికుల దీనావస్థకు అద్దం పట్టి శక్తివంతమైన నాటకాలు. కణ్వశ్రీ 'ఇదా ప్రపంచం' (1950) భూస్వాముల కబంధహస్తాల్లో చిక్కుకుని విలవిలలాడే పేదరైతు జీవితాన్ని హృదయంగమంగా చిత్రించేనాటకం. నెల్లూరు యాసలో వెలువడిన మొదటి నాటకం కూడా ఇదే. బి. ఎన్. సూరి 'రైతు-భూమి' (1953), సీతారాజు 'దోపిడి' (1953), షేక్ నాజర్ 'ఆసామి' (1954) నేలను నమ్ముకొన్న కష్టజీవుల కడగళ్లను దృశ్యమానం చేసే నాటకాలు.

స్త్రీ సమస్యలపై వచ్చిన నాటకాలలో కొప్పరపు సుబ్బారావు ఇనప తెరలు (1950), బెల్లం కొండ రామదాసు పునర్జన్మ (1956), రాచకొండ విశ్వనాథశాస్త్రి తిరస్కృతి (1957), పి.వి. రాజమన్నార్ మనోరమ (1959), అవసరాల సూర్యారావు పంజరం సుప్రసిద్ధాలు. ప్రేమతత్వంపై బుచ్చిబాబు ఆత్మవంచన (1951), కె.ఎల్. నరసింహారావు క్రీనీడలు నాటకాలు ప్రేక్షకుల, విమర్శకుల అభిమానాన్ని చూరగొన్నవి. డి.వి. నరసరాజు రచించిన నాటకం (1950), వీలునామా (1955) నాటకాలు ప్రజాదరణ పొందాయి. ఇవి రెండూ విదేశీ నాటకాలకు అనుసరణలు. నరసరాజు రచించిన వాపస్ (1950), ఈ ఇల్లు అమ్మబడును (హౌస్ ఫర్ సేల్) నాటికలు రంగస్థలం మీద రాణించాయి. వాపస్ విద్యార్థుల ద్వారా విస్తృతంగా ప్రదర్శితమైంది. తమిళంలో ప్రసిద్ధ రంగస్థల నటుడు ఎం.ఆర్. రాధా నేతృత్వంలో ప్రదర్శింపబడి అపూర్వ సంచలనాన్ని కలిగించిన నాటకం రక్త కన్నీరు. ఈ నాటకాన్ని

వాలగమ్మ ఎడ్మిరాల్ అలుగుల క అనువదించాడు. నన నటుడు న. నాగభూషణం ఈ నాటకాన్ని అయిదు వేల ప్రదర్శనలిచ్చి రికార్డు నెలకొల్పాడు. 30 రంగాలున్న ఈ నాటకాన్ని సినిమా టెక్నిక్కులతో నేత్రానందంగా ప్రదర్శించిన ఘనత రవి ఆర్ట్ థియేటర్స్ కి దక్కింది. ఈ నాటకాన్ని ప్రదర్శించేటప్పుడు స్థానిక సమస్యలను కలుపుకొని చలోక్తులు విసురుతూ, విమర్శనాస్త్రాలు సంధిస్తూ, వ్యంగ్యాత్మక ధోరణితో ప్రదర్శనను అద్భుతంగా రక్తి కట్టించిన నటుడు నాగభూషణం. కమర్షియల్ గా ఇంత విజయాన్ని సాధించిన సాంఘిక నాటకం తెలుగులో మరేదీ లేదు.

1954లో భారతీయ నాట్య సంఘానికి శాఖగా ఏర్పడిన ఆంధ్రప్రదేశ్ నాట్య సంఘం అబ్బూరి రామకృష్ణారావు సారధ్యంలో నటశిక్షణలో డిప్లొమా కోర్సు నిర్వహించింది. నాట్యసంఘం ఆధ్వర్యంలో మృచ్ఛకటికం, ప్రతాపరుద్రీయం, ఆదర్శమూర్తి, బమ్మరిల్లు, సంరక్షకుడు మొదలైన నాటకాలు జనరంజకంగా ప్రదర్శించబడ్డాయి. 1957లో ఆంధ్ర ప్రదేశ్ సంగీత నాటక అకాడమీ ఏర్పడింది. ఈ రెండు సంస్థలు నాటకాభ్యుదయానికి ఎంతగానో తోడ్పడ్డాయి.

1950-59 మధ్య కాలంలో ఇతర భాషల నుంచి చేసిన అనువాద, అనుసరణ నాటకాలు స్వతంత్రనాటకాలను అధిగమించి పేరు ప్రఖ్యాతులు గడించటం గమనార్హం. బెల్లంకొండ రామదాసు ఆకాశ రామన్న (1957), నోమంచి యజ్ఞన్న శాస్త్రి మహాను భావులు (1957), ప్రఖ్య శ్రీరామమూర్తి కాళరాత్రి (1955), ఫణి (1957), ప్రఖ్యాతి పొందాయి. ఫణి, కాళరాత్రి అపరాధ పరిశోధక నాటకాల కోవకు చెందినవి. ఫణి నాటకాన్ని కె. వేంకటేశ్వరరావు దర్శకత్వంలో ర.స.న. సమాఖ్య బృందం, కాళరాత్రి ని శ్రీకాకుళం నాటక సమితి ఆధ్వర్యన జె.వి. రమణమూర్తి బృందం ఆసక్తికరంగా ప్రదర్శించాయి.

ఎవరి సారధ్యంలో నటశిక్షణలో డిప్లొమా కోర్సు నిర్వహించబడింది

- (1) పి.వి. రాజమన్నార్
- (2) డి.వి. నరసరాజు
- (3) అబ్బూరి రామకృష్ణారావు
- (4) ప్రఖ్య శ్రీరామమూర్తి

[Question ID = 338][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q128]

1. 1 [Option ID = 1349]
2. 2 [Option ID = 1350]
3. 3 [Option ID = 1351]
4. 4 [Option ID = 1352]

Topic:- Telugu_Q129-135_L2_P1_CTET

- 1) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

ఈనెల పదమూడు, పద్నాలుగు, పది హేను తేదీల నడుమ బోపాల్ లో 'ప్లేస్ నేమ్స్ సొసైటీ ఆఫ్ ఇండియా' వారి తృతీయ వార్షిక సమావేశాలు జరిగాయి. ఈ స్థలనామ పరిశోధక సంఘంవారి సమావేశాలకు శ్రీ వెంకటేశ్వర విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు అధ్యయనశాఖ ప్రధాన

దేశీకులు ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షత వహించారు. మన దేశంలో స్థలనామ పరిశోధనలకు అంకురార్పణం ఇటీవల చేసిన ఆద్యులలో ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు అగ్రగణ్యులు వారి పర్యవేక్షణలో 1975లో కేతు విశ్వనాథరెడ్డి గారు కడప ఊర్ల పేర్ల మీద చేసిన పరిశోధన మొట్ట మొదటి సిద్ధాంత వ్యాసం. దీనికి కేతువారికి డాక్టరేటు పట్టా లభించింది. నాటినుంచి స్థలనామ పరిశోధనములు చురుకుగా జరుగుతున్నాయి.

భోపాల్ సమావేశాలలో ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షపన్యాసంలో చెప్పినట్లు స్థలనామాలంటే కేవలం ఊళ్ళ పేర్లకావు. భౌగోళిక వివరాలను తెల్పే అన్ని వర్గాలనూ ఇది కీర్తిస్తుంది. గ్రామాలు వట్టణాలు నగరాలు, స్థలాలు, వీధులు, నదులు, కొండలు, చెరువులు, ఏర్లు, అడవులు, ఇంటిపేర్లు : తోటలు, వ్యవసాయ క్షేత్రాలు మొదలై నవన్నీ స్థలనామ పరిశోధన పరిధిలోనికి వస్తాయని ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు చెప్పిన విషయం గుర్తుపెట్టుకోవలసిన అంశం.

ఇప్పటి వరకూ దక్షిణ భారతంలో జరిగిన స్థలనామ పరిశోధన ఊళ్ళ పేర్లకే పరిమితమైంది. శ్రీ ఎస్.ఎస్. రామచంద్రరావుగారు కూడా 1975లోనే 'శాసనాల్లో స్థలనామాలు' అనే అంశంపై పరిశోధనలు చేసి డాక్టరేటు పట్టాను అందుకొన్నారు నాగార్జున విశ్వవిద్యాలయంలో ఆచార్య తూమాటి దొణప్పగారి పర్యవేక్షణలో వై. బాలగంగాధరరావుగారు "అనంతపురం జిల్లా గ్రామనామాలు" అనే పరిశోధనలు 1981లో చేశారు, "శ్రీ ఎస్. జయప్రకాశ్ గారు చెంగల్పట్టు జిల్లా గ్రామనామాలు" అనే సిద్ధాంతవ్యాసం ఇంగ్లీషువ్రాసి, మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయానికి సమర్పించారు. కె. సరస్వతి అనేవారు ఇటీవల్ల "మద్రాసు పట్టణ స్థలనామాలు" అనే సిద్ధాంత వ్యాసం రాశారు. ఈ చివరి రెండు పరిశోధనలకు డాక్టర్ ఎస్. అక్కరెడ్డిగారు పర్యవేక్షకులు, అనంతపురం, కర్నూలు జిల్లా స్థలనామాలపై ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారి పర్యవేక్షణలో పరిశోధనలు జరుగుతున్నాయి. చిత్తూరు జిల్లా స్థలనామాలపై డాక్టర్ కేతు విశ్వనాథరెడ్డి గారి పర్యవేక్షణలో శ్రీ పి. చెంగారెడ్డి పరిశోధనలు చేస్తున్నారు.

ఈ వివరాలు చూశాక ఈ పరిశోధనలు కేవలం గ్రామనామాల పరిధిని దాటనట్లు కనబడుతుంది. ఇటీవల జరుగుతున్న ఒక గ్రామనామాల పరిశోధనలో వీధుల పేర్లను కూడా పరిగణనలోకి తీసుకోవడం ముదావహం తాటితోపువీధి. తోపులోని ఇళ్ళు పోలీసు లై నువీధి మసీదువీధి, మరియుమ్మ గుడి వీధి మొదలైన పేర్లన్నీ ఆ ప్రాంతీయ ప్రజల సంస్కృతిని తెలియచేస్తాయి.

"దేశమంటే మట్టికాదోయ్ - దేశమంటే మనుషులోయ్" అని గురజాడ చేసిన హెచ్చరికను "స్థలాలంటే జనాలాయ్" అని కొంచెం విస్తృతం చేయాలి. ఏజానపదంలోనైనా జనం నివసిస్తారు. వాళ్ళకు పేర్లుంటాయి. ఇంటిపేర్లుంటాయి. ఈ ఇంటి పేరుకు చాలా చరిత్ర వుంటుంది. ఒక జాతి సమగ్ర చరిత్రను రూపొందించుకోవాలంటే వ్యక్తినామ విజ్ఞానం గురించి చాలా కృషి చేయాలి. విదేశాలలో ఇంటిపేర్ల గురించి పరిశోధనలు ఎన్నడో ప్రారంభమై ఇప్పుడు పరాకాష్ఠ నందుకొన్నాయి. ఇంగ్లండులో 1905 నాటికే ఇంటి పేర్ల మీద గ్రంథాలు వెలుపడ్డాయి. పెంగ్విన్ పుస్తక ప్రచురణ సంస్థవారు. 1967లో బేసిల్ కోట్లీ 1964లో తయారు చేసిన ఇంటి పేర్ల నింపుంటువును అచ్చువేశారు.

బేసిల్ కోట్లీ ఇంటి పేర్లను నాలుగు వర్గాలుగా మాత్రమే విభజించారు. ఎఫ్.ఎల్.ఓ.ఎస్. అనే

పొడి అక్షరాలలో (FOLN) ఈ వర్గాలను సూచించాడు. ఎఫ్ అంటే ఫస్టునేమ్ వంశకర్త తొలిపేరు ఇంటి పేరుగా వున్నవాళ్ళ వర్గందీనివల్ల సూచితమైంది, ఓ అంటే ఆక్యుపేషన్ వృత్తివల్ల వచ్చిన ఇంటిపేర్లు ఈ విభాగంలోనికి వస్తాయి. ఎల్ అంటే లోకాలిటీస్ పూర్వీకులు మొట్టమొదట ఏప్రాంతాల నుండి వచ్చారో ఆ విషయాన్ని తెలిపే ఇంటిపేర్లు ఈ కోవలో వుంటాయి. ఎన్ అంటే నిక్ నేమ్. ఎగతాళి పేర్లు ఈ వర్గంలో వుంటాయి. ఈ నాలుగు పద్దుల్లోనే అన్ని ఇంటిపేర్లూ ఉంటాయని కోట్టి ఉద్దేశం. దీని వల్ల అతివ్యాప్తి దోషంరాదు. మన తెలుగులో ఇంటిపేర్ల గురించి జిజ్ఞాస ఒక చిన్న వివరణతో 1939లో ప్రారంభమైంది. శ్రీ కందుకూరు బాల సూర్యప్రసాద్ భూపాలుడు (దేనిజి జమీందారు) గారు ఒంటిచేతిమీదిగా సంకలనంచేసిన “ఆంధ్ర విజ్ఞానము” (ఏడు సంపుటాలు) గ్రంథంలో ఇంటిపేర్ల వివరణ గురించి నేను చూపినంత మట్టుకూ మొట్ట మొదటి ప్రస్తావన. తర్వాత భారతి పత్రికలో 1945 మార్చి నెలలో మేరు నోమయాజుల వరహాలు గారు “ఇంటి పేరంటే” అనే ప్రశ్నతో ఒక వ్యాసం రాశారు. ఏప్రిల్ నెలలో చిలుకూరి నారాయణరావు గారు “ఇంటి పేరు” మీద ఒక వ్యాసం రాశారు.

ఇంటి పేరంటే పేరుతో వ్యాసం రాసినవారు

- (1) ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డి
- (2) కేతు విశ్వనాథ రెడ్డి
- (3) నోమయాజుల వరహాలు
- (4) పి. చెంగా రెడ్డి

[Question ID = 339][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q129]

1. 1 [Option ID = 1353]
2. 2 [Option ID = 1354]
3. 3 [Option ID = 1355]
4. 4 [Option ID = 1356]

2) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

ఈనెల పదమూడు, పద్నాలుగు, పది హేను తేదీల నడుమ భోపాల్ లో ‘ప్లేస్ నేమ్స్ సొసైటీ ఆఫ్ ఇండియా’ వారి తృతీయ వార్షిక సమావేశాలు జరిగాయి. ఈ స్థలనామ పరిశోధక సంఘంవారి సమావేశాలకు శ్రీ వెంకటేశ్వర విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు అధ్యయనశాఖ ప్రధాన దేశీకులు ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షత వహించారు. మన దేశంలో స్థలనామ పరిశోధనలకు అంకురార్పణం ఇటీవల చేసిన ఆద్యులలో ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు అగ్రగణ్యులు వారి పర్యవేక్షణలో 1975లో కేతు విశ్వనాథరెడ్డి గారు కడప ఊర్ల పేర్ల మీద చేసిన పరిశోధన మొట్ట మొదటి సిద్ధాంత వ్యాసం. దీనికి కేతువారికి డాక్టరేటు పట్టా లభించింది. నాటినుంచి స్థలనామ పరిశోధనములు చురుకుగా జరుగుతున్నాయి.

భోపాల్ సమావేశాలలో ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షోపన్యాసంలో చెప్పినట్లు స్థలనామాలంటే కేవలం ఊళ్ళ పేర్లేకావు. భౌగోళిక వివరాలను తెల్పే అన్ని వర్గాలనూ ఇది కీర్తిస్తుంది. గ్రామాలు వట్టణాలు నగరాలు, స్థలాలు, వీధులు, నదులు, కొండలు, చెరువులు,

ఏర్లు, అడవులు, ఇంటిపేర్లు : తోటలు, వ్యవసాయ క్షేత్రాలు మొదలై నవన్నీ స్థలనామ పరిశోధన పరిధిలోనికి వస్తాయని ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు చెప్పిన విషయం గుర్తుపెట్టుకోవలసిన అంశం.

ఇప్పటి వరకూ దక్షిణ భారతంలో జరిగిన స్థలనామ పరిశోధన ఊళ్ళ పేర్లకే పరిమితమైంది. శ్రీ ఎస్.ఎస్. రామచంద్రరావుగారు కూడా 1975లోనే 'శాసనాల్లో స్థలనామాలు' అనే అంశంపై పరిశోధనలు చేసి డాక్టరేటు పట్టాను అందుకొన్నారు నాగార్జున విశ్వవిద్యాలయంలో ఆచార్య తూమాటి దొణప్పగారి పర్యవేక్షణలో వై. బాలగంగాధరరావుగారు "అనంతపురం జిల్లా గ్రామనామాలు" అనే పరిశోధనలు 1981లో చేశారు, "శ్రీ ఎస్. జయప్రకాశ్ గారు చెంగల్పట్టు జిల్లా గ్రామనామాలు" అనే సిద్ధాంతవ్యాసం ఇంగ్లీషువ్రాసి, మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయానికి సమర్పించారు. కె. సరస్వతి అనేవారు ఇటీవల్లో "మద్రాసు పట్టణ స్థలనామాలు" అనే సిద్ధాంత వ్యాసం రాశారు. ఈ చివరి రెండు పరిశోధనలకు డాక్టర్ ఎస్. అక్కరెడ్డిగారు పర్యవేక్షకులు, అనంతపురం, కర్నూలు జిల్లా స్థలనామాలపై ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారి పర్యవేక్షణలో పరిశోధనలు జరుగుతున్నాయి. చిత్తూరు జిల్లా స్థలనామాలపై డాక్టర్ కేతు విశ్వనాధరెడ్డి గారి పర్యవేక్షణలో శ్రీ పి. చెంగారెడ్డి పరిశోధనలు చేస్తున్నారు.

ఈ వివరాలు చూశాక ఈ పరిశోధనలు కేవలం గ్రామనామాల పరిధిని దాటనట్టు కనబడుతుంది. ఇటీవల జరుగుతున్న ఒక గ్రామనామాల పరిశోధనలో వీధుల పేర్లను కూడా పరిగణనలోకి తీసుకోవడం ముదావహం తాటితోపువీధి. తోపులోని ఇళ్ళు పోలీసు లై నువీధి మసీదువీధి, మరియుమ్మ గుడి వీధి మొదలైన పేర్లన్నీ ఆ ప్రాంతీయ ప్రజల సంస్కృతిని తెలియజేస్తాయి.

"దేశమంటే మట్టికాదోయ్ - దేశమంటే మనుషులోయ్" అని గురజాడ చేసిన హెచ్చరికను "స్థలాలంటే జనాలాయ్" అని కొంచెం విస్తృతం చేయాలి. ఏజానపదంలోనైనా జనం నివసిస్తారు. వాళ్ళకు పేర్లుంటాయి. ఇంటిపేర్లుంటాయి. ఈ ఇంటి పేరుకు చాలా చరిత్ర వుంటుంది. ఒక జాతి సమగ్ర చరిత్రను రూపొందించుకోవాలంటే వ్యక్తినామ విజ్ఞానం గురించి చాలా కృషి చేయాలి. విదేశాలలో ఇంటిపేర్ల గురించి పరిశోధనలు ఎన్నడో ప్రారంభమై ఇప్పుడు పరాకాష్ఠ నందుకొన్నాయి. ఇంగ్లండులో 1905 నాటికే ఇంటి పేర్ల మీద గ్రంథాలు వెలుపడ్డాయి. పెంగ్విన్ పుస్తక ప్రచురణ సంస్థవారు. 1967లో బేసిల్ కోట్లీ 1964లో తయారు చేసిన ఇంటి పేర్ల నిఘంటువును అచ్చువేశారు.

బేసిల్ కోట్లీ ఇంటి పేర్లను నాలుగు వర్గాలుగా మాత్రమే విభజించారు. ఎఫ్.ఎల్.ఓ.ఎస్. అనే పొడి అక్షరాలలో (FOLN) ఈ వర్గాలను సూచించాడు. ఎఫ్ అంటే ఫస్టునేమ్ వంశకర్త తొలిపేరు ఇంటి పేరుగా వున్నవాళ్ళ వర్గందీనివల్ల సూచితమైంది, ఓ అంటే ఆక్యుపేషన్ వృత్తివల్ల వచ్చిన ఇంటిపేర్లు ఈ విభాగంలోనికి వస్తాయి. ఎల్ అంటే లోకాలిటీస్ పూర్వీకులు మొట్టమొదట ఏప్రాంతాల నుండి వచ్చారో ఆ విషయాన్ని తెలిపే ఇంటిపేర్లు ఈ కోవలో వంటాయి. ఎస్ అంటే నిక్ నేమ్. ఎగతాళి పేర్లు ఈ వర్గంలో వుంటాయి. ఈ నాలుగు పద్ధుల్లోనే అన్ని ఇంటిపేర్లూ ఉంటాయని కోట్లీ ఉద్దేశం. దీని వల్ల అతివ్యాప్తి దోషంరాదు. మన తెలుగులో ఇంటిపేర్ల గురించి జిజ్ఞాస ఒక చిన్న వివరణతో 1939లో ప్రారంభమైంది. శ్రీ కందుకూరు బాల సూర్యప్రసాద్ భూపాలుడు (దేనిజి జమీందారు) గారు ఒంటిచేతిమీదిగా

సంకలనంచేసిన “ఆంధ్ర విజ్ఞానము” (ఏడు సంపుటలు) గ్రంథంలో ఇంటిపేర్ల వివరణ గురించి నేను చూపినంత మట్టుకూ మొట్ట మొదటి ప్రస్తావన. తర్వాత భారతి పత్రికలో 1945 మార్చి నెలలో మేరు నోమయాజుల వరహాలు గారు “ఇంటి పేరంట” అనే ప్రశ్నతో ఒక వ్యాసం రాశారు. ఏప్రిల్ నెలలో చిలుకూరి నారాయణరావు గారు “ఇంటి పేరు” మీద ఒక వ్యాసం రాశారు.

‘శాసనాల్లో స్థల నామాలు’ అంశంపై పరిశోధించినవారు

(1) జి.ఎన్. రెడ్డి

(2) ఎస్.ఎస్. రామచంద్ర రావు

(3) కేతువిశ్వనాథ రెడ్డి

(4) బేసిల్ కోట్టే

[Question ID = 340][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q130]

1. 1 [Option ID = 1357]
2. 2 [Option ID = 1358]
3. 3 [Option ID = 1359]
4. 4 [Option ID = 1360]

3) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

ఈనెల పదమూడు, పద్నాలుగు, పది హేను తేదీల నడుమ బోపాల్ లో ‘ప్లేస్ నేమ్స్ సొసైటీ ఆఫ్ ఇండియా’ వారి తృతీయ వార్షిక సమావేశాలు జరిగాయి. ఈ స్థలనామ పరిశోధక సంఘంవారి సమావేశాలకు శ్రీ వెంకటేశ్వర విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు అధ్యయనశాఖ ప్రధాన దేశీకులు ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షత వహించారు. మన దేశంలో స్థలనామ పరిశోధనలకు అంకురార్పణం ఇటీవల చేసిన ఆద్యులలో ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు అగ్రగణ్యులు వారి పర్యవేక్షణలో 1975లో కేతు విశ్వనాథరెడ్డి గారు కడప ఊర్ల పేర్ల మీద చేసిన పరిశోధన మొట్ట మొదటి సిద్ధాంత వ్యాసం. దీనికి కేతువారికి డాక్టరేటు పట్టా లభించింది. నాటినుంచి స్థలనామ పరిశోధనములు చురుకుగా జరుగుతున్నాయి.

బోపాల్ సమావేశాలలో ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షోపన్యాసంలో చెప్పినట్లు స్థలనామాలంటే కేవలం ఊళ్ళ పేర్లేకావు. భౌగోళిక వివరాలను తెల్పే అన్ని వర్గాలనూ ఇది కీర్తిస్తుంది. గ్రామాలు వట్టణాలు నగరాలు, స్థలాలు, వీధులు, నదులు, కొండలు, చెరువులు, ఏర్లు, అడవులు, ఇంటిపేర్లు : తోటలు, వ్యవసాయ క్షేత్రాలు మొదలై నవన్నీ స్థలనామ పరిశోధన పరిధిలోనికి వస్తాయని ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు చెప్పిన విషయం గుర్తుపెట్టుకోవలసిన అంశం.

ఇప్పటి వరకూ దక్షిణ భారతంలో జరిగిన స్థలనామ పరిశోధన ఊళ్ళ పేర్లకే పరిమితమైంది. శ్రీ ఎస్.ఎస్. రామచంద్రరావుగారు కూడా 1975లోనే ‘శాసనాల్లో స్థలనామాలు’ అనే అంశంపై పరిశోధనలు చేసి డాక్టరేటు పట్టాను అందుకొన్నారు నాగార్జున విశ్వవిద్యాలయంలో ఆచార్య తూమాటి దోణప్పగారి పర్యవేక్షణలో వై. బాలగంగాధరరావుగారు “అనంతపురం జిల్లా గ్రామనామాలు” అనే పరిశోధనలు 1981లో చేశారు, “శ్రీ ఎస్. జయప్రకాశ్ గారు చెంగల్పట్టు

జిల్లా గ్రామనామాలు” అనే సిద్ధాంతవ్యాసం ఇంగ్లీషువ్రాసి, మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయానికి సమర్పించారు. కె. సరస్వతి అనేవారు ఇటీవల “మద్రాసు పట్టణ స్థలనామాలు” అనే సిద్ధాంత వ్యాసం రాశారు. ఈ చివరి రెండు పరిశోధనలకు డాక్టర్ ఎస్. అక్కరెడ్డిగారు పర్యవేక్షకులు, అనంతపురం, కర్నూలు జిల్లా స్థలనామాలపై అచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారి పర్యవేక్షణలో పరిశోధనలు జరుగుతున్నాయి. చిత్తూరు జిల్లా స్థలనామాలపై డాక్టర్ కేతు విశ్వనాధరెడ్డి గారి పర్యవేక్షణలో శ్రీ పి. చెంగారెడ్డి పరిశోధనలు చేస్తున్నారు.

ఈ వివరాలు చూశాక ఈ పరిశోధనలు కేవలం గ్రామానామాల పరిధిని దాటనట్టు కనబడుతుంది. ఇటీవల జరుగుతున్న ఒక గ్రామనామాల పరిశోధనలో వీధుల పేర్లను కూడా పరిగణనలోకి తీసుకోవడం ముదావహం తాటితోపువీధి. తోపులోని ఇళ్ళు పోలీసు లై నువీధి మసీదువీధి, మరియుమ్మ గుడి వీధి మొదలైన పేర్లన్నీ ఆ ప్రాంతీయ ప్రజల సంస్కృతిని తెలియచేస్తాయి.

“దేశమంటే మట్టికాదోయ్ - దేశమంటే మనుషులోయ్” అని గురజాడ చేసిన హెచ్చరికను “స్థలాలంటే జనాలాయ్” అని కొంచెం విస్తృతం చేయాలి. ఏజానపదంలోనైనా జనం నివసిస్తారు. వాళ్ళకు పేర్లుంటాయి. ఇంటిపేర్లుంటాయి. ఈ ఇంటి పేరుకు చాలా చరిత్ర వుంటుంది. ఒక జాతి సమగ్ర చరిత్రను రూపొందించుకోవాలంటే వ్యక్తినామ విజ్ఞానం గురించి చాలా కృషి చేయాలి. విదేశాలలో ఇంటిపేర్ల గురించి పరిశోధనలు ఎన్నడో ప్రారంభమై ఇప్పుడు పరాకాష్ఠ నందుకొన్నాయి. ఇంగ్లండులో 1905 నాటికే ఇంటి పేర్ల మీద గ్రంథాలు వెలుపడ్డాయి. పెంగ్విన్ పుస్తక ప్రచురణ సంస్థవారు. 1967లో టేసిల్ కోట్టి 1964లో తయారు చేసిన ఇంటి పేర్ల నిఘంటువును అచ్చువేశారు.

టేసిల్ కోట్టి ఇంటి పేర్లను నాలుగు వర్గాలుగా మాత్రమే విభజించారు. ఎఫ్.ఎల్.ఓ.ఎస్. అనే పొడి అక్షరాలలో (FOLN) ఈ వర్గాలను సూచించాడు. ఎఫ్ అంటే ఫస్టునేమ్ వంశకర్త తొలిపేరు ఇంటి పేరుగా వున్నవాళ్ళ వర్గందీనివల్ల సూచితమైంది, ఓ అంటే ఆక్యుపేషన్ వృత్తివల్ల వచ్చిన ఇంటిపేర్లు ఈ విభాగంలోనికి వస్తాయి. ఎల్ అంటే లోకాలిటీస్ పూర్వీకులు మొట్టమొదట ఏప్రాంతాల నుండి వచ్చారో ఆ విషయాన్ని తెలిపే ఇంటిపేర్లు ఈ కోవలో వంటాయి. ఎస్ అంటే నిక్ నేమ్. ఎగతాళి పేర్లు ఈ వర్గంలో వుంటాయి. ఈ నాలుగు పద్ధుల్లోనే అన్ని ఇంటిపేర్లూ ఉంటాయని కోట్టి ఉద్దేశం. దీని వల్ల అతివ్యాప్తి దోషంరాదు. మన తెలుగులో ఇంటిపేర్ల గురించి జిజ్ఞాస ఒక చిన్న వివరణతో 1939లో ప్రారంభమైంది. శ్రీ కందుకూరు బాల సూర్యప్రసాద్ భూపాలుడు (దేనిజి జమీందారు) గారు ఒంటిచేతిమీదిగా సంకలనంచేసిన “ఆంధ్ర విజ్ఞానము” (ఏడు సంపుటాలు) గ్రంథంలో ఇంటిపేర్ల వివరణ గురించి నేను చూపినంత మట్టుకూ మొట్ట మొదటి ప్రస్తావన. తర్వాత భారతి పత్రికలో 1945 మార్చి నెలలో మేరు నోమయాజుల వరహాలు గారు “ఇంటి పేరంట” అనే ప్రశ్నతో ఒక వ్యాసం రాశారు. ఏప్రిల్ నెలలో చిలుకూరి నారాయణరావు గారు “ఇంటి పేరు” మీద ఒక వ్యాసం రాశారు.

ఈ క్రింది వారిలో స్థలనామ పరిశోధనలో అగ్రగణ్యులు

(1) అచార్య జి.ఎస్. రెడ్డి

(2) చిలుకూరి నారాయణ రావు

(3) నోమయాజుల వరహోలు

(4) కందుకూరు బాల సూర్యప్రసాద్

[Question ID = 341][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q131]

1. 1 [Option ID = 1361]

2. 2 [Option ID = 1362]

3. 3 [Option ID = 1363]

4. 4 [Option ID = 1364]

4) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

ఈనెల పదమూడు, పద్నాలుగు, పది హేను తేదీల నడుమ భోపాల్ లో 'ప్లేస్ నేమ్స్ సొసైటీ ఆఫ్ ఇండియా' వారి తృతీయ వార్షిక సమావేశాలు జరిగాయి. ఈ స్థలనామ పరిశోధక సంఘంవారి సమావేశాలకు శ్రీ వెంకటేశ్వర విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు అధ్యయనశాఖ ప్రధాన దేశీకులు ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షత వహించారు. మన దేశంలో స్థలనామ పరిశోధనలకు అంకురార్పణం ఇటీవల చేసిన ఆద్యులలో ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు అగ్రగణ్యులు వారి పర్యవేక్షణలో 1975లో కేతు విశ్వనాథరెడ్డి గారు కడప ఊర్ల పేర్ల మీద చేసిన పరిశోధన మొట్ట మొదటి సిద్ధాంత వ్యాసం. దీనికి కేతువారికి డాక్టరేటు పట్టా లభించింది. నాటినుంచి స్థలనామ పరిశోధనములు చురుకుగా జరుగుతున్నాయి.

భోపాల్ సమావేశాలలో ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షోపన్యాసంలో చెప్పినట్లు స్థలనామాలంటే కేవలం ఊళ్ళ పేర్లేకావు. భౌగోళిక వివరాలను తెల్పే అన్ని వర్గాలనూ ఇది కీర్తిస్తుంది. గ్రామాలు వట్టణాలు నగరాలు, స్థలాలు, వీధులు, నదులు, కొండలు, చెరువులు, ఏర్లు, అడవులు, ఇంటిపేర్లు : తోటలు, వ్యవసాయ క్షేత్రాలు మొదలై నవన్నీ స్థలనామ పరిశోధన పరిధిలోనికి వస్తాయని ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు చెప్పిన విషయం గుర్తుపెట్టుకోవలసిన అంశం.

ఇప్పటి వరకూ దక్షిణ భారతంలో జరిగిన స్థలనామ పరిశోధన ఊళ్ళ పేర్లకే పరిమితమైంది. శ్రీ ఎస్.ఎస్. రామచంద్రరావుగారు కూడా 1975లోనే 'శాసనాల్లో స్థలనామాలు' అనే అంశంపై పరిశోధనలు చేసి డాక్టరేటు పట్టాను అందుకొన్నారు నాగార్జున విశ్వవిద్యాలయంలో ఆచార్య తూమాటి దోణప్పగారి పర్యవేక్షణలో వై. బాలగంగాధరరావుగారు "అనంతపురం జిల్లా గ్రామనామాలు" అనే పరిశోధనలు 1981లో చేశారు, "శ్రీ ఎస్. జయప్రకాశ్ గారు చెంగల్పట్టు జిల్లా గ్రామనామాలు" అనే సిద్ధాంతవ్యాసం ఇంగ్లీషువ్రాసి, మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయానికి సమర్పించారు. కె. సరస్వతి అనేవారు ఇటీవల "మద్రాసు పట్టణ స్థలనామాలు" అనే సిద్ధాంత వ్యాసం రాశారు. ఈ చివరి రెండు పరిశోధనలకు డాక్టర్ ఎస్. అక్కరెడ్డిగారు పర్యవేక్షకులు, అనంతపురం, కర్నూలు జిల్లా స్థలనామాలపై ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారి పర్యవేక్షణలో పరిశోధనలు జరుగుతున్నాయి. చిత్తూరు జిల్లా స్థలనామాలపై డాక్టర్ కేతు విశ్వనాథరెడ్డి గారి పర్యవేక్షణలో శ్రీ పి. చెంగారెడ్డి పరిశోధనలు చేస్తున్నారు.

ఈ వివరాలు చూశాక ఈ పరిశోధనలు కేవలం గ్రామనామాల పరిధిని దాటనట్లు కనబడుతుంది. ఇటీవల జరుగుతున్న ఒక గ్రామనామాల పరిశోధనలో వీధుల పేర్లను

కూడా పరిగణనలోకి తీసుకోవడం ముదావహం తాటితోపువీధి. తోపులోని ఇళ్ళు పోలీసు లై నువీధి మసీదువీధి, మరియుమ్మ గుడి వీధి మొదలైన పేర్లన్నీ ఆ ప్రాంతీయ ప్రజల సంస్కృతిని తెలియచేస్తాయి.

“దేశమంటే మట్టికాదోయ్ - దేశమంటే మనుషులోయ్” అని గురజాడ చేసిన హెచ్చరికను “స్థలాలంటే జనాలాయ్” అని కొంచెం విస్తృతం చేయాలి. ఏజానపదంలోనైనా జనం నివసిస్తారు. వాళ్ళకు పేర్లుంటాయి. ఇంటిపేర్లుంటాయి. ఈ ఇంటి పేరుకు చాలా చరిత్ర వుంటుంది. ఒక జాతి సమగ్ర చరిత్రను రూపొందించుకోవాలంటే వ్యక్తినామ విజ్ఞానం గురించి చాలా కృషి చేయాలి. విదేశాలలో ఇంటిపేర్ల గురించి పరిశోనలు ఎన్నడో ప్రారంభమై ఇప్పుడు పరాకాష్ఠ నందుకొన్నాయి. ఇంగ్లండులో 1905 నాటికే ఇంటి పేర్ల మీద గ్రంథాలు వెలుపడ్డాయి. పెంగ్విన్ పుస్తక ప్రచురణ సంస్థవారు. 1967లో బేసిల్ కోట్లీ 1964లో తయారు చేసిన ఇంటి పేర్ల నిఘంటువును అచ్చువేశారు.

బేసిల్ కోట్లీ ఇంటి పేర్లను నాలుగు వర్గాలుగా మాత్రమే విభజించారు. ఎఫ్.ఎల్.ఓ.ఎస్. అనే పొడి అక్షరాలలో (FOLN) ఈ వర్గాలను సూచించాడు. ఎఫ్ అంటే ఫస్టునేమ్ వంశకర్త తొలిపేరు ఇంటి పేరుగా వున్నవాళ్ళ వర్గందీనివల్ల సూచితమైంది, ఓ అంటే ఆక్యుపేషన్ వృత్తివల్ల వచ్చిన ఇంటిపేర్లు ఈ విభాగంలోనికి వస్తాయి. ఎల్ అంటే లోకాలిటీస్ పూర్వీకులు మొట్టమొదట ఏప్రాంతాల నుండి వచ్చారో ఆ విషయాన్ని తెలిపే ఇంటిపేర్లు ఈ కోవలో వంటాయి. ఎస్ అంటే నిక్ నేమ్. ఎగతాళి పేర్లు ఈ వర్గంలో వుంటాయి. ఈ నాలుగు పద్దుల్లోనే అన్ని ఇంటిపేర్లూ ఉంటాయని కోట్లీ ఉద్దేశం. దీని వల్ల అతివ్యాప్తి దోషంరాదు. మన తెలుగులో ఇంటిపేర్ల గురించి జిజ్ఞాస ఒక చిన్న వివరణతో 1939లో ప్రారంభమైంది. శ్రీ కందుకూరు బాల సూర్యప్రసాద్ భూపాలుడు (దేనిజి జమీందారు) గారు ఒంటిచేతిమీదిగా సంకలనంచేసిన “ఆంధ్ర విజ్ఞానము” (ఏడు సంపుటాలు) గ్రంథంలో ఇంటిపేర్ల వివరణ గురించి నేను చూపినంత మట్టుకూ మొట్ట మొదటి ప్రస్తావన. తర్వాత భారతి పత్రికలో 1945 మార్చి నెలలో మేరు నోమయాజుల వరహాలు గారు “ఇంటి పేరంట” అనే ప్రశ్నతో ఒక వ్యాసం రాశారు. ఏప్రిల్ నెలలో చిలుకూరి నారాయణరావు గారు “ఇంటి పేరు” మీద ఒక వ్యాసం రాశారు.

కడప ఊర్ల పేర్లమీద పరిశోధించి డాక్టరేట్ పొందినవారు

- (1) ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డి
- (2) కేతు విశ్వనాథ రెడ్డి
- (3) ఎస్. జయప్రకాశ్
- (4) చిలుకూరి నారాయణ రావు

[Question ID = 342][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q132]

1. 1 [Option ID = 1365]
2. 2 [Option ID = 1366]
3. 3 [Option ID = 1367]
4. 4 [Option ID = 1368]

5) **సూచన** : ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన

సమాధానములు రాయండ.

ఈనెల పదమూడు, పద్నాలుగు, పది హేను తేదీల నడుమ భోపాల్ లో 'స్టేస్ నేమ్స్ సొసైటీ ఆఫ్ ఇండియా' వారి తృతీయ వార్షిక సమావేశాలు జరిగాయి. ఈ స్థలనామ పరిశోధక సంఘంవారి సమావేశాలకు శ్రీ వెంకటేశ్వర విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు అధ్యయనశాఖ ప్రధాన దేశీకులు ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షత వహించారు. మన దేశంలో స్థలనామ పరిశోధనలకు అంకురార్పణం ఇటీవల చేసిన ఆద్యులలో ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు అగ్రగణ్యులు వారి పర్యవేక్షణలో 1975లో కేతు విశ్వనాథరెడ్డి గారు కడప ఊర్ల పేర్ల మీద చేసిన పరిశోధన మొట్ట మొదటి సిద్ధాంత వ్యాసం. దీనికి కేతువారికి డాక్టరేటు పట్టా లభించింది. నాటినుంచి స్థలనామ పరిశోధనములు చురుకుగా జరుగుతున్నాయి.

భోపాల్ సమావేశాలలో ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షోపన్యాసంలో చెప్పినట్లు స్థలనామాలంటే కేవలం ఊళ్ళ పేర్లకావు. భౌగోళిక వివరాలను తెల్పే అన్ని వర్గాలనూ ఇది కీర్తిస్తుంది. గ్రామాలు వట్టణాలు నగరాలు, స్థలాలు, వీధులు, నదులు, కొండలు, చెరువులు, ఏర్లు, అడవులు, ఇంటిపేర్లు : తోటలు, వ్యవసాయ క్షేత్రాలు మొదలై నవన్నీ స్థలనామ పరిశోధన పరిధిలోనికి వస్తాయని ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు చెప్పిన విషయం గుర్తుపెట్టుకోవలసిన అంశం.

ఇప్పటి వరకూ దక్షిణ భారతంలో జరిగిన స్థలనామ పరిశోధన ఊళ్ళ పేర్లకే పరిమితమైంది. శ్రీ ఎస్.ఎస్. రామచంద్రరావుగారు కూడా 1975లోనే 'శాసనాల్లో స్థలనామాలు' అనే అంశంపై పరిశోధనలు చేసి డాక్టరేటు పట్టాను అందుకొన్నారు నాగార్జున విశ్వవిద్యాలయంలో ఆచార్య తూమాటి దొణప్పగారి పర్యవేక్షణలో వై. బాలగంగాధరరావుగారు "అనంతపురం జిల్లా గ్రామనామాలు" అనే పరిశోధనలు 1981లో చేశారు, "శ్రీ ఎస్. జయప్రకాశ్ గారు చెంగల్పట్టు జిల్లా గ్రామనామాలు" అనే సిద్ధాంతవ్యాసం ఇంగ్లీషువ్రాసి, మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయానికి సమర్పించారు. కె. సరస్వతి అనేవారు ఇటీవల్లో "మద్రాసు పట్టణ స్థలనామాలు" అనే సిద్ధాంత వ్యాసం రాశారు. ఈ చివరి రెండు పరిశోధనలకు డాక్టర్ ఎస్. అక్కరెడ్డిగారు పర్యవేక్షకులు, అనంతపురం, కర్నూలు జిల్లా స్థలనామాలపై ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారి పర్యవేక్షణలో పరిశోధనలు జరుగుతున్నాయి. చిత్తూరు జిల్లా స్థలనామాలపై డాక్టర్ కేతు విశ్వనాథరెడ్డి గారి పర్యవేక్షణలో శ్రీ పి. చెంగారెడ్డి పరిశోధనలు చేస్తున్నారు.

ఈ వివరాలు చూశాక ఈ పరిశోధనలు కేవలం గ్రామనామాల పరిధిని దాటనట్టు కనబడుతుంది. ఇటీవల జరుగుతున్న ఒక గ్రామనామాల పరిశోధనలో వీధుల పేర్లను కూడా పరిగణనలోకి తీసుకోవడం ముదావహం తాటితోపువీధి. తోపులోని ఇళ్ళు పోలీసు లై నువీధి మసీదువీధి, మరియుమ్మ గుడి వీధి మొదలైన పేర్లన్నీ ఆ ప్రాంతీయ ప్రజల సంస్కృతిని తెలియజేస్తాయి.

"దేశమంటే మట్టికాదోయ్ - దేశమంటే మనుషులోయ్" అని గురజాడ చేసిన హెచ్చరికను "స్థలాలంటే జనాలాయ్" అని కొంచెం విస్తృతం చేయాలి. ఏజానపదంలోనైనా జనం నివసిస్తారు. వాళ్ళకు పేర్లుంటాయి. ఇంటిపేర్లుంటాయి. ఈ ఇంటి పేరుకు చాలా చరిత్ర వుంటుంది. ఒక జాతి సమగ్ర చరిత్రను రూపొందించుకోవాలంటే వ్యక్తినామ విజ్ఞానం గురించి చాలా కృషి చేయాలి. విదేశాలలో ఇంటిపేర్ల గురించి పరిశోధనలు ఎన్నడో ప్రారంభమై ఇప్పుడు

పరాకాష్ఠ నందుకొన్నాయి. ఇంగ్లండులో 1905 నాటికే ఇంటి పేర్ల మీద గ్రంథాలు వెలుపడ్డాయి. పెంగ్విన్ పుస్తక ప్రచురణ సంస్థవారు. 1967లో బేసిల్ కోట్లీ 1964లో తయారు చేసిన ఇంటి పేర్ల నిఘంటువును అచ్చువేశారు.

బేసిల్ కోట్లీ ఇంటి పేర్లను నాలుగు వర్గాలుగా మాత్రమే విభజించారు. ఎఫ్.ఎల్.ఓ.ఎన్. అనే పొడి అక్షరాలలో (FOLN) ఈ వర్గాలను సూచించాడు. ఎఫ్ అంటే ఫస్టునేమ్ వంశకర్త తొలిపేరు ఇంటి పేరుగా వున్నవాళ్ళ వర్గందీనివల్ల సూచితమైంది, ఓ అంటే ఆక్యుపేషన్ వృత్తివల్ల వచ్చిన ఇంటిపేర్లు ఈ విభాగంలోనికి వస్తాయి. ఎల్ అంటే లోకాలిటీస్ పూర్వీకులు మొట్టమొదట ఏప్రాంతాల నుండి వచ్చారో ఆ విషయాన్ని తెలిపే ఇంటిపేర్లు ఈ కోవలో వంటాయి. ఎన్ అంటే నిక్ నేమ్. ఎగతాళి పేర్లు ఈ వర్గంలో వుంటాయి. ఈ నాలుగు పద్ధుల్లోనే అన్ని ఇంటిపేర్లూ ఉంటాయని కోట్లీ ఉద్దేశం. దీని వల్ల అతివ్యాప్తి దోషంరాదు. మన తెలుగులో ఇంటిపేర్ల గురించి జిజ్ఞాస ఒక చిన్న వివరణతో 1939లో ప్రారంభమైంది. శ్రీ కందుకూరు బాల సూర్యప్రసాద్ భూపాలుడు (దేనిజి జమీందారు) గారు ఒంటిచేతిమీదిగా సంకలనంచేసిన “ఆంధ్ర విజ్ఞానము” (ఏడు సంపుటాలు) గ్రంథంలో ఇంటిపేర్ల వివరణ గురించి నేను చూపినంత మట్టుకూ మొట్ట మొదటి ప్రస్తావన. తర్వాత భారతి పత్రికలో 1945 మార్చి నెలలో మేరు నోమయాజుల వరహాళు గారు “ఇంటి పేరంట” అనే ప్రశ్నతో ఒక వ్యాసం రాశారు. ఏప్రిల్ నెలలో చిలుకూరి నారాయణరావు గారు “ఇంటి పేరు” మీద ఒక వ్యాసం రాశారు.

కె. సరస్వతి రాసిన సిద్ధాంత వ్యాసం పేరు

(1) చిత్తూరు జిల్లా స్థలనామాలు

(2) మద్రాసు పట్టణ స్థలనామాలు

(3) చెంగల్పట్టు జిల్లా గ్రామనామాలు

(4) కడప ఊరి పేర్లు

[Question ID = 343][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q133]

1. 1 [Option ID = 1369]
2. 2 [Option ID = 1370]
3. 3 [Option ID = 1371]
4. 4 [Option ID = 1372]

6) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

ఈనెల పదమూడు, పద్నాలుగు, పది హేను తేదీల నడుమ భోపాల్ లో ‘ప్లేస్ నేమ్స్ సొసైటీ ఆఫ్ ఇండియా’ వారి తృతీయ వార్షిక సమావేశాలు జరిగాయి. ఈ స్థలనామ పరిశోధక సంఘంవారి సమావేశాలకు శ్రీ వెంకటేశ్వర విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు అధ్యయనశాఖ ప్రధాన దేశీకులు ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షత వహించారు. మన దేశంలో స్థలనామ పరిశోధనలకు అంకురార్పణం ఇటీవల చేసిన ఆద్యులలో ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు అగ్రగణ్యులు వారి పర్యవేక్షణలో 1975లో కేతు విశ్వనాథరెడ్డి గారు కడప ఊర్ల పేర్ల మీద చేసిన పరిశోధన మొట్ట మొదటి సిద్ధాంత వ్యాసం. దీనికి కేతువారికి డాక్టరేటు పట్టా

లభించింది. నాటనుంచి స్థలనామ పంశధనములు చురుకుగా జరుగుతున్నాయి.

బోపాల్ సమావేశాలలో ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షోపన్యాసంలో చెప్పినట్లు స్థలనామాలంటే కేవలం ఊళ్ళ పేర్లేకావు. భౌగోళిక వివరాలను తెల్పే అన్ని వర్గాలనూ ఇది కీర్తిస్తుంది. గ్రామాలు వట్టణాలు నగరాలు, స్థలాలు, వీధులు, నదులు, కొండలు, చెరువులు, ఏర్లు, అడవులు, ఇంటిపేర్లు : తోటలు, వ్యవసాయ క్షేత్రాలు మొదలై నవన్నీ స్థలనామ పరిశోధన పరిధిలోనికి వస్తాయని ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారు చెప్పిన విషయం గుర్తుపెట్టుకోవలసిన అంశం.

ఇప్పటి వరకూ దక్షిణ భారతంలో జరిగిన స్థలనామ పరిశోధన ఊళ్ళ పేర్లకే పరిమితమైంది. శ్రీ ఎస్.ఎస్. రామచంద్రరావుగారు కూడా 1975లోనే 'శాసనాల్లో స్థలనామాలు' అనే అంశంపై పరిశోధనలు చేసి డాక్టరేటు పట్టాను అందుకొన్నారు నాగార్జున విశ్వవిద్యాలయంలో ఆచార్య తూమాటి దోణప్పగారి పర్యవేక్షణలో వై. బాలగంగాధరరావుగారు "అనంతపురం జిల్లా గ్రామనామాలు" అనే పరిశోధనలు 1981లో చేశారు, "శ్రీ ఎస్. జయప్రకాశ్ గారు చెంగల్పట్టు జిల్లా గ్రామనామాలు" అనే సిద్ధాంతవ్యాసం ఇంగ్లీషువ్రాసి, మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయానికి సమర్పించారు. కె. సరస్వతి అనేవారు ఇటీవల్లో "మద్రాసు పట్టణ స్థలనామాలు" అనే సిద్ధాంత వ్యాసం రాశారు. ఈ చివరి రెండు పరిశోధనలకు డాక్టర్ ఎస్. అక్కరెడ్డిగారు పర్యవేక్షకులు, అనంతపురం, కర్నూలు జిల్లా స్థలనామాలపై ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారి పర్యవేక్షణలో పరిశోధనలు జరుగుతున్నాయి. చిత్తూరు జిల్లా స్థలనామాలపై డాక్టర్ కేతు విశ్వనాధరెడ్డి గారి పర్యవేక్షణలో శ్రీ పి. చెంగారెడ్డి పరిశోధనలు చేస్తున్నారు.

ఈ వివరాలు చూశాక ఈ పరిశోధనలు కేవలం గ్రామనామాల పరిధిని దాటనట్టు కనబడుతుంది. ఇటీవల జరుగుతున్న ఒక గ్రామనామాల పరిశోధనలో వీధుల పేర్లను కూడా పరిగణనలోకి తీసుకోవడం ముదావహం తాటితోపువీధి. తోపులోని ఇళ్ళు పోలీసు లై నువీధి మసీదువీధి, మరియుమ్మ గుడి వీధి మొదలైన పేర్లన్నీ ఆ ప్రాంతీయ ప్రజల సంస్కృతిని తెలియజేస్తాయి.

"దేశమంటే మట్టికాదోయ్ - దేశమంటే మనుషులోయ్" అని గురజాడ చేసిన హెచ్చరికను "స్థలాలంటే జనాలాయ్" అని కొంచెం విస్తృతం చేయాలి. ఏజానపదంలోనైనా జనం నివసిస్తారు. వాళ్ళకు పేర్లుంటాయి. ఇంటిపేర్లుంటాయి. ఈ ఇంటి పేరుకు చాలా చరిత్ర వుంటుంది. ఒక జాతి సమగ్ర చరిత్రను రూపొందించుకోవాలంటే వ్యక్తినామ విజ్ఞానం గురించి చాలా కృషి చేయాలి. విదేశాలలో ఇంటిపేర్ల గురించి పరిశోధనలు ఎన్నడో ప్రారంభమై ఇప్పుడు పరాకాష్ఠ నందుకొన్నాయి. ఇంగ్లండులో 1905 నాటికే ఇంటి పేర్ల మీద గ్రంథాలు వెలుపడ్డాయి. పెంగ్విన్ పుస్తక ప్రచురణ సంస్థవారు. 1967లో టేసిల్ కోట్టి 1964లో తయారు చేసిన ఇంటి పేర్ల నింపుంటువును అచ్చువేశారు.

టేసిల్ కోట్టి ఇంటి పేర్లను నాలుగు వర్గాలుగా మాత్రమే విభజించారు. ఎఫ్.ఎల్.ఓ.ఎస్. అనే పొడి అక్షరాలలో (FOLN) ఈ వర్గాలను సూచించాడు. ఎఫ్ అంటే ఫస్టునేమ్ వంశకర్త తొలిపేరు ఇంటి పేరుగా వున్నవాళ్ళ వర్గందీనివల్ల సూచితమైంది, ఓ అంటే ఆక్యుపేషన్ వృత్తివల్ల వచ్చిన ఇంటిపేర్లు ఈ విభాగంలోనికి వస్తాయి. ఎల్ అంటే లోకాలిటీస్ పూర్వీకులు మొట్టమొదట ఏప్రాంతాల నుండి వచ్చారో ఆ విషయాన్ని తెలిపే ఇంటిపేర్లు ఈ కోవలో

వంటాయి. ఎన అంట నక నమ. ఎగతాళ పర్లు ఈ వర్గంల్ వుంటాయి. ఈ నాలుగు పద్దుల్లోనే అన్ని ఇంటిపేర్లూ ఉంటాయని కోట్లీ ఉద్దేశం. దీని వల్ల అతివ్యాప్తి దోషంరాదు. మన తెలుగులో ఇంటిపేర్ల గురించి జిజ్ఞాస ఒక చిన్న వివరణతో 1939లో ప్రారంభమైంది. శ్రీ కందుకూరు బాల సూర్యప్రసాద్ భూపాలుడు (దేనిజి జమీందారు) గారు ఒంటిచేతిమీదిగా సంకలనంచేసిన “ఆంధ్ర విజ్ఞానము” (ఏడు సంపుటాలు) గ్రంథంలో ఇంటిపేర్ల వివరణ గురించి నేను చూపినంత మట్టుకూ మొట్ట మొదటి ప్రస్తావన. తర్వాత భారతి పత్రికలో 1945 మార్చి నెలలో మేరు సోమయాజుల వరహాళు గారు “ఇంటి పేరంట” అనే ప్రశ్నతో ఒక వ్యాసం రాశారు. ఏప్రిల్ నెలలో చిలుకూరి నారాయణరావు గారు “ఇంటి పేరు” మీద ఒక వ్యాసం రాశారు.

టేసిల్ కోట్లీ ప్రకారం ఎన్. అంటే

(1) పస్ట్ నేమ్

(2) ఆక్యుపేషన్

(3) లోకాలిటీస్

(4) నిక్ నేమ్

[Question ID = 344][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q134]

1. 1 [Option ID = 1373]
2. 2 [Option ID = 1374]
3. 3 [Option ID = 1375]
4. 4 [Option ID = 1376]

7) **సూచన :** ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, వరకు గల ప్రశ్నలకు సరైన సమాధానములు రాయండి.

ఈనెల పదమూడు, పద్నాలుగు, పది హేను తేదీల నడుమ బోపాల్ లో ‘స్టేస్ నేమ్స్ సొసైటీ ఆఫ్ ఇండియా’ వారి తృతీయ వార్షిక సమావేశాలు జరిగాయి. ఈ స్థలనామ పరిశోధక సంఘంవారి సమావేశాలకు శ్రీ వెంకటేశ్వర విశ్వవిద్యాలయం తెలుగు అధ్యయనశాఖ ప్రధాన దేశీకులు ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షత వహించారు. మన దేశంలో స్థలనామ పరిశోధనలకు అంకురార్పణం ఇటీవల చేసిన ఆద్యులలో ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు అగ్రగణ్యులు వారి పర్యవేక్షణలో 1975లో కేతు విశ్వనాథరెడ్డి గారు కడప ఊర్ల పేర్ల మీద చేసిన పరిశోధన మొట్ట మొదటి సిద్ధాంత వ్యాసం. దీనికి కేతువారికి డాక్టరేటు పట్టా లభించింది. నాటినుంచి స్థలనామ పరిశోధనములు చురుకుగా జరుగుతున్నాయి.

బోపాల్ సమావేశాలలో ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు అధ్యక్షోపన్యాసంలో చెప్పినట్లు స్థలనామాలంటే కేవలం ఊళ్ళ పేర్లకావు. భౌగోళిక వివరాలను తెల్పే అన్ని వర్గాలనూ ఇది కీర్తిస్తుంది. గ్రామాలు వట్టణాలు నగరాలు, స్థలాలు, వీధులు, నదులు, కొండలు, చెరువులు, ఏర్లు, అడవులు, ఇంటిపేర్లు : తోటలు, వ్యవసాయ క్షేత్రాలు మొదలై నవన్నీ స్థలనామ పరిశోధన పరిధిలోనికి వస్తాయని ఆచార్య జి.ఎన్. రెడ్డిగారు చెప్పిన విషయం గుర్తుపెట్టుకోవలసిన అంశం.

ఇప్పటి వరకూ దక్షిణ భారతంలో జరిగిన స్థలనామ పరిశోధన ఊళ్ళ పేర్లకే పరిమితమైంది.

దీనిని విస్తరించే గానున్నదగానున్నాడు. కనీసం 1975లోనే “హిందూస్థాన్ టైమ్స్” లో “ఇంటి పేరు”

శ్రీ ఎస్.ఎస్. రామచంద్రుల వ్యంగ్య మండలి 1975లోని శాసనసభ స్థలనామాలు అనే అంశంపై పరిశోధనలు చేసి డాక్టరేటు పట్టాను అందుకొన్నారు నాగార్జున విశ్వవిద్యాలయంలో ఆచార్య తూమాటి దోణప్పగారి పర్యవేక్షణలో వై. బాలగంగాధరరావుగారు “అనంతపురం జిల్లా గ్రామనామాలు” అనే పరిశోధనలు 1981లో చేశారు, “శ్రీ ఎస్. జయప్రకాశ్ గారు చెంగల్పట్టు జిల్లా గ్రామనామాలు” అనే సిద్ధాంతవ్యాసం ఇంగ్లీషువ్రాసి, మద్రాసు విశ్వవిద్యాలయానికి సమర్పించారు. కె. సరస్వతి అనేవారు ఇటీవల్లో “మద్రాసు పట్టణ స్థలనామాలు” అనే సిద్ధాంత వ్యాసం రాశారు. ఈ చివరి రెండు పరిశోధనలకు డాక్టర్ ఎస్. అక్కరెడ్డిగారు పర్యవేక్షకులు, అనంతపురం, కర్నూలు జిల్లా స్థలనామాలపై ఆచార్య జి.ఎస్. రెడ్డిగారి పర్యవేక్షణలో పరిశోధనలు జరుగుతున్నాయి. చిత్తూరు జిల్లా స్థలనామాలపై డాక్టర్ కేతు విశ్వనాధరెడ్డి గారి పర్యవేక్షణలో శ్రీ పి. చెంగారెడ్డి పరిశోధనలు చేస్తున్నారు.

ఈ వివరాలు చూశాక ఈ పరిశోధనలు కేవలం గ్రామనామాల పరిధిని దాటనట్టు కనబడుతుంది. ఇటీవల జరుగుతున్న ఒక గ్రామనామాల పరిశోధనలో వీధుల పేర్లను కూడా పరిగణనలోకి తీసుకోవడం ముదావహం తాటితోపువీధి. తోపులోని ఇళ్ళు పోలీసు లై నువీధి మసీదువీధి, మరియుమ్మ గుడి వీధి మొదలైన పేర్లన్నీ ఆ ప్రాంతీయ ప్రజల సంస్కృతిని తెలియచేస్తాయి.

“దేశమంటే మట్టికాదోయ్ - దేశమంటే మనుషులోయ్” అని గురజాడ చేసిన హెచ్చరికను “స్థలాలంటే జనాలాయ్” అని కొంచెం విస్తృతం చేయాలి. ఏజానపదంలోనైనా జనం నివసిస్తారు. వాళ్ళకు పేర్లుంటాయి. ఇంటిపేర్లుంటాయి. ఈ ఇంటి పేరుకు చాలా చరిత్ర వుంటుంది. ఒక జాతి సమగ్ర చరిత్రను రూపొందించుకోవాలంటే వ్యక్తినామ విజ్ఞానం గురించి చాలా కృషి చేయాలి. విదేశాలలో ఇంటిపేర్ల గురించి పరిశోధనలు ఎన్నడో ప్రారంభమై ఇప్పుడు పరాకాష్ఠ నందుకొన్నాయి. ఇంగ్లండులో 1905 నాటికే ఇంటి పేర్ల మీద గ్రంథాలు వెలుపడ్డాయి. పెంగ్విన్ పుస్తక ప్రచురణ సంస్థవారు. 1967లో బేసిల్ కోట్లీ 1964లో తయారు చేసిన ఇంటి పేర్ల నింపుంటువును అచ్చువేశారు.

బేసిల్ కోట్లీ ఇంటి పేర్లను నాలుగు వర్గాలుగా మాత్రమే విభజించారు. ఎఫ్.ఎల్.ఓ.ఎస్. అనే పొడి అక్షరాలలో (FOLN) ఈ వర్గాలను సూచించాడు. ఎఫ్ అంటే ఫస్టునేమ్ వంశకర్త తొలిపేరు ఇంటి పేరుగా వున్నవాళ్ళ వర్గందీనివల్ల సూచితమైంది, ఓ అంటే ఆక్యుపేషన్ వృత్తివల్ల వచ్చిన ఇంటిపేర్లు ఈ విభాగంలోనికి వస్తాయి. ఎల్ అంటే లోకాలిటీస్ పూర్వీకులు మొట్టమొదట ఏప్రాంతాల నుండి వచ్చారో ఆ విషయాన్ని తెలిపే ఇంటిపేర్లు ఈ కోవలో వంటాయి. ఎస్ అంటే నిక్ నేమ్. ఎగతాళి పేర్లు ఈ వర్గంలో వుంటాయి. ఈ నాలుగు పద్దుల్లోనే అన్ని ఇంటిపేర్లూ ఉంటాయని కోట్లీ ఉద్దేశం. దీని వల్ల అతివ్యాప్తి దోషంరాదు.

మన తెలుగులో ఇంటిపేర్ల గురించి జిజ్ఞాస ఒక చిన్న వివరణతో 1939లో ప్రారంభమైంది. శ్రీ కందుకూరు బాల సూర్యప్రసాద్ భూపాలుడు (దేనిజి జమీందారు) గారు ఒంటిచేతిమీదిగా సంకలనంచేసిన “ఆంధ్ర విజ్ఞానము” (ఏడు సంపుటాలు) గ్రంథంలో ఇంటిపేర్ల వివరణ గురించి నేను చూపినంత మట్టుకూ మొట్ట మొదటి ప్రస్తావన. తర్వాత భారతి పత్రికలో 1945 మార్చి నెలలో మేరు నోమయాజుల వరహాలు గారు “ఇంటి పేరంటే” అనే ప్రశ్నతో ఒక వ్యాసం రాశారు. ఏప్రిల్ నెలలో చిలుకూరి నారాయణరావు గారు “ఇంటి పేరు” మీద ఒక

వ్యసనం రాశాయి.

చిత్తూరు జిల్లా స్థలనామాలపై పరిశోధనకు పర్యవేక్షకులెవరు ?

- (1) పి. చెంగా రెడ్డి
- (2) డాక్టర్ కేతు విశ్వనాథ రెడ్డి
- (3) తూమాటి దొణప్ప
- (4) ఎస్ అక్కి రెడ్డి

[Question ID = 345][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q135]

1. 1 [Option ID = 1377]
2. 2 [Option ID = 1378]
3. 3 [Option ID = 1379]
4. 4 [Option ID = 1380]

Topic:- Telugu_Q136-150_L2_P1_CTET

1) మేధస్సు, ఆలోచన అభివృద్ధి చెందటం అనేది భాషా సముపార్జన కంటే ముందే మొదలవుతుంది. భాష ఆలోచన యొక్క ఉత్పత్తి. ఆ ఆలోచనను సమర్థించినది ?

- (1) వైగాట్ స్కీ
- (2) పియాజెట్
- (3) టెంజమిన్ ఓర్ పీ
- (4) స్కిన్నర్

[Question ID = 346][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q136]

1. 1 [Option ID = 1381]
2. 2 [Option ID = 1382]
3. 3 [Option ID = 1383]
4. 4 [Option ID = 1384]

2) ఒక పాఠశాలకు రాని పిల్లవాడు భాషలోని అక్షరాలను, శబ్దాలను గుర్తిస్తాడు అయితే చిన్నపదాల చదవటంలో ఇబ్బంది పడతాడు. ఉపాధ్యాయురాలు ఆపదాలు చదవటంలో విద్యార్థికి సహాయపడుతుంది. ఈ సందర్భంలో ఉపాధ్యాయురాలు అనుసరిస్తున్న పద్ధతి ?

- (1) బట్టిపట్టటం
- (2) చెయ్యిపట్టకోవటం
- (3) సమవుజ్జీ బోధన
- (4) అండగవుండటం లేదా సహాయపడటం

[Question ID = 347][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q137]

1. 1 [Option ID = 1385]
2. 2 [Option ID = 1386]
3. 3 [Option ID = 1387]
4. 4 [Option ID = 1388]

3) NEP 2020 ప్రకారం పునాదిదశలో భాషా బోధన ఇందులో జరగాలి

- (1) ఇంగ్లీష్
- (2) హిందీ
- (3) ఇంటి భాష
- (4) అధికార భాష

[Question ID = 348][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q138]

- 1. 1 [Option ID = 1389]
- 2. 2 [Option ID = 1390]
- 3. 3 [Option ID = 1391]
- 4. 4 [Option ID = 1392]

4) ఒక వాచక పుస్తకం చదివిన తరువాత ఉపాధ్యాయురాలు తన విద్యార్థులకు ఆ వాచకానికి తమ స్వంత వ్యాఖ్యానం స్పష్టించమని అడుగుతుంది. ఈ ఉపనైపుణ్యాన్ని ఏమంటారు

- (1) పేరాఫ్రేజ్
- (2) ప్రిడిక్షన్
- (3) ఇనఫరెన్స్
- (4) సంక్షిప్తీకరించటం

[Question ID = 349][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q139]

- 1. 1 [Option ID = 1393]
- 2. 2 [Option ID = 1394]
- 3. 3 [Option ID = 1395]
- 4. 4 [Option ID = 1396]

5) క్రింది వాటిలో ఏది డిస్ లెక్సియా లక్షణం కాదు ?

- (1) అక్షర పదాల్ని గుర్తించటంలో క్లిష్టత
- (2) పదాల్ని, భావాల్ని అర్థం చేసుకోవటంలో సమస్య
- (3) సాధారణ పదజాల నైపుణ్యాలతో సమస్య
- (4) అక్షరాలను, పదాలను ఖచ్చితంగా కాపీచేయటంలో సమస్య

[Question ID = 350][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q140]

- 1. 1 [Option ID = 1397]
- 2. 2 [Option ID = 1398]
- 3. 3 [Option ID = 1399]
- 4. 4 [Option ID = 1400]

6) శ్రీమతి రవీనా తన మూడవ తరగతి విద్యార్థులకు అనేక భాషణ కార్యకలాపాల్ని నిర్వహిస్తుంది. తరగతి మొత్తానికి సరిపోయే కార్యకలాపం ఏది ?

- (1) ఉపాధ్యాయురాలు ఇచ్చిన ఆడియో-విజువల్ పరికరంతో ఒక కథను వినటం
- (2) రెండు చిన్న బృందాలతో అంశాన్ని గురించి మేధోమథనం చేయటం
- (3) ఉపాధ్యాయురాలు విద్యార్థులకు సంభాషణలు ఇచ్చివాటిని నేర్చుకొని తరగతి గది నాటకం రూపంలో తిరిగి ప్రదర్శించమని అడుగుతుంది
- (4) ఉపాధ్యాయురాలు ఉచ్చారణ సమస్యల గురించి పిలిచి తనతో పాటు పునరుచ్చరించమని, ఆచరించమని అడుగుతుంది

[Question ID = 351][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q141]

1. 1 [Option ID = 1401]
2. 2 [Option ID = 1402]
3. 3 [Option ID = 1403]
4. 4 [Option ID = 1404]

7) ఒక వర్షం కురిసిన రోజు ఉపాధ్యాయురాలు తన విద్యార్థుల నందరిని గుండ్రంగా కుర్చో బెట్టి వర్షం కురిసిన రోజుకు సంబంధించిన తమ జ్ఞాపకాల్ని మిగతా విద్యార్థులతో పంచుకోమని అడుగుతుంది. 1 వ గ్రేడ్ విద్యార్థుల భాషాభివృద్ధికి ఈ కార్యకలాపం ఎలా వుపయోగ పడుతుంది ?

- (1) వాళ్లు మొత్తం మోటారునైపుణ్యాలను నేర్చు కుంటారు
- (2) వాళ్లు సమర్థవంతమైన భావప్రసారకులవుతారు
- (3) వాళ్లు మంచి చదువరులవుతారు
- (4) వాళ్లు తమ చేతిరాతను మెరుగు పర్చుకుంటారు

[Question ID = 352][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q142]

1. 1 [Option ID = 1405]
2. 2 [Option ID = 1406]
3. 3 [Option ID = 1407]
4. 4 [Option ID = 1408]

8) తరగతిగదిలో వినికిడి కార్యకలాపాన్ని నిర్వహించిన తరువాత ఒక ఉపాధ్యాయురాలు విద్యార్థులు సమర్థవంతంగా వింటున్నారా లేదా అనేవిషయాన్ని మూల్యాంకనం చేయాలను కుంటుంది. అందుకోసం ఆమె పరిగణనలోని తీసుకోవాల్సిన ప్రమణాలు ఏవి ?

- A. విద్యార్థులు తాము విన్న విషయం మీద ప్రశ్నలు వేస్తారు.
- B. విద్యార్థులు తాము విన్నదాన్ని సంక్షిప్తంగా చెప్పగలరు.
- C. విద్యార్థులు మానంగా వింటున్నారు.

- (1) A సరైనది, B సరికాదు
- (2) B సరైనది, A సరికాదు
- (3) A, B సరైనవి, C సరికాదు
- (4) A, B మరియు C సరైనవి

[Question ID = 353][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q143]

1. 1 [Option ID = 1409]
2. 2 [Option ID = 1410]
3. 3 [Option ID = 1411]
4. 4 [Option ID = 1412]

9) భాష కౌశల పరీక్ష ఇలావుంటాలి

- (1) సరళంగా
- (2) సందిగ్ధంగా
- (3) నమ్మదగినదిగా
- (4) సంక్లిష్టంగా

[Question ID = 354][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q144]

1. 1 [Option ID = 1413]
2. 2 [Option ID = 1414]
3. 3 [Option ID = 1415]
4. 4 [Option ID = 1416]

10) ఒక వక్త ఒకే సంభాషణలు రెండు లేక అంతకంటే ఎక్కువ భాషలు మార్పుతూమాట్లాడు తున్నాడు దీన్నేమంటారు

- (1) బహుభాషావాదం
- (2) కోడ్ మిక్సింగ్
- (3) కోడ్ స్విచ్చింగ్
- (4) ద్విభాషావాదం

[Question ID = 355][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q145]

1. 1 [Option ID = 1417]
2. 2 [Option ID = 1418]
3. 3 [Option ID = 1419]
4. 4 [Option ID = 1420]

11) ఈ క్రిందివాటిలో రూపొందుతున్న రచయితలకు రచనా సిద్ధాంతంకు సంబంధించిన కార్యకలాపంకాదు

- (1) క్లే మౌల్లింగ్
- (2) బట్టనింగ్ మరియు జిప్పింగ్
- (3) లేసింగ్ మరియు త్రేడ్డింగ్
- (4) జంపింగ్

[Question ID = 356][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q146]

1. 1 [Option ID = 1421]
2. 2 [Option ID = 1422]
3. 3 [Option ID = 1423]
4. 4 [Option ID = 1424]

12) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు తన 5 వ గ్రేడ్ విద్యార్థులకు స్వచ్ఛాయిత లేఖనానికి సంబంధించి అనేక అవకాశాలు ఇస్తుంది. ఇది విద్యార్థులకు ఇలా ఉపయోగపడుతుంది

- (1) రాసేటప్పుడు వ్యాకరణ సంబంధ ఖచ్చితత్వం
- (2) ఖచ్చితత్వంతో రాయటం
- (3) విషయాన్ని మరియు ధారాళతను అర్థం చేసుకోవటం
- (4) భాషా ఉపయోగాన్ని అర్థం చేసుకోవటం

[Question ID = 357][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q147]

- 1. 1 [Option ID = 1425]
- 2. 2 [Option ID = 1426]
- 3. 3 [Option ID = 1427]
- 4. 4 [Option ID = 1428]

13) ఈ క్రింది వాటిలో ఏది స్కిమ్మింగ్, పఠన వ్యూహానికి సరైన ఉదాహరణ

- (1) పరీక్షకు తయారుకావటం
- (2) ఆరోగ్యసమస్యను అర్థంచేసుకోవటానికి మెడికల్ రిపోర్టు చదవటం
- (3) ఉద్యోగంలో చేరబోయే ముందు అందుకు సంబంధించిన నియమ నిబంధనలు చదవటం
- (4) ఆ రోజు వార్తల గురించి సింహావలోకనం కోసం వార్తపత్రికచదవటం

[Question ID = 358][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q148]

- 1. 1 [Option ID = 1429]
- 2. 2 [Option ID = 1430]
- 3. 3 [Option ID = 1431]
- 4. 4 [Option ID = 1432]

14) తరగతిగదిలో విద్యార్థులకు భాషని పెంపొందించేందుకు ఒక ఉపాధ్యాయురాలు ఇలా చేస్తుంది

- (1) బాలల దినోత్సవాన్ని గురించి ఒక రిపోర్టు రాయమని అభ్యాసకులను అడుగుతుంది
- (2) అభ్యాసకులు తమ సమవుజ్జీలతో సంభాషించుటకు అవకాశం ఇవ్వటం
- (3) క్రీడ స్థలంలో పిల్లలు వాడే భాషను పరిశీలించటం
- (4) తమకు ఇష్టమయిన కార్టూన్ లు వాడబడిన యాసలను చెప్పమని అడటం

[Question ID = 359][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q149]

- 1. 1 [Option ID = 1433]
- 2. 2 [Option ID = 1434]
- 3. 3 [Option ID = 1435]
- 4. 4 [Option ID = 1436]

15) బొమ్మలను చదవటం అనేది మాములు చదవటంలో భాగం కావలి, ఎందుకంటే

(1) అదిపిల్లలు అటువంటి బొమ్మలు గీసేవీలు కల్పిస్తుంది

(2) అది చదవటం మొదలయ్యే తొలి దశ

(3) అది విద్యార్థులు తరగతి గదిలో నిమగ్నం కావటానికి, క్రమశిక్షణ తోపుండటానికి ఉపకరిస్తుంది

(4) అది అనేకరంగుల గురించి తెలియజేస్తుంది

[Question ID = 360][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_107_TELUGU_Q150]

1. 1 [Option ID = 1437]

2. 2 [Option ID = 1438]

3. 3 [Option ID = 1439]

4. 4 [Option ID = 1440]